राष्ट्रीय दैनिक

# प्रातः किरण

दिल्ली एवं पटना से प्रकाशित

हर खबर पर पकड़

/Pratahkiran /Pratahkiran /Pratahkiran

11 शुबमन गिल और अक्षर पटेल बन सकते हैं भारतीय टीम के कप्तान ...

मोदी का ऐलान-भारत से चुराई 100 से ज्यादा प्राचीन वस्तुएं ... 12



वर्ष : 11 | अंक : 46 | पटना, सोमवार, 26 जून, 2023 | विक्रम संवत् 2080 | पेज : 12 | मूल्य ₹ : 03.00 | www.pratahkiran.com


**मौसम**

अधिकतम तापमान 38°C

न्यूनतम तापमान 29.0°C

| | |
|---|---|
| हां | 30% |
| नहीं | 50% |
| कह नहीं सकते | 10% |

**बाजार**

| | |
|---|---|
| सोना | 59,340 |
| चांदी | 55,350 |
| सेंसेक्स | 63,327 |
| निफ्टी | 18,816 |

# टीबी उन्मूलन की दिशा में कारगर प्रयास कर रही केन्द्र व राज्य सरकार : राज्यपाल

## बोलें- 2024 तक बिहार होगा टीबी मुक्त

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। राज्यपाल डाक्टर राजेन्द्र विश्वनाथ अर्लेकर ने कहा है कि बिहार को 2024 तक टीबी मुक्त कर लिया जाएगा। यहां लगभग 11-12 लाख टीबी मरीज हैं। केन्द्र सरकार के सहयोग से राज्य सरकार टीबी उन्मूलन की दिशा में कारगर प्रयास कर रही है। ये बातें उन्होंने रविवार को जिले के औराई प्रखंड अंतर्गत शाही मीनापुर में रामजेवर कुंवर रेड क्रॉस हॉस्पिटल सह सामुदायिक कल्याण केन्द्र के उद्घाटन के दौरान एक सभा को सम्बोधित करते हुए कहीं। उन्होने कहा कि सुदूर गांव में आप लोगों से मिलने यहां मैं आया हूं। आप लोगों की बात सुनने आया हूं, जहां मैंने अस्पताल का उद्घाटन किया है इस भवन का उपयोग हम सबकी स्वास्थ्य सुविधाओं के लिए होने वाला है। उन्होने इस अवसर पर मंच पर उपस्थित सभी लोगों को बधाई दिया।,

उन्होने कहा कि शहरों में सभी तरह की सुविधाएं होती है। अच्छे-अच्छे हॉस्पिटल एवं डॉक्टर होते हैं,आने-जाने के लिए यातायात के साधन भी होते हैं । परंतु सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों में यातायात के पर्याप्त साधन नही होते हैं और ना ही चिकित्सीय सुविधाएं

दुरुस्त रहती है। ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों को इन सुविधाओं को उपलब्ध कराना हमारा कर्तव्य है। हम गैर सरकारी स्तर पर भी ग्रामीण क्षेत्र के लोगों को उच्च स्तर की स्वास्थ्य सुविधाएं मुहैया करा सकते हैं । इस संबंध में रेड क्रॉस सोसाइटी हर मोर्चे पर स्वास्थ्य सुविधाएं आम जनों को मुहैया कराते आई है। गांव में इन सुविधाओं को मुहैया कराने के लिए कुछ बाधाएं भी होती हैं । इस कड़ी में उद्योगपति सर्वेश शाही ने रेड क्रॉस सोसाइटी को भवन निर्माण के लिए अपने निजी कोष से राशि मुहैया कराई , यह बड़ी बात है।

मैं इसके लिए ऐसे लोगो की सराहना करता हूं, जो दूर प्रदेशों में जाकर पैसे तो कमाते है, लेकिन अपने गांव को भूल जाते हैं ।सर्वेश शाही बधाई के पात्र हैं कि इनका जुड़ाव न केवल अपने गांव से बना हुआ है बल्कि वे गांव के विकास के लिए सदैव तत्पर हैं। इधर सिविल सर्जन उमेश चंद्र शर्मा से जब महामहिम ने टीवी मरीजों की संख्या के बारे में जानकारी मांगी तो उन्होंने प्रखंड में 24 मरीजों की संख्या के बारे में जानकारी दी, जबकि औराई सीएचसी में 56 टीवी के मरीजों का इलाज किया जा रहा है। विधान परिषद के सभापति देवेश चंद्र ठाकुर ने कहा कि यह मेरा क्षेत्र है और सौभाग्य की बात है कि महामहिम ने अपना महत्वपूर्ण समय निकालकर यहां लोगों को संबोधित किया। मेरी तरफ से भी सोसाइटी को सहयोग किया जाएगा। कार्यक्रम को संबोधित करने वालों में आईआरसीएस के चेयरमैन डॉ बी बी सिन्हा, उदय शंकर प्रसाद, रेड क्रौस के जिला अध्यक्ष अमरनाथ पांडे, जिलाधिकारी प्रणव कुमार, आई जी पंकज सिन्हा, एस एस पी राकेश कुमार, डीएसपी मनोज पाण्डेय, भूषण शाही, नरेन्द कुमार, नवनीत शाही समेत कई लोग उपस्थित थे।

# भारत और मिस्र के बीच आपसी संबंधों को और मजबूत करने पर जोर

## समझौता ज्ञापन पर पीएम मोदी और राष्ट्रपति अल-सिसी ने किये हस्ताक्षर

प्रात : किरण संवाददाता

काहिरा। भारत और मिस्र के बीच रविवार को काहिरा में एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किये गए। इस समझौते पर भारत की तरफ से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मिस्र के राष्ट्रपति अब्देल फतह अल-सिसी ने हस्ताक्षर किए। इससे पहले प्रधानमंत्री मोदी ने हेलियोपोलिस युद्ध कब्रिस्तान का दौरा किया और प्रथम विश्व युद्ध के दौरान सर्वोच्च बलिदान देने वाले भारतीय सैनिकों को श्रद्धांजलि दी। पीएम मोदी काहिरा में रविवार को अल हकीम मस्जिद भी गए। अल-हकीम मस्जिद मिस्र के काहिरा में 11वीं सदी का एक महत्वपूर्ण ऐतिहासिक और सांस्कृतिक स्थल है। इसे भारत और मिस्र द्वारा साझा की गई समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का प्रमाण माना जाता है। प्रधानमंत्री मोदी की यात्रा का महत्व अल-हकीम मस्जिद का उल्लेखनीय जीर्णोद्धार है, जो दाऊदी बोहरा समुदाय के अटूट समर्पण और समर्थन के माध्यम से संभव हुआ है। इस साल की शुरूआत में भारत के गणतंत्र दिवस समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में राष्ट्रपति अल-सिसी की उपस्थिति के बाद पीएम मोदी की मिस्र यात्रा एक पारस्परिक संकेत के रूप में हुई है।

राष्ट्रपति अल-सिसी की भारत यात्रा अत्यधिक सफल साबित हुई थी, जिसके परिणामस्वरूप दोनों देश अपने संबंधों को रणनीतिक साझेदारी के स्तर तक बढ़ाने के लिए पारस्परिक रूप से सहमत हुए। पीएम मोदी ने शनिवार को काहिरा में अपने मिस्र के समकक्ष मुस्तफा मदबौली के साथ एक गोलमेज बैठक की थी। भारतीयों ने मिस्र में मोदी का किया शानदार स्वागत : मिस्र में उतरने के बाद प्रधानमंत्री काहिरा के एक होटल में जोरदार स्वागत और ह्यवंदे मातरम और मोदी-मोदी के नारों के बीच पहुंचे। पीएम मोदी के स्वागत के लिए रिट्ज कार्लटन होटल में भारतीय समुदाय के कई सदस्य मौजूद थे। भारतीय प्रवासियों ने तिरंगा लहराकर और मोदी-मोदी, वंदे मातरम के नारे लगाकर अपना उत्साह प्रदर्शित किया। प्रवासी भारतीयों में कई बच्चे भी मौजूद थे। पीएम मोदी के स्वागत में कई लोगों ने भारतीय गीत भी गाए और सांस्कृतिक कार्यक्रम भी पेश किए। प्रधानमंत्री ने एक ट्वीट में कहा, मिस्र में भारतीय प्रवासियों के गर्मजोशी से स्वागत से मैं बहुत प्रभावित हूं। उनका समर्थन और स्नेह वास्तव में हमारे राष्ट्रों के शाश्वत बंधन का प्रतीक है।

### आपातकाल को कभी भुलाया नहीं जा सकता : पीएम

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को आपातकाल की बरसी पर कहा कि यह भारतीय इतिहास का वह कालखंड है, जिसे कभी भुलाया नहीं जा सकता है। उन्होंने एक ट्वीट में कहा, मैं उन सभी साहसी लोगों को श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं, जिन्होंने आपातकाल का विरोध किया और हमारी लोकतांत्रिक भावना को मजबूत करने के लिए काम किया। आपातकाल के काले दिन हमारे इतिहास का वह कालखंड हैं, जिसे भुलाया नहीं जा सकता है। यह हमारे संवैधानिक मूल्यों के बिल्कुल विपरीत था। गौरतलब है कि 25 जून 1975 को देश में आपातकाल लगाने की घोषणा की गई थी और उस समय इंदिरा गांधी प्रधानमंत्री थीं। आपातकाल को 21 मार्च 1977 को हटा लिया गया था।

## नई नियुक्ति नियमावली राज्य के हित में: शिक्षा मंत्री

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। बिहार सरकार द्वारा शिक्षक भर्ती के लिए लाई गई नई शिक्षक नियुक्ति नियमावली के विरोध में 11 जुलाई को शिक्षक संघ पटना में विधायकों के आवास का घेराव करेगा। शिक्षकों के इस आंदोलन पर बिहार के शिक्षा मंत्री चंद्रशेखर की प्रतिक्रिया आई है। शिक्षा मंत्री चंद्रशेखर ने कहा है कि नई नियमावली राज्य के हित में है और शिक्षक बेवजह इसका विरोध कर रहे हैं। शिक्षकों के आंदोलन पर शिक्षा मंत्री चंद्रशेखर ने कहा है कि प्रदर्शन करना शिक्षकों का अधिकार है लेकिन जो शिक्षक नियमावली बनाई गई है वह राज्य के हित में है, उसको लेकर किसी तरह की चिंता नहीं करनी है। शिक्षक बेकार में चिंता कर रहे हैं। वे एक परीक्षा तो पास कर गए हैं दूसरी परीक्षा उसी चीज की देनी है जिसे वे पढ़ा रहे हैं। शिक्षा के क्षेत्र में बिहार की जो विरासत रही है। ज्ञान के क्षेत्र में बिहार की फिर से विस्वस्तरीय इमेज बने इसके लिए सरकार कोशिश कर रही है। वहीं विपक्षी एकता की बैठक में दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल की नाराजगी सामने आने के सवाल पर शिक्षा मंत्री चंद्रशेखर ने कहा है कि किसी तरह की नाराजगी नहीं है।

## संक्षिप्त खबरें

### अमेरिका के आठ उत्पादों से सीमा शुल्क हटाएगा भारत

नईदिल्ली। भारत, अमेरिका से आयात होने वाले चना, दाल और सेब समेत आठ उत्पादों से सीमा शुल्क हटाएगा। भारत ने इन पर सीमा शुल्क 2019 में लगाया था जब अमेरिका ने इस्पात और एल्युमिनियम के कुछ उत्पादों पर शुल्क बढ़ा दिया था। सूत्रों ने यह जानकारी दी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की हालिया अमेरिका यात्रा के दौरान दोनों देश विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) के छह विवादों को खत्म करने और अमेरिका के उत्पादों पर प्रतिशोध स्वरूप लगाए गए शुल्कों को हटाने पर सहमत हुए थे। अमेरिका ने 2018 में राष्ट्रीय सुरक्षा का हवाला देकर इस्पात उत्पादों पर आयात शुल्क 25 प्रतिशत और एल्युमिनियम के कुछ उत्पादों पर 10 प्रतिशत आयात शुल्क लगाने का फैसला लिया था। इसके जवाब में भारत ने जून, 2019 में अमेरिका के 28 उत्पादों पर आयात शुल्क लगा दिया था। सूत्र ने बताया कि भारत द्वारा अतिरिक्त शुल्कों को रद्द करने की अधिसूचना के बाद इन आठ अमेरिका में निर्मित उत्पादों पर शुल्क सबसे पसंदीदा देश (एमएफएन) की वर्तमान दर पर वापस आ जाएगा। शुल्क 90 दिन में खत्म हो जाएंगे। सूत्रों ने बताया कि समझौते के तहत भारत चना (10 प्रतिशत), दाल (20 प्रतिशत), ताजा या सूखे बादाम (7 रुपये प्रति किलोग्राम), छिलके वाले बादाम (20 रुपये प्रति किलोग्राम), अखरोट (20 प्रतिशत), ताजा सेब (20 प्रतिशत), बोरिक एसिड (20 प्रतिशत), और चिकित्सकीय अभिकर्मक (20 प्रतिशत) से अतिरिक्त शुल्क हटा देगा। अमेरिका के सांसदों और उद्योग जगत ने इन शुल्क को हटाने के लिए भारत से समझौते की घोषणा का स्वागत किया है। अमेरिका, भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है। बीते वित्त वर्ष में द्विपक्षीय माल व्यापार बढ़कर 128.8 अरब डॉलर हो गया था जो वित्त वर्ष 2021-22 में 119.5 अरब डॉलर था। भारत सेब के लिए वाशिंगटन का दूसरा निर्यात बाजार है।

### वीरगंज के शंकराचार्य गेट पर लगा भारत नेपाल के दोस्ती का प्रतीक चिह्न

पूर्वी चंपारण। जिले के प्रमुख सीमाई शहर रक्सौल और नेपाल के वीरगंज शहर के प्रवेश द्वार पर बने सुप्रसिद्ध शंकराचार्य गेट के समीप भारत नेपाल के अटूट दोस्ती का प्रतीक चिह्न लगाया गया है। वीरगंज महा नगर पालिका के सौजन्य से लगाये गये यह प्रतीक चिह्न बरबस लोगो को आकर्षित कर रहा है। इस प्रतीक चिह्न में दोनो देश के हाथों पर भारत और नेपाल का झंडा भी लगाया गया है। जो इन देशों के अटूट सबंधो को दर्शा रहा है। इस प्रतीक चिह्न को देखने बड़ी संख्या में लोग पहुंच रहे है। पर्यटक यहां रूककर शेल्फी लेते दिख रहे है। वही सीमा क्षेत्र के लोग इसकी सराहना भी कर रहे हैं। वीरगंज महा नगर पालिका के मेयर राजेश मान सिंह ने रविवार को इसकी जानकारी देते हुए बताया कि नेपाल भारत के बीच मैत्री और सौहार्दपूर्ण संबंध है ।इसी संदेश को देने के लिए दोस्ती का हाथ स्थापित किया गया है, ताकि, नेपाल और भारत के लोग सीमा क्षेत्र से गुजरते समय इस देख प्रेरित हो। उन्होंने बताया कि हमारा लक्ष्य है कि पर्यटन संवर्द्धन योजना के तहत मैत्री पुल से ले कर शंकराचार्य गेट तक सौंदर्यीकरण किया जाए और इसे आकर्षक और दर्शनीय बनाया जाए,ताकि, दोनो देशों के अलावें विदेशी पर्यटक भी इस खुली सीमा को देख कर प्रेरणा लें और पूरी दुनियां में अटूट दोस्ती का संदेश जाए।

# शिक्षा क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए कदम उठा रही है राज्य सरकार

## जिलाधिकारी को सप्ताह में दो बार स्कूलों का निरीक्षण करने का निर्देश

प्रात : किरण एजेंसी

पटना। बिहार सरकार सरकारी स्कूलों का नियमित निरीक्षण और इस दौरान अनुपस्थित रहने वाले शिक्षकों के वेतन कटौती सहित कई कदम शिक्षा क्षेत्र को मजबूत करने के लिए उठाएगी। एक परिपत्र में यह जानकारी दी गई। परिपत्र के मुताबिक विभाग के अधिकारियों को अदालत में उपस्थिति के लिए अपने जिला मुख्यालय से बाहर जाने पर भी अपर प्रमुख सचिव (एसीएस) से सीधी अनुमति लेनी होगी। इसमें जिलाधिकारियों से आह्वान किया गया है कि वे कम से कम सप्ताह में दो बार सभी स्कूलों का निरीक्षण सुनिश्चित करें और इस दौरान अनुपस्थित रहने वाले शिक्षकों की वेतन कटौती जैसे कदम उठाएं। राज्य शैक्षणिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद (एससीईआरटी) द्वारा 24 जून को जारी परिपत्र में कहा गया कि एससीईआरटी में तैनात सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को कार्यदिवस पर पूर्वाह्न नौ बजकर 30 मिनट पर कार्यालय में उपस्थिति दर्ज करने और रात आठ बजे तक काम करने को कहा गया है। इसके मुताबिक शनिवार को कार्यालय शाम छह बजे तक खुले रहेंगे। नई कार्यसारिणी 26 जून से प्रभावी होगी। परिपत्र में कहा गया है कि सभी अधिकारी कड़ाई से कार्य सारिणी का अनुपालन करें और हर सप्ताह उपस्थिति की समीक्षा करें। जिला शिक्षा

● शिक्षा विभाग के अपर सचिव के सख्त निर्देश से मचा हड़कंप

अधिकारियों सहित अधिकारियों को भेजे पत्र में कहा गया कि वे अवकाश के लिए एसीएस से अनुमति प्राप्त करें। पत्र में कहा गया, केवल आपात स्थिति में वे अपने से वरिष्ठ अधिकारी से अनुमति ले सकते हैं। सभी जिलाधिकारियों को 23 जून को अलग से भेजे गए पत्र में बिहार शिक्षा विभाग के अपर प्रमुख सचिव के के पाठक ने अनुरोध किया है कि वे सरकारी स्कूलों की कार्यप्रणाली की निगरानी करें, स्कूलों में मध्यान्ह भोजन का क्रियान्वयन सुनिश्चित करें, शौचालय की स्थिति, पेयजल की उपलब्धता और शिक्षकों व कर्मियों की उपस्थिति पर नजर रखें।

# मणिपुर के मुख्यमंत्री ने शाह को राज्य के हालात के बारे में जानकारी दी

## कहा- हिंसा को नियंत्रित करने में काफी हद तक मिली कामयाबी

प्रात : किरण एजेंसी

नई दिल्ली। मणिपुर के मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने रविवार को यहां केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को राज्य में बदलती स्थिति के बारे में जानकारी दी और कहा कि राज्य और केंद्र सरकारें हिंसा को काफी हद तक नियंत्रित करने में कामयाब हुई हैं। इंफाल से रविवार सुबह राष्ट्रीय राजधानी पहुंचे सिंह, शाह से मिलने उनके आवास पर गये। सिंह ने ट्वीट किया, आज नई दिल्ली में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की और मणिपुर में जमीनी स्तर पर बदलती स्थिति के बारे में जानकारी दी। अमित शाह की करीबी निगरानी में, राज्य और केंद्र सरकार पिछले सप्ताह में काफी हद तक हिंसा को नियंत्रित करने में कामयाब हुई है। सिंह ने कहा कि 13 जून के बाद से हिंसा के कारण किसी के हताहत होने की कोई सूचना नहीं है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि गृह मंत्री ने उन्हें आश्वासन दिया कि केंद्र सरकार मणिपुर में सामान्य स्थिति वापस लाने के लिए हर संभव कदम उठाएगी। सिंह ने कहा कि शाह ने स्थायी शांति प्राप्त करने की दिशा में अपने काम को पुख्ता करने की सलाह दी और शांति सुनिश्चित करने के लिए मणिपुर में प्रत्येक हितधारक से सहयोग भी मांगा। शाह के साथ मुलाकात के समय सिंह के साथ भाजपा के कुछ नेता भी थे। एक दिन पहले,

गृह मंत्री ने मणिपुर की स्थिति पर सर्वदलीय बैठक की अध्यक्षता की थी। तीन घंटे तक चली बैठक में 18 राजनीतिक दल, पूर्वोत्तर के चार सांसद और क्षेत्र के दो मुख्यमंत्री शामिल हुए थे। गृह मंत्री ने सर्वदलीय बैठक में बताया था कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पहले दिन से ही मणिपुर की स्थिति पर लगातार नजर रख रहे हैं और समस्या का समाधान निकालने के लिए पूरी संवेदनशीलता के साथ हमारा मार्गदर्शन कर रहे हैं। शाह ने बैठक में कहा था कि मणिपुर में हालात धीरे-धीरे सामान्य हो रहे हैं और 13 जून के बाद से राज्य में हिंसा में एक भी व्यक्ति की मौत नहीं हुई है।

## रूस की स्थिति पर जापान-अमेरिका के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकारों ने की चर्चा

प्रात : किरण एजेंसी

टोक्यो। जापान के राष्ट्रीय सुरक्षा सचिवालय के प्रमुख ताकेओ अकिबा और अमेरिका में व्हाइट हाउस के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जेक सुलिवन ने रविवार को रूस में वैगनर समूह की निजी सैन्य कंपनी (पीएमसी) और उसके प्रमुख येवगेनी प्रिगोझिन से जुड़ी स्थिति को लेकर चर्चा की। जापान की सरकार की ओर से जारी बयान में कहा गया कि बातचीत के दौरान दोनों पक्षों ने करीबी सहयोग के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। जापानी प्रधानमंत्री फुमियो किशिदा ने रविवार को भी विदेश मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों से रूस की स्थिति पर एक रिपोर्ट प्राप्त की। उल्लेखनीय है कि रूस की संघीय सुरक्षा सेवा ने शुक्रवार को प्रिगोझिन की ओर से दिए गए बयानों पर सशस्त्र विद्रोह को उकसाने के लिए एक आपराधिक मामला शुरू किया था। एफएसबी ने कहा कि रूसी क्षेत्र पर संघर्ष बढ़ने का खतरा है। रूसी रक्षा मंत्रालय ने कहा कि पीएमसी वैगनर शिविरों पर कथित रूसी सैन्य हमलों की सोशल मीडिया रिपोर्टें सच नहीं हैं। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने शनिवार को टेलीविजन पर राष्ट्र के नाम संबोधन में वैगनर समूह की कार्रवाइयों को सशस्त्र विद्रोह और देशद्रोह बताया और विद्रोहियों के खिलाफ कठोर कदम उठाने का वादा किया। इसके बाद बेलारूस के राष्ट्रपति कार्यालय ने कहा कि श्री प्रिगोझिन ने रूस में वैगनर सैनिकों की आवाजाही को रोकने और स्थिति को शांत करने के लिए कदम उठाने के बेलारूसी राष्ट्रपति अलेक्जेंडर लुकाशेंको के प्रस्ताव को स्वीकार कर लिया। श्री प्रिगोझिन ने बाद में जानकारी की पुष्टि करते हुए कहा कि वैगनर सैनिक अपने फील्ड शिविरों में वापस लौट रहे हैं।

**कार्यक्रम** समुद्री पड़ोसी देशों के साथ योग दिवस मनाकर लौटने लगे भारत के युद्धपोत

# भारतीय युद्धपोतों ने योग दिवस मनाने के साथ अन्य कार्यक्रमों में हिस्सा लिया

## भारत और केन्या की नौसेनाओं ने साझेदारी में एक समुद्री अभ्यास भी किया

प्रात : किरण एजेंसी

नई दिल्ली।ओशन रिंग ऑफ योग थीम के हिस्से के रूप में समुद्री पड़ोसी देशों के साथ 9वां अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाने के लिए गए भारतीय नौसेना के युद्धपोत अब भारत लौटने लगे हैं। आईएनएस सुनयना ने मोम्बासा (केन्या), आईएनएस त्रिशूल ने टोमासिना (मेडागास्कर) और आईएनएस तरकश ने मस्कट (ओमान) के बंदरगाहों पर योग दिवस मनाने के साथ ही अन्य कार्यक्रमों में हिस्सा लिया। भारत और केन्या की नौसेनाओं ने साझेदारी में एक समुद्री अभ्यास भी किया। आईएनएस सुनयना : ओशन रिंग ऑफ योग विषय पर समुद्री पड़ोसी देशों के साथ द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने की दिशा में आईएनएस सुनयना ने 20-23 जून तक केन्या के मोम्बासा बंदरगाह का दौरा किया। वहां पहुंचने पर जहाज का स्वागत भारतीय उच्चायोग के प्रतिनिधियों ने किया। जहाज के कमांडिंग ऑफिसर ने केन्या नौसेना के डिप्टी कमांडर ब्रिगेडियर वाईएस अब्दी से मुलाकात की और संपूर्ण विश्व को एक साथ लाने की दिशा में योग के महत्व पर प्रकाश डाला। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर भारतीय नौसेना कर्मियों और केन्याई रक्षा बलों की भागीदारी में एक संयुक्त योग सत्र का आयोजन किया गया।

भारत और केन्या की नौसेनाओं के चालक दलों ने बंदरगाह फेज के दौरान अग्निशमन और डैमेज कंट्रोल, बोर्डिंग अभ्यास, असंयमित खतरा सिमुलेशन तथा वीबीएसएस का अभ्यास किया। केन्या नौसेना के लिए जहाज पर एक एचएडीआर कैप्सूल का भी आयोजन किया गया। केन्याई रक्षा बल (केडीएफ) के प्रमुख जनरल फ्रांसिस ओ ओगोला के सम्मान में भारतीय नौसेना के उप-प्रमुख वाइस एडमिरल संजय महेंद्रू ने सुनयना में एक स्वागत समारोह का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में नैरोबी में भारत की उच्चायुक्त महामहिम नामग्या खंपा ने भी हिस्सा लिया। अपने संबोधन में जनरल फ्रांसिस ने केन्या नौसेना कर्मियों को प्रशिक्षित करने के लिए भारतीय नौसेना के प्रति आभार जताया तथा दोनों देशों के बीच निरंतर सहयोग के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की। भारतीय नौसेना के उप-प्रमुख ने केन्या नौसेना के कमांडर मेजर जनरल जिमसन मुथाई को 200 लाइफ जैकेट उपहार में दीं। भारतीय नौसेना की सामाजिक आउटरीच गतिविधियों और सामुदायिक कल्याण के अनुरूप मोम्बासा के एक अनाथालय में रसद का वितरण किया गया। 23 जून को मोम्बासा से प्रस्थान होते समय आईएनएस सुनयना ने केन्या नौसेना के जहाज जसीरी के साथ पैसेज अभ्यास (पासेक्स) किया। मोम्बासा की यात्रा भारत और केन्या के बीच मजबूत

एवं दीर्घकालिक संबंधों की पुष्टि करती है तथा समुद्री क्षेत्र में द्विपक्षीय सहयोग को और मजबूती प्रदान करेगी।

**आईएनएस त्रिशूल :** अपने समुद्री पड़ोसियों के साथ भारत के सौहार्दपूर्ण संबंधों को दशार्ते हुए आईएनएस त्रिशूल ने 19-22 जून तक मेडागास्कर के टोमासिना में एक बंदरगाह कॉल किया। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर हुए कार्यक्रम में जहाज की कंपनी, गवर्नर और मेयर कार्यालय के अधिकारी, मालागासी सशस्त्र बल, महिला पुलिस, भारत के राजदूत सहित भारतीय दूतावास के सदस्य आदि 352 कर्मी शामिल थे। इस कार्यक्रम में डॉक्टरों, नर्सों, भारतीय प्रवासियों के सदस्यों और स्थानीय नागरिकों ने भाग लिया। इस यात्रा का उद्देश्य दोनों नौसेनाओं के बीच सहयोग और आपसी समझ को बढ़ाना था। जहाज आईएनएस त्रिशूल 21 जून को मेडागास्कर के टोमासिना में पर्यटकों के लिए खुला रखा गया और लगभग 400 पर्यटक आए। आईएनएस तरकश : भारतीय नौसेना के जहाज तरकश ने 19-22 जून तक मस्कट (ओमान) में बंदरगाह यात्रा की। इस दौरान जहाज ने योग दिवस पर कई गतिविधियां आयोजित कीं। 21 जून को कमांडिंग ऑफिसर ने जहाज के चालक दल के साथ इंडियन स्कूल मस्कट में योग यात्रा में भाग लिया। ओमान में भारत के राजदूत ने योग शुरू होने से पहले आईएनएस तरकश के कमांडिंग ऑफिसर को कार्यक्रम स्थल पर मौजूद करीब 2000 प्रतिभागियों के बीच सम्मानित किया। पोर्ट कॉल के दौरान जहाज के चालक दल ने ओमान के सशस्त्र बलों के सुल्तान के साथ बातचीत की। सुल्तान के सशस्त्र बल संग्रहालय और समुद्री सुरक्षा केंद्र, मस्कट ओमान का दौरा भी किया। इन कार्यक्रमों में भारतीय नौसेना और ओमान की रॉयल नेवी के बीच घनिष्ठ मित्रता के संबंध उजागर हुए।

## संक्षिप्त खबरें

### नए एसएम का स्वागत, प्रोन्नत को विदाई

पटना सिटी (प्राकि)। पटना साहिब स्टेशन के स्टेशन मास्टर रहे एनोस एक्का की प्रोन्नति एओएम अधिकारी के रूप में समस्तीपुर हो हुई है। दूसरी ओर उपेंद्र कुमार ने बतौर स्टेशन प्रबंधक यहां कार्यभार ग्रहण किया है। दोनों के स्वागत एवं विदायी के लिए समारोह का आयोजन पटना साहिब स्टेशन परिसर में किया गया। इस दौरान दोनों को अंग वस्त्र, बुके आदि देकर सम्मानित किया गया। वहीं एनोस एक्का को उपहार भी प्रदान किया गया। इस दौरान सीओबी बिंदु कुमार, यातायात निरीक्षक रंजीत कुमार, विश्वजीत महतो, पवन कुमार, ज्ञान प्रकाश, नितिन व्यास, डॉ विनोद अवस्थी, रविंद्र कुमार, रमेश कुमार मिश्रा, अरविंद कुमार आदि मौजूद थे।

### स्व रामानंद के संघर्ष को किया गया याद

पटना सिटी (प्राकि)। जेपी आंदोलन के अगुआ और जीवनपर्यंत अपने आपको संघर्ष में झोंकते हुए परिवार और बच्चों की परवाह किए बगैर निरंतर जनसमस्याओं के लिए संघर्षरत रहने वाले हम सबों के राजनीतिक और समाजिक गुरु स्व रामानंद श्रीवास्तव की 7वीं पुण्यतिथि बावली मोड़ पर मनाया गया। श्रद्धांजलि सभा में अपने नेता को श्रद्धांजलि दी गई। इसकी अध्यक्षता राजद के पूर्व प्रदेश महासचिव सह पूर्व पार्षद बलराम चौधरी और संचालन राजद के पूर्व प्रदेश महासचिव व जेपी सेनानी डॉ एकबाल अहमद ने किया। श्रद्धांजलि देने वालों में समाजसेवी मोहम्मद जावेद, रजनीश कुमार राय, मो कासिम चांद, अभिषेक कुमार रिंकू, भूषण माली, आनन्द कुमार, कुंदन माली, रमेश कुमार, शशि कुमार आदि शामिल थे। इस दौरान स्व रामानंद श्रीवास्तव के पुत्र अभिषेक कुमार श्रीवास्तव ने धन्यवाद ज्ञापन किया। दूसरी ओर कलमजीवी समाज के और पूर्व पार्षद अवधेश कुमार सिन्हा, संजीव सिन्हा, हरिहर सिन्हा, पटना सिटी बार एसो. के अध्यक्ष संजय कुमार सिन्हा, श्री चित्रगुप्त आदि मंदिर के सुदामा प्रसाद सिन्हा, नवीन कुमार सिन्हा, सुशील सिन्हा, अनूप कुमार सिन्हा, प्रभात बहादुर माथुर आदि ने भी स्व रामानंद पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि अर्पित किया।

### केशगढ़ साहिब के जत्थेदार सुल्तान सिंह के पगड़ी रस्म में हुए शामिल

पटना सिटी (प्राकि)। तख्तश्री केशगढ़ साहिब के जत्थेदार बनाए गए ज्ञानी सुल्तान सिंह के पगड़ी रस्म में तख्तश्री पटना साहिब के कथावाचक सतनाम सिंह शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने जत्थेदार ज्ञानी सुल्तान सिंह को पगड़ी भेंट किया। बाद में कथावाचक सतनाम सिंह को भी यहां दरबार साहिब में सरोपा दे सम्मानित किया गया। दरअसल कथावाचक सतनाम सिंह का घर श्री आनंदपुर साहिब में है। इस कारण से वे वहां गए हुए हैं। वह वहां चल रहे गुरमत कैंप के समापन समारोह में भी भाग लेंगे। इसके बाद पटना साहिब लौटेंगे।

### पाटलिपुत्र स्टेशन रोड में वर्चस्व को लेकर दो गुटों में मारपीट, 6 गिरफ्तार

दानापुर। रूपसपुर थाने के पाटिलपुत्र स्टेशन रोड में शनिवार को देर शाम में वर्चस्व को लेकर दो गुटों में जमकर मारपीट व दो राउंड गोलीबारी हुआ है। जिसमें तीन जख्मी हो गये है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने दोनों गुटों के छह लोगों को गिरफ्तार किया है। जिसमें तीन नाबालिग को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार अंशु सिंह, अंकित कुमार व आयुष भारद्वाज है। अपर थानाध्यक्ष राकेश कुमार ने बताया कि महुआबाग के राधे सरकार व वीरबसावन नगर के शुभम सिंह गुट के बीच वर्चस्व को लेकर मारपीट हुई है। मारपीट के दौरान सडक पर खडी 3-4 गाडी का शीशा भी फोड दिया गया है।

### दानापुर बकरीद को लेकर शांति समिति की बैठक संपन्न

दानापुर। बकरीद पर्व को लेकर रविवार को थाना परिसर में शांति समिति की बैठक की गई। बैठक में प्रभारी एसडीओ आईडी महादेव ने सभी लोगों से अफवाह पर ध्यान नही देते हुए शांति व सौहार्दपूर्ण वातावरण में पर्व मनाने की अपील की है। उन्होंने कहा कि थाना क्षेत्र के सभी संवेदनशील जगहों पर बकरीद पर्व को लेकर दंडाधिकारी के नेतृत्व में पुलिस बल तैनात की जायेगी। थानाध्यक्ष सम्राट दीपक ने जनप्रतिनिधियों व गणमान्य लोगों से बकरीद पर्व को शांतिपूर्ण और भाईचारे के माहौल में मनाने की अपील की है। उन्होंने कहा कि पूरे क्षेत्र में पुलिस गश्ती भी जारी रहेगी। असामाजिक तत्वों पर विशेष नजर रखी जायेगी। ऐसे में कही भी कोई अफवाह फैले तो इसकी तुरंत सूचना प्रशासन को दे।

# चावल ब्रोकर के यहां लूट में स्टाफ की भूमिका, 5 गिरफ्तार

## एक देसी कट्टा, 1.65 लाख नगद, 8 सेल, बाइक, एक देसी कट्टा व ऑटो बरामद

पटना सिटी, प्रात :किरण संवाददाता

आलमगंज थाना क्षेत्र के मीना बाजार में चावल-गेहूं के ब्रोकर प्रकाश खेतन के कार्यालय में कोई साढ़े चार लाख की लूट का उद्भेदन पुलिस ने कर दिया है। इस लूट में उनका स्टाफ महावीर कुमार उर्फ मनीष ने मुख्य भूमिका निभाया। वहीं भागे अपराधियों ने एनएच 30 पर महिंद्रा शोरूम के पास एक व्यक्ति से उसकी बाइक, मोबाइल और बैग छीन कर टोल प्लाजा की ओर भागा। इस संबंध में बाइपास थाना में कांड दर्ज किया गया। पुलिस ने व्यवसायी के यहां हुई लूट में से एक लाख 65 हजार नगद, तीन मोबाइल और एक देसी कट्टा बरामद किया है। इसके अलावा घटना में प्रयुक्त एक सीएनजी ऑटो के अलावा चार मोबाइल, बाइपास थाना क्षेत्र से लूटा गया मोटरसाइकिल व मोबाइल बरामद कर लिया है ।यह जानकारी संवाददाता सम्मेलन के दौरान सिटी एसपी ईस्ट सुदीप सिंह ने रविवार को एएसपी कार्यालय में दी। सिटी एसपी ने बताया कि 23 जून को अपराह्न करीब 2.50 बजे में आलमगंज थाना क्षेत्र के जल्ला रोड सब्जी मंडी हनुमान मंदिर के पास चार अज्ञात अपराधकर्मियों द्वारा चावल के ब्रोकर प्रकाश खेतान के ऑफिस में घुस कर पिस्टल का भय दिखा कर मारपीट किया। इस दौरान तिजोरी खुलवा कर साढ़े चार लाख नगद और तीन मोबाइल की लूट की गई थी। इसके बाद सभी अज्ञात अपराधीकर्मी सीएनजी ऑटो पर सवार होकर एनएच 30 की ओर भाग निकले। भागने के दौरान अपराधियों के द्वारा बाइपास थाना क्षेत्र के महिंद्रा शोरूम के पास करीब अपराह्न करीब सवा तीन बजे पिस्टल का भय दिखा कर खुसरूपुर थाना क्षेत्र के आर्य समाज गली के रहने वाले विमल कुमार पिता विजय कुमार गोस्वामी का मोटरसाइकिल, एक मोबाइल और उसका बैग लूट लिया। इसके बाद सभी अपराधी टोल प्लाजा की ओर भाग निकला। यहां पर हुई लूटपाट की घटना के संदर्भ में बाइपास थाना में कांड संख्या 323/23 भादवि 394 के द्वारा दर्ज किया गया। वहीं चावल के ब्रोकर के द्वारा आलमगंज थाना में कांड 561/23 दर्ज कराया गया था। बाद में एसएसपी के निर्देश पर सिटी एसपी पूर्वी ने एएसपी शरथ आरएस के नेतृत्व में टीम का गठन किया। इसमें आलमगंज थाना के थानाध्यक्ष अभिजीत कुमार, बाइपास थाना के थानाध्यक्ष सनोवर खां, दीदारगंज थाना के थानाध्यक्ष चेतनानंद झा, नदी थाना के थानाध्यक्ष अखिलेश कुमार, आलमगंज थाना के एसआई लालमुनि दूबे, बाइपास थाना के एसआई संजय कुमार, मालसलामी थाना के एसआई गंगासागर सिंह एवं अन्य को टीम में शामिल किया गया। अनुसंधान के दौरान सीसीटीवी फुटेज और तकनीकी सहयोग से कांड में संलिप्त पांच अपराधियों को गिरफ्तार किया गया है। इस घटना में प्रयुक्त देसी कट्टा, एक सीएनजी टेंपो एवं चालक का मोबाइल, लूटा गया तीन मोबाइल, 1.65 लाख नगद के अलावा बाइपास थाना क्षेत्र से लूटे गए मोटरसाइकिल और एक मोबाइल को बरामद किया गया है। गिरफ्तार अपराधियों के द्वारा बताया गया कि यह घटना चावल के ब्रोकर प्रकाश खेतान के यहां काम करने वाले स्टाफ महावीर उर्फ मनीष कुमार के द्वारा बनाई गई योजना के अनुसार प्रकाश खेतान के ऑफिस में लूट की घटना को अंजाम दिया गया है। गिरफ्तार लोगों में दीदारगंज थाना क्षेत्र के दीदारगंज धर्मशाला का रहने वाला अनिल कुमार पिता विष्णुदेव राय, कुंदन कुमार पिता रामजय राय, मालसलामी थाना क्षेत्र के रिकाबगंज का रहने वाला ऋषि कुमार उर्फ रॉकी पिता अर्जुन यादव, सिमली शाहदरा नया टोला का रहने वाला महावीर कुमार उर्फ मनीष कुमार पिता शिवशंकर साहू और पूर्वी नंदगोला मालसलामी और स्थायी रूप से वैशाली जिला के महनार थाना के मिश्री चौक का रहने वाला शिवम कुमार पिता बैजनाथ दास शामिल है। पुलिस ने आलमगंज और बाइपास थाना में दर्ज दोनों प्राथमिकी के मामले में घटना में प्रयुक्त एक देसी कट्टा, एक सीएनजी ऑटो, कुल आठ मोबाइल, एक मोटरसाइकिल और व्यवसायी से लूटा आ गया 4.50 लाख में से 1.65 लाख बरामद किया है।

# फिरौती में 19.50 लाख लेकर भी अपहृत को नहीं छोड़ा

## मालसलामी थाना की पुलिस ने वाराणसी से कराया मुक्त, एक गिरफ्तार

पटना सिटी, प्रात :किरण संवाददाता

मालसलामी थाना क्षेत्र के पूर्वी नंदगोला में अपने ससुराल में रहने वाले गुड्डू कुमार का यूपी के पंडित दीनदयाल स्टेशन पर उतरने के साथ 17 जून को अपहरण कर लिया गया। इस संबंध में उनकी पत्नी सीमा देवी के द्वारा 22 जून को मालसलामी थाना की पुलिस को आवेदन देकर बताया गया कि उनके पति गुड्डू कुमार 16 जून को उसे बता कर घर से निकले थे। 17 जून की सुबह वह पंडित दीनदयाल स्टेशन पर उतरे। इसी दौरान उनका अपहरण कर लिया गया। उनके पति को छोड़ने के एवज में 19 लाख 50 हजार रुपया फिरौती भी यूपीआई के माध्यम से किस्तों में लिया गया। इसके बावजूद उसके पति को मुक्त नहीं किया गया और लगातार धमकी दी जा रही थी। इस संबंध में मालसलामी थाना में कांड 447/23 दर्ज किया गया। इस संबंध में सिटी एसपी ईस्ट संदीप सिंह ने बताया कि घटना की जानकारी प्रभारी थानाध्यक्ष गंगासागर सिंह ने उन्हें दिया। इसके बाद अपहृत की बरामदगी एवं घटना में शामिल अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए एएसपी शरथ आरएस के नेतृत्व में एक पुलिस टीम का गठन किया गया। इसमें मालसलामी थाना के एसआई गंगासागर सिंह, परीक्ष्यमान एसआई अखिलेश कुमार, एएसआई अजीत कुमार, सिपाही मनोहर कुमार और भी डीआईयू शाखा के सिपाही जयंत कुमार भी शामिल थे। पुलिस पंडित दीनदयाल स्टेशन पर पहुंची। तकनीकी अनुसंधान के दौरान टीम के द्वारा कार्रवाई की गई। उत्तर प्रदेश के वाराणसी के स्थानीय पुलिस पदाधिकारी के सहयोग से इस कांड के अपहृत गुड्डू कुमार को वाराणसी के चौबेपुर थाना क्षेत्र के धरहरा गांव से बरामद किया गया। साथ ही इस कांड में संलिप्त आरोपी बनारस जनपद के चौबेपुर थाना क्षेत्र के धरहरा का रहने वाला अनिल कुमार यादव पिता रामजिया यादव को गिरफ्तार किया गया। दरअसल पुलिस को यहां भी लुका-छिपी का खेल अपहृतों ने खेलाया। पुलिस टीम के पहुंचने की सूचना मिलने के बाद अपहृत को लेकर अपहर्ता कभी बाइक, तो कभी फोर व्हीलर की मदद से लगातार स्थान बदल देता था। मगर टीम में शामिल लोकेशन लेने वाले की सक्रियता के कारण और वहां की पुलिस से मिले पूरा सहयोग से अपहृत गुड्डू कुमार को बरामद कर लिया गया। यहां से एक अपहर्ता अनिल कुमार यादव को भी गिरफ्तार किया गया। सिटी एसपी ने बताया कि अनिल कुमार और राज बाबू का गुड्डू के पास करीब 20-25 लाख रुपया बकाया है। कोई पुराना सेटलमेंट में यह राशि बाकी था। दोनों ने गुड्डू को विश्वास में लेकर मुगलसराय बुलाया और ट्रेन से उतरने के साथ ही उसे बंधक बना लिया। इस दौरान उन दोनों ने यूपीआई के माध्यम से अनेक बार में 19 लाख 50 हजार रुपया ट्रांसफर कराया गया। पुलिस यदि छापेमारी करने में देर करती, तो शायद अपहर्ता और राशि लेते और गुड्डू के साथ अनिष्ट भी संभव था। मगर गुड्डू को सकुशल बरामद करने के साथ ही एक अपहर्ता को गिरफ्तार किया गया है, जबकि दूसरा राजबहादुर की गिरफ्तारी होनी है। सिटी एसपी ने कहा कि पुलिस इस बात की भी जांच कर रही है कि जो राशि लेन-देन की गई है, वह कितना वैध है और किस मद में लेन-देन की गई है। वैसे गुड्डू मूल रूप से मध्य प्रदेश का रहने वाला है और वहीं काम धाम करता है। मगर फिलहाल वह यहां मालसलामी थाना क्षेत्र के पूर्वी नंदगोला में अपने ससुराल में पत्नी के साथ रह रहा था।

# बकरीद को लेकर थाना में शांति समिति की बैठक की गई

प्रात :किरण संवाददाता

दानापुर खगौल। 29 जून को होने वाले बकरीद त्योहारों को लेकर खगौल थाना के प्रांगण मे शांति समिति बैठक का आयोजन रविवार को किया गया। जिसमें बकरीद को लेकर कई महत्वपूर्ण निर्णय भी लिए गए। बैठक की अध्यक्षता करते हुए खगौल थानाध्यक्ष फूलदेव चौधरी ने बकरीद पर शांति एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण बनाने की गुजारिश की। उन्होंने कहा कि बकरीद के मौके पर पुलिस प्रशासन पूरी तरह से चौकस रहेगा। हर गली और चौराहे में पुलिस गश्ती करती रहेगी। इसके अलावा असामाजिक तत्वों पर पुलिस विशेष नजर रखेगी। उन्होंने खगौल के नागरिकों से अपील की आने वाले त्योहार को शांति और भाईचारे के साथ मनाएं। वही मौके पर नगर परिषद अध्यक्ष सुजीत कुमार ने कहा कि बकरीद त्योहारो में साफ-सफाई को लेकर पुख्ता इंतजाम कर लिए गए हैं।

इस बैठक मे अवर निरीक्षक अनिरुद्ध कुमार शर्मा, तरुण कुमार, प्रतिमा कुमारी नगर परिषद अध्यक्ष सुजीत कुमार चंदू प्रिन्स मोङ्ग रिंकू, मोङ्ग मोहनहर वार्ड पार्षद पिंटू कुमार ,राहुल कुमार विश्वामित्र उपाधाय प्रसून कुमार सहित कई लोग उपस्थित थे।

# कारोबारी, बैंकर्स व रेंटर रखने वालों के साथ बैठक जल्द : सिटी एसपी

## स्टाफ, गार्ड व किराएदारों की थाना में सूचना दे नहीं कराते सत्यापन

पटना सिटी, प्रात :किरण संवाददाता

शहर के कारोबारियों, बैंकर्स, ज्वेलर्स, एटीएम में रुपए डालने वाले एजेंसी के लोगों के साथ ही अपने घर में किराएदार व गोदाम रखने वाले मकान मालिकों के साथ भी जल्द ही पुलिस बैठक करेगी। इसके पीछे कारण यह है कि लोग पुलिस को सहयोग नहीं करते और नियम-कानून का पालन नहीं करते हैं। यदि कोई घटना घट जाती है, तब अपने को कानून से अनभिज्ञ बताते हुए गलती होने की बात करते हैं और इसका खामियाजा पुलिस को भुगतना पड़ता है। दोष भी पुलिस को ही दिया जाता है। यह बात सिटी एसपी ईस्ट सुदीप सिंह ने संवाददाता के द्वारा पूछे गए सवाल के जवाब में कहीं। दरअसल सिटी एसपी ईस्ट से पूछा गया कि पिछले कुछ माह पूर्व व्यवसायियों और शहर के गण्यमान्य लोगों के साथ गायघाट स्थित एक प्रतिष्ठित कम्युनिटी हॉल में बैठक हुई थी। उसमें वरीय पुलिस प्रशासन के अधिकारियों को भाग लेना था, मगर देर से सही आरक्षी उपाधीक्षक एवं दो-तीन थाना के थानाध्यक्ष पहुंचे थे। उसमें डीएसपी के द्वारा घोषणा की गई थी कि हर माह थाना स्तर पर प्रमुख कारोबारियों के साथ बैठक की जाएगी और एक-दूसरे की समस्याओं पर चर्चा होगी। बैठक अब तक नहीं हो पाई है। यही नहीं, पुलिस के वरीय अधिकारियों के द्वारा भी पटना सिटी में खासकर कारोबारियों के साथ बैठक की जाती रही है। वह भी वर्षों से बंद है। सिटी एसपी ईस्ट सुदीप सिंह ने कहा कि वह न केवल बड़े कारोबारियों के साथ बैठक करना चाहते हैं, बल्कि ज्वेलरी के बड़े कारोबारी, दुकानदार, बैंकर्स, विभिन्न एटीएम में रुपए डालने वाली एजेंसी के लोगों के साथ ही अपने घर में किराएदार रखने वालों के साथ भी बैठक करनी है। उनका कहना था कि कहीं न कहीं कारोबार या बैंक के अधिकारी व पदाधिकारी, एजेंसी के लोगों के द्वारा चूक होती है और इसी कमी के कारण वारदात की घटनाएं होती हैं। इससे पुलिस के अधिकारी व पदाधिकारियों को खासा परेशानी का सामना करना पड़ता है। बढ़ते अपराध का दोष भी पुलिस पर लगाया जाता है। यही नहीं, अनेक मकान मालिक अपने घरों में किराएदार को रखते हैं।

# पटना में होगी तीन दिवसीय अंग अंगिका महोत्सव: डॉ विभुरंजन

प्रात : किरण ब्यूरो।

भागलपुर। अंगिका को बिहार में द्वितीय राज भाषा का दर्जा मिले इसको लेकर आगामी 28,29 और 30 अक्टूबर 2023 को राजधानी पटना में आयोजित होने वाली "अंग-अंगिका महोत्सव 2023" को लेकर अंगिका प्रेमी व साहित्यकारों की पहली बैठक बाय पास रोड सुल्तानगंज स्थित अंगलोक भवन सुधीर कुमार प्रोग्रामर के आवास पर संपन्न हुई। बैठक में मधेपुरा, भागलपुर, बांका, मुंगेर, खड़गपुर, सुल्तानगंज इत्यादि जगहों के साहित्यकारों ने हिस्सा लिया। सर्व प्रथम बैठक की अध्यक्षता करते हुए अंगिका साहित्य कला मंच के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष ब्रह्मदेव नारायण सत्यम ने कहा कि अंग अंगिका महोत्सव की तैयारी बृहद पैमाने पर की जा रही है इसीलिए सबों को अपनी अपनी जिम्मेवारी समझनी होगी। कला मंच के जिला अध्यक्ष साथी सुरेश सूर्य एवं प्राण मोहन प्राण ने कहा कि महोत्सव जोरदार तरीके से हो इसके लिए हम सभी तैयार हैं। वही अंग अंगिका महोत्सव के सचिव डॉ. विभुरंजन ने महोत्सव में पांच हजार से ज्यादा साहित्यकारों व अंगिका प्रेमी के जुटने की बात कही, साथ ही इस अवसर पर एक स्मारिका प्रकाशन की भी बात कही। महोत्सव का उद्घाटन बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के द्वारा कराए जाने के लिए स्वीकृति सितंबर में लिए जाने की बात सचिव डॉ विभुरंजन ने कही। वहीं महोत्सव के संयोजक वरिष्ठ साहित्यकार सह समाजसेवी संजय कुमार सुमन ने बताया कि स्मारिका लगभग तीन सौ पृष्ठों की होगी और इसमें प्रकाशित होने वाली सामग्री स्तरीय होगी जो विषय विशेषज्ञों द्वारा चयनित होगी। कला मंच के प्रदेश महासचिव सुधीर कुमार प्रोग्रामर मंच संचालन करते हुए कहा कि उन्हें खुशी है कि आज इस महोत्सव को लेकर सभी साहित्यकार एक जुट होकर तैयारी में जुट गए हैं ताकि आगामी 28 29 और 30 अक्टूबर 2023 को पटना में आयोजित होने वाले महोत्सव को सफल बना सकें। इस मौके पर सुधीर कुमार प्रोग्रामर ने मधेपुरा चौसा से आए महोत्सव के संयोजक संजय कुमार सुमन और कला मंच के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष ब्रह्मदेव नारायण सत्यम को अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर अंग अंगिका महोत्सव के सचिव डॉ. विभुरंजन ने देवेश कुमार पोद्दार को महोत्सव का प्रवक्ता नियुक्त किया है। ताकि महोत्सव का कार्य तीव्र गति से हो। बैठक में महोत्सव के वरीय पदाधिकारी जवाहर चौधरी (मधेपुरा, चौसा), कला मंच मुंगेर के महासचिव अंजनी कुमार सुमन, ग्राम - ग्राम अंगिका अभियान बांका सह पुरोड़ाश पत्रिका के संपादक सरयुग पंडित सौम्य, साहित्य परिषद सचिव डॉ. राजेंद्र प्रसाद मोदी, अजगवीनाथ साहित्य मंच के अध्यक्ष भावानंद प्रशांत, संयोजक मनीष कुमार गूंज, अंगिका प्रेमी दीपक कुमार मंडल, पूर्ववर्ती वर्तमान अंगिका छात्र संघर्ष समिति के संस्थापक महासचिव शंभू राम एवं सचिव मृत्युंजय कुमार (कोषाध्यक्ष), संजीत कुमार प्रभाकर ने महोत्सव को लेकर अपने-अपने विचार व्यक्त किए और महोत्सव के सफलता की कामना की।

# भारतीय सूढ़ी उत्थान संगठन का किया गया आयोजन

प्रात :किरण संवाददाता

पटना सिटी (प्राकि)। भारतीय सूढ़ी उत्थान संगठन बिहार पटना वार्ड संख्या 53 में गायघाट में रविवार को सूढ़ी समाज की बैठक सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। आयोजन में समाज के सैकड़ों लोगों ने अपनी मौजूदगी दर्ज की। बैठक में समाज के उत्थान को लेकर जोड़ दिया गया। लोगों ने अपनी विचार को साझा करते हुए और बेहतरी के लिए रणनीति तय की बात कही और इस बात पर भी बल दिया गया की समाज के अंतिम पंती के लोगों तक कैसे संपर्क बनाया जाए। ताकि उनकी समस्याओं को सहायता प्रदान की जाए उसे चिह्नित करने को लेकर विचार विमर्श किया गया। साथ ही लोग ने अति पिछड़ा वर्ग में शामिल करने को लेकर समाज को एकजुट करने का संकल्प लिया और इस बात को भी पक्का किया की समाज की यह लड़ाई लड़ कर ही दम लेंगे चाहे हमे सूढ़ी समाज के लिए जो कुछ करना पड़ेगा हम करेंगे । इस बात को भी स्पष्ट किया की जो हमें अति पिछड़ा में लाएगा उसी को हम लोग समर्थन करेंगे। सरकार को हम अपनी ताकत एक रैली के माध्यम से दिखाएंगे। बैठक की अध्यक्षताः अध्यक्ष विनोद शौण्डिक, महासचिव दिलीप कुमार ने की। बैठक में आए आशीष कुमार , डॉ अविनाश प्रसाद, महेंद्र, शिवकुमार, विनोद , नयन, संजीत, कुमार ,संजय, उदय ,सत्येंद्र, राहुल देवेश्वर, संतोष ,अजीत, सुनील कुमार, प्रभात, प्रमोद ,शशि ,अजय, सरजू, अभय नारायण, शेखर, हरिनारायण, वीरभद्र, अन्य लोगों ने सुझाव कर प्रस्ताव को पास किया । सभा की समाप्ति के लिए देवी सर जय सूढ़ी समाज का नारा दिया।

# आईडेमिट्सु होण्डा रेसिंग इंडिया टीम ने जापान में किया सराहनीय प्रदर्शन

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। आईडेमिट्सु होण्डा रेसिंग इंडिया टीम ने जापान में 2023 एफआईएम एशिया रोड रेसिंग चैम्पियनशिप (एआरआरसी) के तीसरे राउण्ड में सराहनीय परफोर्मेन्स दिया। जापान के स्पोर्ट्सलैण्ड सुगो सर्किट पर मौसम की चरम परिस्थितियों और जबरदस्त प्रतियोगिता के बीच आज की एशिया प्रोडक्षन 250सीसी (एपी250सीसी) रेस में राइडरों को कई चुनौतियों का सामना करना पड़ा। मंच जोश से भरपूर मुकाबले के लिए तैयार था, एकमात्र भारतीय टीम के राइडर कवीन समार क्विंटल ने रेस के मैदान पर एकसमान परफोर्मेन्स दिया और सर्किट पर अपने कौशल का प्रदर्शन करते हुए चैम्पियनशिप में कीमती पॉइन्ट्स के लिए प्रतिस्पर्धा की। शांति के साथ अपनी गति बनाए रखते हुए चेन्नई के इस युवा राइडर ने 20ह्ल52.959 के कुल लैप टाईम के साथ 18वें स्थान पर रेस फिनिश की, उनका सर्वश्रेष्ठ लैप 1ह्ल42.481 रहा। इससे पहले आज के क्वालिफाइंग राउण्ड में कवीन ने 1ह्ल42.002 का प्रभावशली लैप टाईम दर्ज किया था। श्री योगेश माथुर, डायरेक्टर सेल्स एण्ड मार्केटिंग, होण्डा मोटरसाइकिल एण्ड स्कूटर इंडिया का उद्धरणः हम जापान में एशियन रोड रेसिंग चैम्पियनशिप के तीसरे राउण्ड में कवीन क्विंटल के प्रयासों की सराहना करते हैं। प्रतिस्पर्धा मुष्किल थी और सर्किट पर मैदान की परिस्थितियां अपने आप में चुनौती बनी हुई थीं। जबरदस्त मुकाबले और मुष्किल परिस्थितियों के बावजूद उन्होंने प्रतिबद्धता एवं खेल भावना का प्रदर्शन किया। आज का परफोर्मेन्स हमारी उम्मीदों से कुछ कम रहा, इसने हमें एक टीम के रूप में लर्निंग का बेजोड़ अनुभव प्रदान किया। यह सबक हमें कल की आगामी रेस में सुधार लाने के लिए प्रेरित करेगा। आईडेमिट्सु होण्डा रेसिंग इंडिया के राइडर कवीन क्विंटल का उद्धरणः जापान में एशियन रोड रेसिंग चैम्पियनशिप के तीसरे राउण्ड में अपनी ओर सर्वश्रेष्ठ प्रयास करने के बावजूद मैं अपने परफोर्मेन्स से संतुष्ट नहीं हूं।

# जैनियों ने मनाया भगवान नेमिनाथ स्वामी का निर्वाण महोत्सव

प्रात :किरण संवाददाता

पटना सिटी। गुलजारबाग स्थित श्री कमलदह दिगंबर जैन सिद्ध क्षेत्र पर रविवार को श्रद्धालुओं ने जैन धर्म के 22वें तीर्थंकर श्री 1008 भगवान नेमिनाथ स्वामी का निर्वाण महोत्सव मनाया।

मीडिया प्रतिनिधि प्रवीण जैन ने बताया कि भगवान नेमिनाथ स्वामी को आषाढ़ शुक्ल सप्तमी को गिरनार जी पर्वत से मोक्ष की प्राप्ति हुई थी। वहीं कमलदह दिगम्बर जैन मंदिर में धार्मिक अनुष्ठान के दौरान जैन श्रद्धालुओं ने मंदिर में पारंपरिक मंत्रोच्चारण के साथ भगवान का जलाभिषेक, शांतिधारा, भगवान नेमिनाथ पूजन के साथ अष्ट द्रव्य अर्घ्य अर्पित किया। भक्तिमय वातावरण के बीच निर्वाण कांड पाठ पढ़ते हुए जैन समाज ने निर्वाण लड्डू चढ़ाया। सुबह में पूजा-अर्चना के बाद शाम में मंगल आरती व भजन का आयोजन किया गया। इस अवसर पर काफी संख्या में जैन समाज शामिल हुए।

# अमरत्व पाने का श्रेष्ठ तरीका है नेत्रदान : पद्मश्री बिमल

प्रात :किरण संवाददाता

पटना सिटी। 74 वर्षीय समाजसेवी धर्मचंद सरावगी के निधन के बाद दधीचि देहदान समिति की पहल से परिवार के सदस्यों ने नेत्रदान कराया था। रविवार को स्व धर्मचंद सरावगी के आवास पर श्राद्धकर्म कार्यक्रम में समिति के महासचिव पद्मश्री बिमल जैन, समाजसेवी संजीव कुमार यादव, अधिवक्ता अरुण सत्यमूर्ति व अन्य सदस्यों द्वारा धार्मिक, परोपकारी परिवार को अंगवस्त्र एवं प्रशस्ति पत्र से सम्मानित किया गया। स्मृतिशेष धर्मचंद सरावगी की आखों से कम से कम दो नेत्रहीनों को दृष्टि मिल सकेगी। मृत्यु सुनिश्चित है, परन्तु मृत्यु के बाद भी अमर होने का श्रेष्ठ तरीका है नेत्रदान। समिति के महासचिव ने पत्नी, दामाद सुभाष बूबना एवं पांच बेटियों को शॉल एवं प्रशस्ति पत्र भेंट किया। इस कार्य के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया गया। उपस्थित लोगो का आह्वान किया गया कि आप संकल्प पत्र भर कर नेत्रदान की मुहिम से जुड़ें और महर्षि दधीचि की इस अंगदान की परंपरा को पुनर्जीवित करें। पीड़ित मानवता की सेवा में अपना योगदान करें। विदित हो कि धर्मचंद सरावगी मारवाड़ी उच्च विद्यालय शिक्षा समिति के सचिव पाटलिपुत्र जन सेवा संस्थान के अध्यक्ष और अन्य संस्थाओं से भी जुड़कर समाज सेवा करते थे। इस दौरान डॉ टीपी गोलवारा, शिव प्रसाद मोदी, पारस जैन, विष्णु झुनझुनवाला आदि मौजूद थे।

# तंबाकू व गुटखा सेवन से दांत को नुकसान

पटना सिटी (प्राकि)। मालसलामी के सिमली भट्ठी पर दंत रोग शिविर लगाया गया। इसमें डॉ प्रफुल्ल कुमार द्वारा शिविर में पहुंचे लोगों के दांत की जांच की गई। मौके पर डॉक्टर के द्वारा टूथ पेस्ट, माउथ वाश व दन्त रोग से संबंधित दवा का भी वितरण किया गया। डॉ प्रफुल्ल ने बताया कि बढते तंबाकू और गुटखा के सेवन से दांत की गंभीर बीमारी से लोग ग्रसित हैं। दांत की दिन में दो बार सफाई की जानी चाहिए। मौके पर कांग्रेसी नेता राजकुमार राजन, पप्पू त्रिवेदी, अशोक यादव, भगवान प्रसाद वर्मा, अंजू गुप्ता, राज वर्मा, रविशंकर वर्मा, रेणु रंजन, पुष्पा कुमारी, मो तालिब, सतीश यादव, शंकर पासवान, विश्वजीत यादव, घनश्याम शर्मा, अशोक विद्यार्थी, सरदार चंद्रपाल सिंह, प्रमोद सिन्हा आदि उपस्थित थे।

# दानापुर बाइक सवार बदमाशों ने पूर्व पार्षद के घर पर किया गोलीबारी

दानापुर। थाना क्षेत्र के नासरीगंज यदुवंशी नगर निवासी व पूर्व पार्षद परमेश्वर राय के घर पर बीते रात दो बाइक सवार बदमाशों ने गोली बारी किया है। जिससे मोहल्ले में अपरा-तफरी मच गया। इस संबंध में पूर्व पार्षद परमेश्वर राय ने स्थानीय थाना में अज्ञात दो बाइक सवार बदमाशों के विरूद्ध मामला दर्ज कराया है। दर्ज प्राथमिकी में परमेश्वर राय ने बताया कि शनिवार की रात करीब साढे बारह बजे दो बुलेट बाइक सवार बदमशों ने मेरे घर से गुजरा और 12.45 मिनट पर पुन आया और मेरे घर के सामने दहशत पैदा करने के लिए गोलीबारी किया गया है। दरवाजा के बाहर एक खोखा बरामद किया गया है। उन्होंने बताया कि गोलीबारी के बाद से पूरे परिवार डर-सहमे हुए है।

# तख्त श्री पटना साहिब में गैर सिखों की उमड़ी भीड़

प्रात :किरण संवाददाता

पटना सिटी (प्राकि)। तख्तश्री हरिमंदिर जी पटना साहिब में रविवार को खासा भीड़ स्थानीय लोगों के दर्शन दीदार के लिए जुटी। वैसे भी छुट्टी वाले दिन यहां गैर सिखों की खासी भीड़ उमड़ती है। इधर विभिन्न स्कूलों में चल रही गर्मी की छुट्टी के कारण देश के विभिन्न हिस्सों से सिख संगतों के भी आने का दौर जारी है। यहां लोगों को कमरा मिलना मुश्किल हो रहा है। वहीं रविवार को पारा मेडिकल की परीक्षा पटना सिटी के विभिन्न विद्यालयों में था। इस कारण से भी अपराह्न पांच से लेकर रात नौ बजे के बीच गुरु का लंगर (प्रसाद) खाने के लिए गैर सिखों की भी खासी भीड़ रही।

# राजनीति का टर्निंग प्वाइंट साबित होने जा रही विपक्ष की बैठक : वशिष्ठ

पटना, प्रात : किरण संवाददाता

जदयू के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष सह सांसद वशिष्ठ नारायण सिंह ने कहा कि पटना में सम्पन्न विपक्ष की महाबैठक भारतीय राजनीति का टर्निंग पॉइंट साबित होने जा रही। पिछले कई महीनों से चल रही विपक्षी एकता की कवायद आखिर मुकाम तक पहुँची तो एक ऐसे व्यक्ति के हाथों जो खुद आंदोलन की भट्टी से तपकर निकला है और जिसने कभी हार मानना नहीं सीखा है। श्री नीतीश कुमार के राजनीतिक कौशल ने एक मंच पर काश्मीर से कन्याकुमारी तक भारत की सतरंगी संस्कृति के प्रतिनिधियों को एक साथ एक मंच पर इकठ्ठा किया। बैठक में शामिल होनेवाले ये सभी लोग कोई सामान्य नेता नहीं बल्कि ऐसे थे जिन्होंने देश की राजनीति में अपनी अमिट छाप छोड़ी है और आज भी अपने अपने क्षेत्र की राजनीति की धुरी हैं और भारत के एक बड़े भूभाग पर उनका प्रभाव है। बैठक में भारत की साझी संस्कृति और साझी विरासत की रक्षा पर गम्भीर चिंतन किया गया। बैठक में उपस्थित सारे लोगों की समान चिंता थी कि देश से लोकतंत्र खत्म किया जा रहा है, संविधान पर प्रहार हो रहा है और इतिहास बदलने की कोशिश तक की जा रही है। बैठक में देश बचाने की चिंता इतनी गंभीर थी कि उसके आगे दिल्ली में अध्यादेश जैसे अन्य सभी मुद्दे भी मौन पड़ गए। अंतर्विरोधों के बावजूद सारी पार्टियों का एक मंच पर आना और एक समान मुद्दे पर सभी का सहमत होना ये कोई छोटी बात नहीं है। खासकर इस बात को देखते हुए कि केंद्र में बैठी सत्ता कभी कांग्रेस से मुक्ति की बात तो कभी क्षेत्रीय दलों को समाप्त करने की मंशा पाले बैठी हो। यह बैठक देश की बहुसंख्यक आबादी की भावनाओं का प्रतिबिम्ब है और इसकी सफलता में अब कोई संदेह नहीं है ।

## राजद कार्यालय में जयंती पर पूर्व पीएम वीपी सिंह को दी गई श्रद्धांजलि

पटना। राष्ट्रीय जनता दल के राज्य कार्यालय में जयंती के अवसर पर पूर्व प्रधान मंत्री स्व विश्वनाथ प्रसाद सिंह के तैल चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष जगदानन्द सिंह की अध्यक्षता में विश्वनाथ प्रसाद सिंह के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर उनके द्वारा किये गये कार्यों और संघर्ष को याद किया गया। इस अवसर पर माल्यार्पण करने वालों में राष्ट्रीय उपाध्यक्ष उदय नारायण चौधरी, जय प्रकाश नारायण, राष्ट्रीय महासचिव श्याम रजक, बीनू यादव, राष्ट्रीय प्रवक्ता प्रो सुबोध कुमार मेहता, मंत्री आलोक कुमार मेहता, प्रो चन्द्रशेखर, प्रदेश अध्यक्ष महिला प्रकोष्ठ रितू जयसवाल, प्रदेश प्रवक्ता डॉ उर्मिला ठाकुर, सारीका पासवान, पूर्व विधान पार्षद आजाद गांधी, प्रदेश महासचिव मदन शर्मा, प्रमोद कुमार राम, बल्ली यादव, फैयाज आलम कमाल, निर्भय कुमार अम्बेदकर, देवकिशुन ठाकुर, संजय यादव, कुमार राहुल सिंह, मुकुंद सिंह, डॉ प्रेम कुमार गुप्ता, विजय कुमार यादव, पी के मिश्रा, शंभू राय, डॉ अशोक कुमार यादव, संजीव कुमार, डॉ संजीव कुमार मिश्रा, चन्देश्वर प्रसाद सिंह सहित कई गणमान्य नेतागण ने मालयार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की।

## अपराधियों ने युवक को गोली मारकर की हत्या

पटना। प्रदेश में बेखौफ अपराधी दिनदहाड़े अपराधिक घटनाओं को अंजाम दे रहे है। ताजा मामला राजधानी पटना का है। जहां अपराधियों ने एक युवक की गोली मारकर हत्या कर दी है। वहीं इस घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया है। दरअसल,पूरी वारदात पटना के गौरीचक थाना इलाके के बाकर चक गांव में है। जहां अपराधियों ने गोली मारकर युवक की हत्या कर दी है। मृत युवक की पहचान पटना के गौरीचक थाना इलाके के बाकर चक गांव के रहने वाले 18 साल के मिक्कू कुमार पिता राजनंदन दास के रुप में की गयी है। बता दें कि घटना के बाद स्थानीय लोगों काफी आक्रोशित हो गए। घटना के बाद स्थानीय लोगों और परिजनों ने गौरीचक थाने का घेराव कर पुलिस प्रशासन से अपराधियों को 24 घंटे के अंदर पकड़ने का मांग कर रहे हैं। वहीं, हत्या की घटना के बाद परिजनों का रो रोकर बुरा हाल है। पुलिस ने हत्या की वारदात के बाद कई लोगों को हिरासत में लिया है और डेड बॉडी को पोस्टमार्टम के लिए नालंदा मेडिकल कॉलेज भेज दिया है। फिलहाल पुलिस मामले की छानबीन कर रही है।

# आपातकाल से भी ज्यादा खतरनाक है आज के हालात : राजीव

पटना, प्रात : किरण संवाददाता

केंद्र सरकार को फासीवादी बताते हुए जदयू के राष्ट्रीय प्रवक्ता राजीव रंजन ने कहा है कि आपातकाल के अपराध अक्षम्य हैं, जिन्हें किसी भी सूरत में माफ नहीं किया जा सकता लेकिन साथ ही यह भी एक तथ्य है कि आज के हालात उस दौर से भी खतरनाक हो चुके हैं। उन्होंने कहा कि आपातकाल के दौरान अंध राष्ट्रवाद के नाम पर साम्प्रदायिकता का यह नंगा नाच नहीं होता था, न ही उस समय अपराधियों के नाम पर बुलडोजर और गोलीयां चलती थी। आपातकाल के दौरान लोगों की मॉब लिंचिंग नहीं होती थी और न ही दिन दहाड़े दलितों, पिछड़े और अतिपिछड़ों के साथ जाति के नाम पर दुर्व्यवहार किया जाता था। जदयू प्रवक्ता ने कहा कि पिछले नौ वर्षों से बहुसंख्यक साम्प्रदायिकता के नाम पर बेशर्मी से अल्पसंख्यकों को डराया धमकाया जा रहा है। उनमें दहशत और खौफ का माहौल पैदा कर दिया गया है। तथाकथित धर्म संसदों के जरिये मीडिया की मौजूदगी में खुलेआम अल्पसंख्यकों के सार्वजानिक बहिष्कार किये जाने और उनके नरसंहार की धमकियां दी जा रहीं हैं। संविधान और कानून व्यवस्था की लगातार धज्जियां उड़ाई जा रही है। हेट स्पीच देने के मुकदमें दर्ज नहीं किये जाते। ऐसा आपातकाल में नहीं होता था। उन्होंने कहा कि आज हालात ऐसे हैं कि देश की नामचीन बेटियों को न्याय के लिए धरने पर बैठना पड़ रहा हैं। शोषण की शिकायत करने पर पुलिस उनका केस तक दर्ज नहीं करती। एक अदद थ्त् के लिए भी सुप्रीम कोर्ट को हस्तक्षेप करना पड़ता है। विरोधी नेताओं की आवाज दबाने के लिए सरकारी एजेंसियों का दुरूपयोग किया जा रहा है। यह दिखाता है कि देश में हालात कितने बिगड़े हुए हैं। देश में आज जो कुछ हो रहा है उसे फासीवाद के अलावा कुछ और नहीं कहा जा सकता।

# दहेज रहित 51 जोड़े की शादी सम्पन्न

## राज्यपाल ने वर वधु को दिया आशीर्वाद

पटना, प्रात : किरण संवाददाता

मां वैष्णो देवी सेवा समिति द्वारा 51जोड़ियों का दहेज मुक्त सामूहिक विवाह (एक विवाह ऐसा भी) के 11 वें संस्करण में आज एक साथ 51 दूल्हे की बारात महाराणा प्रताप भवन से बाजे गाजे के साथ निकलकर विवाह एवं कार्यक्रम स्थल श्रीकृष्ण मेमोरियल हॉल में पहुंची। रास्ते मे अनेकों व्यावसायिक एवं सामाजिक संस्था ने उनका स्वागत किया। इससे पूर्व महाराणा प्रताप भवन में संगीत एवं मेहदी का रस्म पारंपरिक गीत के साथ किया गया। इस अनूठे विवाह में महामहिम राज्यपाल राजेंद्र आर्लेकर मुख्य अतिथि के तौर पर पधारकर वर वधु को आशीर्वाद दिया। महामहिम का स्वागत अध्यक्ष जगजीवन सिंह, सचिव कन्हैया अग्रवाल कन्नू, नंद किशोर अग्रवाल मुकेश हिसारिया एवं अन्य ने किया। सचिव कन्हैया अग्रवाल ने बताया कि श्रीकृष्णा मेमोरियल हॉल के बाहरी परिसर में विवाह हेतु 20 हजार स्क्वायर फीट में पंडाल बना था जिसके नीचे 51 मंडप में 51 पंडित द्वारा 51 जोड़ो का विधि पूर्वक विवाह सम्पन किया गया। कन्हैया ने कहा कि श्रीकृष्णा मेमोरियल हॉल के बाहरी परिसर में बारात आगमन पर 6000 लोगो के लिए स्वरुचि भोज की व्यवस्था थी। विवाह के आयोजन के साथ मस्कुलर डिस्ट्रोफी जागरूकता का संदेश लोकप्रिय पत्रकार संजय सिन्हा द्वारा दिया गया।श्रीकृष्ण मेमोरियल हॉल में अंदर माँ के दरबार की भव्य सजावट की गई थी जो सबके मन को भ रहा था। इसी के साथ हीं सांस्कृतिक कार्यक्रम भी संध्या 5:45 से कृष्णा मेमोरियल हाल में आयोजित हुआ। कार्यक्रम में प्रसिद्ध गायिका प्रिया मल्लिक ने अपने गीतों से पूरे हॉल में उपस्थित सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। इसके अतिरिक्त कई तरह के सांस्कृतिक कार्यक्रम किये गए। मौके पर माँ वैष्णो देवी सेवा सम्मान 2023 4 लोगो को महामहिम द्वारा दिया गया। सम्मानित होने वाले में आज तक के एडिटर सुप्रिय प्रसाद,गायिका प्रिया मल्लिक, कंपनी की वाइस प्रेसिडेंट कामिनी झा और सूरत के प्रसिद्ध व्यवसाई श्री महेश सेहवानी जिन्होंने आज तक 4876 निर्धन कन्यायो की निशुल्क शादी करवा कर अपनी एक अलग पहचान बनाई है।

कार्यक्रम को सफल बनाने में जगजीवन सिंह, कन्हैया अग्रवाल, नंद किशोर अग्रवाल, मुकेश हिसारिया, जितेंद्र जित्तू सहित सारे सदस्य लगे हुए थे।

**कार्यक्रम के अंत मे नंद किशोर अग्रवाल ने धन्यवाद ज्ञापन किया।**

# केन्द्रीय मंत्री से इस्तीफे की मांग कब करेंगे बिहार भाजपा के नेता? : उमेश

पटना। जदयू के प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा ने किशनगंज पूल दुर्घटना पर भाजपा नेताओं को कटघरे में लिया। उन्होंने सवाल खड़े करते हुए कहा कि बीते दिनों भागलपुर में पुल का एक हिस्सा गिर जाने पर इस्तीफे की मांग करने वाले बिहार भाजपा के नेता आज किशनगंज में निमाणार्धीन पूल ध्वस्त होने पर मौन धारण क्यों कर चूके हैं? और अब नितिन गडकरी जी से इस्तीफे की मांग करना कब शुरू करेंगे? इनका दोहरा चरित्र फिर से बिहार की जनता के सामने बेनकाब हो गया है। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि चुकी केंद्र की भाजपा सरकार के द्वारा भारत माला प्रोजेक्ट के तहत किशनगंज और कटिहार के बीच इस पूल का निर्माण हो रहा था इसलिए भाजपा वाले को अब सांप सूंघ गया है। दिल्ली में बैठे अपने आकाओं के विरोध में एक शब्द बोलने की साहस बिहार के भाजपा नेताओं में नहीं है। उन्होंने सवाल किया कि अब भाजपा वाले सीबीआई जांच की मांग क्यों नहीं कर रहे हैं? इनका जमीर मर गया या अपने मालिक की चापलूसी में नीति-सिद्धान्तों को भी दफन कर दिए हैं? श्री कुशवाहा ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि केंद्र सरकार कमीशनखोरी और भ्रष्टाचारी के गिरफ्त में फंस चुकी है। आज इनकी लापरवाही की वजह से जनता की गाढ़ी कमाई की बबार्दी हो रही है मगर आश्चर्यजनक स्थिति यह भी है कि भागलपुर की घटना पर छाती पीट रही इलेक्ट्रॉनिक मीडिया भी आज किशनगंज की घटना पर भाजपा नेताओं की भांति खामोश है। ये लोग अपनी राजनीतिक सुविधा की कसौटी पर घटनाओं का मूल्यांकन करते हैं। नैतिकता का नकली नकाब ओढ़े भाजपा के नेताओं का असली चाल-चरित्र जनता के सामने उजागर हो चुका है और अब जनता ही इनके करतूतों का उचित हिसाब करेगी।

# कांग्रेस का साथ देने वाले को जनता माफ नहीं करेगी :मोदी

पटना। बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री और सांसद सुशील कुमार मोदी ने कहा है कि आज से 48 वर्ष पूर्व जिस कांग्रेस ने अपनी सत्ता बचाने के लिए देश में आपातकाल घोषित कर जेपी, चरण सिंह, अटल जी जैसे नेताओं और एक लाख से ज्यादा राजनीतिक कार्यकताओं को जेल में अनिश्चितकाल के लिए बंद कर दिया, प्रेस सेंसरशिप लगाकर मीडिया का गला घोंट दिया उसी कांग्रेस की गोद में आज आंदोलन के तथाकथित सिपाही लालू प्रसाद, नीतीश कुमार जाकर बैठ गए हैं। उन्होंने कहा कि आज बिहार में आपातकाल जैसी स्थिति पैदा कर दी गई है। विपक्षी एकता सम्मेलन के दौरान भाजपा के 100 से ज्यादा होर्डिंग को हटा दिया गया। विज्ञापन कंपनी को धमकी देकर जो बड़े होर्डिंग लगाए गए थे उन्हें भी उतरवा दिया गया। बिहार में अखबारों को धमकी दी जा रही है कि अगर विपक्ष के समाचार प्रमुखता से छपे या अखबारों में सरकार की आलोचना हुई तो उनका विज्ञापन बंद कर दिया जाएगा।परिणाम स्वरूप विपक्ष के समाचारों के पर कतर कर दो कॉलम में छाप दिए जाते हैं। उन्होंने प. बंगाल के पंचायत चुनाव का हवाला देते हुए कहा कि बंगाल के पंचायत चुनाव में नामांकन के दौरान अभी तक एक दर्जन भाजपा, कांग्रेस के कार्यकताओं की तृणमूल द्वारा हत्या कर दी गई है। कांग्रेस नेता अधीर रंजन को धरने पर बैठना पड़ा और केंद्रीय बलों की प्रतिनियुक्ति पर हाईकोर्ट तक जाना पड़ा। परंतु विपक्षी एकता में शामिल दल के किसी नेता ने अभी तक बंगाल की हिंसा की निंदा तक नहीं की है। प्रेस की स्वतंत्रता वाली बिहार सरकार के इशारे पर यू-ट्यूबर मनीष कश्यप को तमिलनाडु सरकार ने राजद्रोह की धारा लगाकर जेल में बंद कर दिया है। सूचना के अधिकार से जुड़े एक दर्जन लोगों की हत्या की जा चुकी है। देश में इमरजेंसी थोपने वाली कांग्रेस और उसका साथ देने वाले को कभी बिहार की जनता माफ नहीं करेगी।

# 11 गरीबों का निःशुल्क फेको विधि से मोतियाबिन्द ऑपरेशन

पटना। 11 गरीब मरीजों के मोतियाबिंद का फेको विधि से निःशुल्क ऑपरेशन रोटरी क्लब ऑफ चाणक्या ने राधादेवी ट्रस्ट के सहयोग से श्री बालाजी नेत्रालय में कराया गया। मौके पर रोटरी चाणक्या अध्यक्ष मोनी त्रिपाठी ने बताया कि आज का यह शिविर सचिव अश्वनी गुप्ता ने अपने स्वर्गीय पिता बद्री प्रसाद अग्रवाल की याद में करवाया है। मौके पर बालाजी नेत्रालय के निदेशक डॉ शशि मोहनका ने बताया कि इन मरीजों का चयन स्वास्थ्य शिविर में किया गया था। डॉ मोहनका ने बताया कि सभी का मोतियाबिंद काफी अधिक बढ़ा हुआ था लेकिन पैसों के अभाव के कारण ऑपरेशन नही कर पा रहे थे इससे इनके आंखों की रोशनी जाने का भी खतरा था। मौके पर राधादेवी ट्रस्ट के सचिव एम पी जैन ने बताया कि ट्रस्ट द्वारा प्रत्येक माह के चौथे रविवार को मरीजों के आंखों की निःशुल्क जांच की जाती है। तथा गरीब मरीजों के मोतियाबिंद का निःशुल्क ऑपरेशन ट्रस्ट द्वारा करवाया जाता है। मौके पर कोषाध्यक्ष बिनोद अग्रवाल ने बताया की ट्रस्ट द्वारा संचालित यह नेत्रालय न्यू बहादुरपुर में बनाया गया है जिसमे अत्याधुनिक मशीनों द्वारा जांच एवं मोतियाबिंद का ऑपरेशन हो रहा है। एम पी जैन ने बताया कि मौके पर रोटरी चाणक्या अध्यक्ष मोनी त्रिपाठी, अश्वनी गुप्ता, शरद टेकरीवाल, बरखा मोहनका, ललित दलानिया राजीव रंजन एवं अन्य उपस्थित थे।

# विपक्षी एकता की बैठक से भाजपा में घबराहट: आलोक

पटना। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में 23 जून की पटना में हुई बैठक के बाद बीजेपी लगातार तंज कस रही है। विपक्षी एकता की मुहिम को बीजेपी सफल बता रही है। बीजेपी के इस तंज का जवाब राजद नेता व मंत्री आलोक मेहता ने दी है। कहा है कि विपक्षी एकता की बैठक से भाजपा में घबराहट है। इसलिए अनाप शनाप बयान दे रहे हैं। उन्होंने कहाकि किस एंगल से यह बैठक बीजेपी को सफल नहीं दिख रही है। जो कुछ भी हो रहा है डेमोक्रेटिक प्रोसेस में हो रहा है। जो देश के प्रजातंत्र के लिए अच्छी बात है। वही बीजेपी लगातार यह सवाल खड़ी कर रही है कि विपक्षी एकता की बैठक में बाराती तो आए लेकिन दूल्हे का कही कोई अता-पता नहीं है मीडिया के इस सवाल का जवाब देते हुए मंत्री आलोक मेहता ने कहा कि सारी पॉलिसी अभी ही बता दें क्या? फिर उसका क्या मतलब निकलेगा जो प्रोसेस में है। सब कुछ ट्रांसपेरेंट है। वही गृह मंत्री के फोटो सेशन वाले बयान पर आलोक मेहता ने कहा कि अमित शाह का जवाब हमारे पास नहीं है। विपक्ष अपने रास्ते पर काम कर रहा है।

## कांग्रेस ने अपनी नीतियों में कोई बदलाव नहीं किया : मनोज

पटना। प्रदेश प्रवक्ता और पूर्व विधायक मनोज शर्मा ने बयान जारी करते हुए कहा कि भारत में आपातकाल का 48वां सालगिरह है या यूं कहें कि उस काले दिन की आज बरसी है। कहा कि 48 साल में कांग्रेस ने अपनी नीतियों में कोई बदलाव नहीं किया। कांग्रेस को बताना चाहिए कि आखिर किन हालातों में देश में आपातकाल लागू किया गया था? उन्हें बताना चाहिए था कि अनुच्छेद 352 का उन्होंने उपयोग किया था या दुरुपयोग किया था? कांग्रेस को यह स्पष्ट करना चाहिए कि उन्होंने किस तरह से सत्ता में बने रहने के लिये सरकारी मशीनरी का दुरुपयोग किया था? कांग्रेसी नेता भले आज छाती पीट रहे हो लेकिन, उन्होंने स्वतंत्र भारत के इतिहास में जो बदनुमा दाग लगाया है उसे कभी मिटाया नहीं जा सकता। जिस तरह से लोकनायक जयप्रकाश नारायण के शिष्यों ने उनकी आत्मा को कुचला है रौंदा है, आज उनकी आत्मा रो रही होगी, बिलख रही होगी। जेपी की आत्मा आज अफसोस कर रही होगी कि उन्होंने क्यों ऐसे लोगों को संपूर्ण क्रांति के लिए खड़ा किया था?

# गौरैया के संरक्षण के साथ साथ दूसरे जीवों का भी होता है संरक्षण

- बिहार राज्य खादी ग्रामोद्योग बोर्ड द्वारा दस दिवसीय खादी मेला सह उधमी बाजार का आयोजन
- गौरैया संरक्षण का स्टॉल लोगों के बीच बना आकर्षण का केंद्र

पटना/हाजीपुर, प्रात : किरण संवाददाता

बिहार राज्य खादी ग्रामोद्योग बोर्डपटना द्वारा हाजीपुर कचहरी मैदान में आयोजित दस दिवसीय( 23 जून से 02 जुलाई23तक) खादी मेला सह उधमी बाजार में गौरैया संरक्षण का स्टॉल लोगों के बीच आकर्षण का केंद्र बना हुआ है।गौरैया संरक्षण को लेकर इन्वायरमेंटल वारियर्स और हमारी गौरैयापटना द्वारा स्टॉल लगाया गया है। जिसमें गौरैया के लिए कृत्रिम आवास यानी तरह तरह का घोंसला, गौरैया का आहार और संजय कुमार द्वारा खींची गई गौरैया की तस्वीरें प्रदर्शित की गई है। साथ ही गौरैया संरक्षण पर संजय कुमार की पुस्तक ओ री गौरैया और ह्यअभी मैं ज़िंदा हूँ गौरैया भी रखी गई है। गौरैया प्रदर्शनी मासूम रंजन के नेतृत्व में लगायी गयी है जबकि मौके पर लोगों को गौरैया संरक्षण के बारे में नीलमणि कुमार, मयंक कुमार,रवि किशन, बिट्टू कुमार एवं सुमित कुमार जानकारी दे रहें हैं। मेले के तीसरे दिन रविवार को इन्वायरमेंटल वारियर्स और हमारी गौरैया के अध्यक्ष निशांत रंजन ने मुख्य मंच पर से गौरैया का संरक्षण क्यों विषय पर लोगों को जानकारी दी। निशांत रंजन ने बताया कि बिहार की राजकीय पक्षी गौरैया का बसेरा इंसानों के घर-आंगन में हुआ करता था। लेकिन पर्यावरण को ठेंगा दिखाते हुए कंक्रीट के जगंल में तब्दील होते शहर और फिर गांव ने इन्हें हमसे दूर कर दिया है। उन्होंने बताया कि गौरैया की संख्या में कमी के पीछे कई कारण हैं जिन पर लगातार शोध हो रहे हैं। गौरैया की संख्या में कमी के पीछे के कारणों में बढ़ता आवासीय संकट, आहार की कमी, खेतों में कीटनाशक का व्यापक प्रयोग, जीवनशैली में बदलाव, जलवायु परिवर्तन, प्रदूषण, शिकार, गौरैया को बीमारी और मोबाइल फोन टावर से निकलने वाले रेडिएशन को दोषी बताया जाता रहा हैं। ऐसे में हमें कोशिश करनी होगी और गौरैया की घर वापसी करवानी होगी। निशांत ने कहा कि इन्वायरमेंटल वारियर्स और हमारी गौरैया के संयोजक एवं बिहार के गौरैया मैन संजय कुमार की यह पहल घर आँगन,बालकोनी,छतऔर खुले में रखे दाना -पानी, लगायें घोंसला व पेड़, दें थोड़ा सा प्यार ने गौरैया संरक्षण को लेकर चलाये जा रहे जागरूकता कार्यक्रम का असर पड़ा है लोगों ने गौरैया के लिए दाना पानी रखने लगे हैं और बॉक्स भी लगने लगे हैं। गौरैया की घर वापसी भी हो रही है। मेला के उद्घाटनकर्ता दौरान समीर कुमार महासेठ, उधोग विभाग,बिहार सरकार ने भी गौरैया स्टॉल का मुआयना किया था और बिहार की राजकीय पक्षी को बचाने की पहल को सराहा था।

# 8 सूत्री मांगों को लेकर शिक्षक करेंगे घेरा डालो, डेरा डालो कार्यक्रम

पटना। अध्यापक नियुक्ति नियमावली 2023 में संशोधन पुरानी पेंशन लागू करने एवं सक्षम पदाधिकारियों से विद्यालयों की जांच कराने सहित 8 सूत्री मांगों को लेकर शिक्षक अपने अपने क्षेत्र के विधायकों विधान पार्षदों के घर करेंगे 11 एवं 12 जुलाई को घेरा डालो डेरा डालो कार्यक्रम। आंदोलन से संबंधित अगली रणनीति का उपरोक्त खुलासा आज बिहार राज्य प्राथमिक शिक्षक संघ द्वारा आयोजित संवाददाता सम्मेलन में किया गया। विदित हो कि बिहार राज्य प्राथमिक शिक्षक संघ के आह्वान पर राजभर के शिक्षक अपनी उपर्युक्त मांगों के समर्थन में आंदोलित है। इसी क्रम में सभी शिक्षकों ने सर्वप्रथम 25 अप्रैल को राज्य के सभी प्रखंड ऊपर प्रखंड स्तरीय धरना दिया था। उसके बाद दिनांक 27 मई को सभी जिला मुख्यालयों पर एक दिवसीय धरना दिया गया था। आंदोलन के तीसरे चरण में अब अपनी मांगों को लेकर सभी शिक्षक दिनांक 11 एवं 12 जुलाई को 2 दिन का घेरा डालो डेरा डालो कार्यक्रम के तहत अपने अपने क्षेत्र के विधायकों एवं विधान पार्षदों के निवास पर धरना देंगे तथा अपने मांगों के समर्थन में ज्ञापन सौंपेंगे। संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए बिहार राज्य प्राथमिक शिक्षक संघ के अध्यक्ष बृजनंदन वर्मा, महासचिव नागेंद्र नाथ शर्मा, कार्यकारी अध्यक्ष मनोज कुमार, कोषाध्यक्ष अयोध्या पासवान, अंकेक्षक राम भूषण उपाध्याय एवं प्रवक्ता सह मीडिया प्रभारी प्रेमचंद्र ने कहा कि दो चरण का आंदोलन संपन्न हो चुका है। शिक्षक नेताओं ने कहा कि सरकार को यथाशीघ्र नगर पंचायत नगर निकाय द्वारा नियुक्त सभी शिक्षकों को बिहार राज अध्यापक नियुक्ति नियमावली 2023 से आच्छादित करते हुए शीघ्र राज्य कर्मी का दर्जा देना होगा, शिक्षा विभाग द्वारा सक्षम पदाधिकारियों के अवसर पर निम्न पदाधिकारियों द्वारा निरीक्षण हेतु निर्देश पत्र को निरस्त करना होगा। साथ ही सभी शिक्षकों को पुरानी पेंशन योजना से आच्छादित करना होगा। अन्यथा आंदोलन को और तेज किया जाएगा।

# नफरत फैलाने वालो को क्या पता दिल कैसे मिलता है : एजाज

पटना, प्रात : किरण संवाददाता

राजद के प्रवक्ता एजाज अहमद ने सुशील मोदी के बयान पर पलटवार करते हुए कहा कि उन्हें यह नहीं भूलना चाहिए कि बिहार में राजद के कारण ही भाजपा सत्ता से बेदखल हुई है और आज भाजपा को बिहार में तिनके -तिनके का सहारा लेकर के अपना आशियाना तैयार करना पड़ रहा है, क्योंकि भाजपा के जनाधार की पोल सत्ता से बाहर होते ही खुल गई है। इसका एहसास शायद सुशील मोदी को नहीं अन्यथा वह ऐसी भाषा के इस्तेमाल नहीं करते। एजाज ने आगे कहा कि बिहार में महागठबंधन सरकार बनने के बाद नफरत के खिलाफ मोहब्बत की राजनीति को जो बिहार से आगाज मिला और ये अब कर्नाटक होते हुए देश स्तर पर विपक्षी दलों को मजबूत करने के संकल्प के साथ आकार और आधार देने के लिए आगे बढ़ रहा है ,जो 23 जून की पटना मे बैठक से दिखा। कहा कि राष्ट्रीय जनता दल ने हमेशा नफरत के खिलाफ मुहब्बत की राजनीति को मजबूती प्रदान की और सांप्रदायिक शक्तियों को चुनौती दी है, इसी मुहिम के तहत 9 अगस्त 2022 को नीतीश कुमार जी के साथ मिलकर भाजपा को बिहार की सत्ता से बेदखल किया गया और आने वाले लोकसभा चुनाव में बिहार से निकली एकता के स्वर से भाजपा को केन्द्र की सता से बेदखल किया जायेगा। आगे कहा कि सुशील मोदी और भारतीय जनता पार्टी को यह बताना चाहिए कि एनडीए के कुनबे से शिवसेना,जनता दल यू, अकाली दल, बीजू जनता दल, टीडीपी सहित अन्य दल क्यों अलग हो गये। आज बिहार में भारतीय जनता पार्टी जिनको अपने साथ जोड़ रही है उसके बारे में यह स्पष्ट करें कि व्यक्ति को जोड़ने से भी भाजपा का बिहार में उधार क्यो नहीं हो पा रहा है। केंद्र सरकार के मंत्री लगातार बिहार का दौरा कर रहे हैं उसके बावजूद भी उन्हें बिहार की जनता का समर्थन नहीं मिल रहा है ,क्योंकि बिहार और देश की जनता इनके जुमलाबाजी को जान और पहचान चुकी है। 303 सीटों का गुमान करने वाली भाजपा ये भी स्पष्ट करे कि 23 जून को बैठक के बाद उनके खेमे में बौखलाहट और बेचैनी क्यों है। उन्हें जब इतना ही अपने आप पर भरोसा और गुमान है तो तिनके- तिनके को जोड़ने का अभियान क्यों चला रही है । वर्तमान में भारतीय जनता पार्टी अभी-अभी केंद्र के स्तर पर 22 दलों को जोड़ करके सत्ता में भागीदार बनी हुई है। सुशील मोदी को इस बात का एहसास हो चुका है कि पटना में 23 जून को जो बैठक हुई है उसके बाद से भाजपा का सिराजा बिखरने वाला है और भाजपा दोबारा सत्ता में नहीं आने वाली है। जिस कारण बेचैनी में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष से लेकर अमित शाह और सुशील मोदी तक लगातार विपक्षी दलों के एका की बैठक पर अनर्गल प्रलाप कर रहे हैं।

# देश में अल्पसंख्यक, दलित व महिलाएं भाजपा के निशाने पर : दीपंकर

## इंसाफ मंच का तीसरा राज्य सम्मेलन संपन्न, गोपाल रविदास बने अध्यक्ष, कयामुद्दीन अंसारी सचिव

पटना, प्रात : किरण संवाददाता

**समाज के कमजोर समुदाय के इंसाफ की मुहिम को एकताबद्ध करने और आगे बढ़ाने का लिया गया संकल्प**

दलितों, महिलाओं, अल्पसंख्यकों और कमजोर समुदाय पर जारी सांप्रदायिक हमले और हर प्रकार के अन्याय, अत्याचार से उत्पीड़ित जनता के इंसाफ की मुहिम को आगे बढ़ाते हुए रविवार को पटना के गेट पब्लिक लाइब्रेरी में इंसाफ मंच का तीसरा राज्य सम्मेलन सफलतापूर्वक संपन्न हो गया। सम्मेलन से फुलवारी विधायक गोपाल रविदास अध्यक्ष और कयामुद्दीन अंसारी सचिव चुने गए। गया वे वरिष्ठ अधिवक्ता फैयाज हाली को सम्मानित अध्यक्ष बनाया गया। सम्मेलन को संबोधित करते हुए भाकपा-माले के महासचिव का. दीपंकर भट्टाचार्य ने कहा कि आज से 10 साल पहले इंसाफ मंच की शुरूआत हुई थी। 2013 में मोदी की रैली के दौरान गांधी मैदान में एक तथाकथित बम ब्लास्ट हुआ था और पूरे बिहार में उसके नाम पर मुस्लिम युवकों की गिरफ्तारी का सिलसिला चल पड़ा था। तब इंसाफ मंच ने पूरी बहादुरी के साथ उसका प्रतिकार किया था और भाजपा के झूठ का पदार्फाश किया था। आज तो देश की नींव पर ही हमला है। आरएसएस-भाजपा द्वारा हिंदू राष्ट्र का खुलेआम आह्वान किया जा रहा है और हर दिन व हर स्तर पर संविधान को कुचला जा रहा है। देश में अल्पसंख्यक, दलित व महिलाएं निशाने पर है। उन्होंने कहा कि अमेरिका में जब एक पत्रकार ने प्रधानमंत्री मोदी से पूछा कि भारत में लोकतंत्र व संविधान सबकुछ खतरे में है, तो मोदी जी ने इसका जवाब देते हुए कहा कि ऐसा नहीं है। लोकतंत्र हमारे रगों में है और किसी के साथ भेदभाव नहीं किया जा सकता। लेकिन उसके दो दिन बाद ही उनकी ही पार्टी के असम के मुख्यमंत्री ने उनकी पोल खोलते हुए कहा कि भाजपा की प्राथमिकता देश के अंदर के बराक हुसैन ओबामाओं को जेल में पहले डालने की है, उसके बाद किसी के बारे में सोचा जाएगा। यही आज के भारत का सच है। आज हिंदुस्तान में उन्माद-उत्पात कोई अपवाद की घटना नहीं बल्कि एक नियम बन गया है। पूरे देश में आतंक का शासन चल रहा है। इसलिए जरूरत इस बात की है कि संविधान व लोकतंत्र की रक्षा के पक्ष में एक बड़ी एकता कायम की जाए, हम एक दूसरे का सुख-दुख समझें और एकताबद्ध होकर भाजपा को राज व समाज से बेदखल करें।

इसके पूर्व इंसाफ मंच के निवर्तमान सचिव कयामुद्दीन अंसारी ने सभी अतिथियों का मंच पर स्वागत किया। सम्मेलन में माले विधायक दल के नेता महबूब आलम, सत्येदव राम, मनोज मंजिल, सुदामा प्रसाद, वीरेन्द्र प्रसाद गुप्ता, भाकपा-माले के राज्य सचिव कुणाल, खेग्रामस महासचिव धीरेन्द्र झा, मीना तिवारी, केडी यादव सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित थे। 13 सदस्यों के अध्यक्षमंडल के नेतृत्व में सम्मेलन की शुरूआत हुई। अध्यक्षमंडल में आसमां खान, आफशा जबीं, शाह शाद, नेयाज अहमद, अनवर हुसैन सहित अन्य लोग शामिल थे।

## इंसाफ मंच के तीसरे राज्य सम्मेलन से लिए गए प्रस्ताव

पटना। मौजूदा फासीवादी हुकूमत द्वारा देश की नींव पर जारी चौतरफा हमले के खिलाफ संविधान व लोकतंत्र की हिफाजत में चल रही देशव्यापी मुहिम के साथ अपन

## संक्षिप्त खबरें

### विधायक ने रखा सड़क निर्माण कार्य का आधारशिला

विभूतिपुर, समस्तीपुर। विभूतिपुर विधायक अजय कुमार ने विधान सभा क्षेत्र के नरहन पंचायत वार्ड संख्या 04 में मुख्य सड़क से डीपीएस स्कूल जाने वाले सड़क में पीसीसी निर्माण कार्य का आधारशिला रखा। जिसकी कुल लागत राशि 14 लाख 92 हजार 300 रुपए बताया गया है। वहीं बाजितपुर बमैया पंचायत के वार्ड संख्या 07 में वट वृक्ष के चारो तरफ चबूतरे निर्माण कार्य का उद्घघाटन किया। मौके पर श्याम किशोर कमल, मिथलेश सिंह, महेश कुमार, सिया यादव, विश्वनाथ महतो, सतीश ठाकुर, अरविंद दास, धर्मपाल दास, राजद नेता श्याम किशोर कुशवाहा, रविंद्र यादव, मुकेश कुमार गौरव, छात्र नेता राघवेंद्र कुमार, धर्मपाल दास सहित दर्जनों लोग मौजूद थे।

### चोरी की एक बाइक के साथ दो नबालिग आरोपी गिरफ्तार

शिवाजीनगर, समस्तीपुर। हथौड़ी थाना पुलिस ने बाइक चोर गिरोह का पदार्फाश करते हुए चोरी की हुई एक बाइक के साथ दो नबालिग आरोपी को गिरफ्तार किया है। दोनों नबालिग आरोपी हथौड़ी थाना क्षेत्र के ही बताए जा रहे हैं। थानाध्यक्ष मोनू राय ने बताया कि उनके नेतृत्व में चोरी की बाइक बरामदगी के लिए एक टीम का गठन किया गया। गुप्त सूचना के आधार पर एक आरोपी को थाना क्षेत्र के गलगल चौक से गिरफ्तार किया गया। इसी आरोपी की निशानदेही पर थाना क्षेत्र के बल्लीपुर से चोरी की एक बाइक बरामद की गई। वहीं एक और आरोपी को गिरफ्तार किया गया। थानाध्यक्ष ने बताया कि धराये दोनों आरोपियों ने पूछताछ में अन्य सहयोगियों का भी नाम बताया है। जिसकी गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है। छापेमारी टीम में प्रशिक्षु एसआई शबाना आजमी व एसआई कुंदन कुमार आदि मौजूद थे।

### वृद्धा के निधन पर शांति भोज आयोजित

हसनपुर, समस्तीपुर। हसनपुर प्रखंड के हसनपुर गांव में वृद्धा सरस्वती देवी के शांति भोज में काफी संख्या में लोगों ने भाग लेते हुए उनके तैल चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। लोगों ने बताया कि बीते 10 जून को गांव की वृद्धा सरस्वती देवी का निधन हो गया था। वे धार्मिक व सामाजिक कार्यों में भाग लेती थी। मौके पर पूर्व जिला पार्षद जितेंद्र कुमार सिंह, समाजसेवी कुंदन सिंह, जिला परिषद सदस्य अर्जुन यादव, सुबोध सिंह, पूर्व जिला परिषद कार्यकारी जिलाध्यक्ष सुनीता सिंह, जिला परिषद सुजीत कुमार सिंह, पूर्व जिला पार्षद शंभू भूषण यादव, पैक्स अध्यक्ष राजीव सिंह पिंकू, डॉ जवाहर प्रसाद सिंह, रामचंद्र पासवान, संजय शीतांशु, अशोक सिंह, किशोर सिंह, संजय सिंह, धनंजय सिंह, प्रवीण सिंह, संदीप पाटिल, मनोज सिंह मुरारी, जयंत सिंह, तारिणी पासवान, धर्मेंद्र मुखिया, गंगेश यादव आदि उपस्थित थे।

### संस्थान के संबंध में भ्रामक एवं तथ्यहीन वीडियो का किया खंडन

मधुबनी मिथिला चित्र कला संस्थान के उप निर्देशक ने सोशल मीडिया में चलाये जा रहे संस्थान के संबंध में भ्रामक एवं तथ्यहीन वीडियो का किया खंडन। सोशल मीडिया पर ऐसे भ्रामक एवं तथ्यहीन खबर चलाने वाले पर नियमानुसार की जाएगी करवाई। उप निदेशक मिथिला चित्रकला संस्थान मधुबनी बालेंदु पांडेय द्वारा मिथिला तक सोशल मीडिया की सरोज कुमारी झा द्वारा संस्थान के छात्र छात्राओं का एकपक्षीय वक्तव्य रिकॉर्ड कर वायरल किए जाने की खबरों का खण्डन करते हुए कहा गया है कि वायरल वीडियो में संस्थान में परीक्षा फॉर्म भरने के लिए अनुचित राशि लिए जाने की बात कही गई है जो भ्रामक एवं तथ्य से परे है। उन्होंने कहा कि मिथिला चित्रकला संस्थान पूर्ण रूप से आर्यभट्ट ज्ञान विश्वविद्यालय पटना से संबद्ध है और इसके द्वारा जारी अधिसूचना के अनुरूप ही पंजीयन शुल्क अथवा परीक्षा फॉर्म भरने आदि शुल्क लिया जाता है। इसके तहत अनुसूचित जाति जनजाति के लिए 700 रुपए एवं अन्य कोटि के छात्र छात्राओं के लिए 3700 रुपए निर्धारित किए गए हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि संस्थान द्वारा सरकार के दिशानिदेर्शों के अनुरूप छात्र छात्राओं के हित में सभी छात्र छात्राओं के लिए निःशुल्क आवासन और भोजन की व्यवस्था की गई है।

# अमित शाह की रैली में दस हजार से अधिक कार्यकर्ता व समर्थक होंगे शामिल: राजीव वर्मा

समस्तीपुर, प्रात: किरण संवाददाता

बेगुसराय। भारतीय जनता पार्टी ने 29 जून को लखीसराय में आयोजित होने वाले केंद्रीय मंत्री अमित शाह की रैली की तैयारियां प्रारंभ कर दी है। भाजपा जिला अध्यक्ष राजीव कुमार वर्मा की अध्यक्षता में रैली की तैयारियों के लिए गठित विभिन्न समितियों के प्रभारियों के साथ समीक्षा बैठक की गई। बैठक में यह तय किया गया कि बेगूसराय से बड़ी संख्या में कार्यकर्ता और समर्थक 29 जून को लखीसराय के गांधी मैदान में आयोजित होने वाली रैली में भाग लेने के लिए प्रस्थान करेंगे। रैली की सफलता के लिए कार्यक्रम प्रभारी, प्रचार प्रसार प्रभारी, जनसंपर्क प्रभारी तथा भोजन प्रभारी बनाए गए हैं। लखीसराय में प्रदेश महामंत्री सुशील कुमार चौधरी के संयोजकत्व में लगातार लखीसराय, सूर्यगढ़ा, बेगूसराय बरबीघा, मुंगेर, जमालपुर, शेखपुरा के जिला अध्यक्ष एवं जिला प्रभारियों की बैठक आयोजित हो रही है। रैली में करीब 10 लाख लोगों के पहुंचने की संभावना है। भाजपा जिला अध्यक्ष राजीव वर्मा ने बताया कि बेगूसराय जिले से करीब 10 हजार से अधिक कार्यकर्ता लखीसराय की रैली में जाएंगे। जिसके लिए सघन जनसंपर्क अभियान चलाया जा रहा है। इसके लिए जिले में प्रचार वाहन और सघन जनसंपर्क चलाया जा रहा है। मुंगेर के जिला प्रभारी अमरेन्द्र कुमार अमर ने बताया कि लखीसराय में बिहार प्रदेश ने सभी तैयारियों के निमित्त प्रभारियों को तैनात कर दिया है। जिससे लखीसराय में अमित शाह की रैली को ऐतिहासिक बनाया जा सके। गर्मी को देखते हुए लोगों के लिए जर्मन हैंगर पंडाल बनाए जा रहे हैं। लखीसराय में गृह मंत्री अमित शाह भाजपा कार्यालय में कार्यकताओं से मिलेंगे। वही अशोक धाम में महादेव की पूजा-अर्चना करेंगे।

तैयारी बैठक में भाजपा के लोकसभा संयोजक कृष्ण मोहन पप्पू, जिला उपाध्यक्ष सुनील कुमार सिंह, मृत्युंजय कुमार वीरेश, रौनक कुमार, विकास कुमार, पुष्पा राम, जिला महामंत्री रामप्रवेश साहनी, राकेश पाण्डेय, जिला प्रवक्ता शुभम कुमार, जिला मंत्री अमित देव, बब्लेश कुमार, रीता पासवान, संजना जयसवाल, जीडी प्रसाद सहित पार्टी के वरिष्ठ कार्यकताओं ने भाग लिया।

# नेपाली ई-रिक्शा चालक लगाते हैं रेलवे ढाला पर महाजाम

विभूतिपुर, प्रात: किरण संवाददाता

रक्सौल। भारत-नेपाल सीमा का रक्सौल और बीरगंज सीमाई क्षेत्र है, जिसके कारण नेपाली यात्री वाहनों का आवागमन होता रहता है, जिसमें खास करके टेंपू और ई-रिक्शा का परिचालन है। जिसके बाद भारत और नेपाल के टेंपू और ई-रिक्शा में अंतर यह है कि नेपाली नंबर के ई रिक्शा रक्सौल तक आता-जाता है, परंतु भारतीय ई-रिक्शा आदि नही जाता है। जिसके कारण कुछ रोष भारतीय चालकों में है अब उनके रक्सौल में प्रवेश के विरोध में स्थानीय रिक्शा चालक और ई-रिक्शा चालक श्रमिक संघ, रक्सौल द्वारा रविवार को संयुक्त बैठक किया गया। नेपाली नंबर के ई-रिक्शा के के आवागमन के कारण रेलवे ढ़ाला पर भरमार से प्रतिदिन जाम लगने, उन्हें मैत्री पुल पर ही रहने, रक्सौल में प्रवेश नहीं करने और नेपाल में ही ई-रिक्शा चलाने, भारतीय नंबर के ई-रिक्शा के लिए रक्सौल में पार्किंग का प्रबंध करने की मांग को लेकर रिक्शा और ई रिक्शा चालक श्रमिक संघ संयुक्त तत्वावधान में उक्त बैठक स्थानीय छठिया घाट पर किया गया। जिसकी अध्यक्षता ब्रम्हदेव पटेल ने किया। इस दौरान चालकों ने कहा कि हम नगर परिषद को टैक्स भी देते हैं और नेपाली नंबर के ई रिक्शा वालों के मनमानी से पुलिस से मार भी खाते हैं, जबकि नेपाली नंबर के ई रिक्शा वाले रेलवे ढाला पर सुबह से ही महाजाम लगा देते हैं। और गलती से हम चले गए तो मार खा लेते हैं। वहीं उन्होंने ये आरोप लगाया कि ये नेपाली ई-रिक्सा वाले हमलोगों का पैसेंजर ले जाते हैं जिस वजह से हम लोगों के रोजी रोटी पर भी आफत पड़ गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि वहां तैनात रहे स्थानीय पुलिस की लापरवाही से नेपाली ई-रिक्शा चालक मनमानी करते हैं, जिससे हमलोगो को दिक्कत हो रहा है। उन्होंने कहा कि हम अपनी समस्याओं की प्रशासन को अवगत कराएंगे और यदि समाधान नहीं हुआ तो अनिश्चितकालीन आन्दोलन हमलोग करेंगे। मौके पर राजेश कुमार, इम्तियाज,रमेश कुमार, विक्की कुमार, उपेंद्र यादव, जयराम प्रसाद, विजय कुमार सहित चालक उपस्थित थे, जबकि इस इस दौरान ई रिक्शा का संचालन भी बंद रहा। पूर्व मुखिया मदन पटेल, पूर्व वार्ड पार्षद चीनी राम एवं जदयू नेत्री सह समाजसेवी पूर्णिमा भारती आदि भी उपस्थित रहें।

# डॉ कलाम फाउंडेशन फॉर सेंट्रल डेवलपमेंट ने साक्षर बनाने के लिए गौडा गांव को लिया गोद

शिवाजीनगर, प्रात: किरण संवाददाता

शिवाजीनगर प्रखंड अंतर्गत रजौर रामभद्रपुर पंचायत के गौडा गांव के आंगनबाड़ी केंद्र संख्या 69 पर साक्षरता अभियान कार्यक्रम का उद्घाटन प्रखंड प्रमुख डॉक्टर गोविंद कुमार, एवं रामभद्रपुर के मुखिया रामचंद्र सिंह के द्वारा संयुक्त रूप से फीता काटकर किया। संपूर्ण साक्षरता अभियान के कार्यक्रम में डॉ कलाम फाउंडेशन फॉर सेंट्रल डेवलपमेंट ने गौडा गांव को संपूर्ण साक्षर बनाने के लिए गोद लिया। वहीं कार्यक्रम के दौरान वृक्षारोपण भी किया गया। गौडा गांव को गोद लेने के बाद ललित कुमार सिंह ने बताया कि 6 महीने में पूरे गांव को संपूर्ण साक्षर बनाना है। वहीं साक्षरता अभियान में पढ़ाने वाली शिक्षिका सीता देवी, सरिता देवी, नवीना देवी, अनीता देवी के द्वारा संयुक्त रूप से 70 निरक्षर महिला व 30 निरक्षर पुरुष को 6 महीने में संपूर्ण साक्षार बनाना है। कार्यक्रम के दौरान मौके पर डॉ कलाम फाउंडेशन फॉर सेंटर डेवलपमेंट के कार्यकर्ता ललित कुमार सिंह, पूर्व बीआरपी बालमुकुंद सिंह, रामशंकर सिंह, राज नारायण, राजकुमार सहनी, समाजसेवी सुरेश कुमार सिंह, राजेश्वर प्रसाद सिंह, सुशील कुमार, रामपुकार मंडल, शत्रुघ्न सिंह, अनूप कुमार, संपूर्ण साक्षरता अभियान के कार्यकर्ता एवं ग्रामीण मौजूद थे।

# एसआरपी और जिला समन्वयक ने किया समर कैंप कक्षा का अवलोकन

प्रात: किरण संवाददाता

समस्तीपुर। समस्तीपुर जिले के उत्क्रमित मध्य विद्यालय मोहनपुर एवं उर्दू मध्य विद्यालय धरमपुर में शनिवार को समर कैंप कक्षा का अवलोकन एसआरपी मधुरेन्द्र दत्त शर्मा तथा प्रथम के जिला समन्वयक सुधीर कुमार ने किया। उन्होंने खेल-खेल में गणित एवं भाषा पर विस्तार से बताया। उन्होंने बच्चों से छोटे-छोटे शब्द, साधारण वाक्य, एक से दो अंकों के सवालों से भाषा एवं गणित में हुई प्रगति की समीक्षा की। साथ ही कहानी वाचन गतिविधि कराया। मौके पर शिक्षा सेवक अमर सिंह, जमीला खातून, राजू रजक, रविश कुमार आदि केन्द्र संचालित कर रहे थे।

# कोमल हत्याकांड का एसपी ने किया उद्भेदन, आरोपी कुंदन गिरफ्तार

- गिरफ्तार आरोपी की निशानदेही पर एसआईटी ने छापेमारी कर हथियार, गोली और शराब का जखीरा किया बरामद
- हथियार मुहैया कराने वाले आरोपी के चाचा के घर को सील करने का निर्देश

विभूतिपुर, प्रात: किरण संवाददाता

विभूतिपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत शिवनाथपुर के राजधानी चौक पर बीते 23 जून को कोचिंग से वापस लौट रही छात्रा की गोली मारकर हत्या मामले में एसआईटी ने घटना के 24 घंटे के अंदर हत्याकांड का मुख्य आरोपी को छापेमारी कर गिरफ्तार कर लिया। उसकी निशानदेही पर घटना में प्रयुक्त पिस्टल के अलावा एक देसी पिस्टल, दो देसी कट्टा और अलग-अलग हथियारों में प्रयुक्त होने वाले 35 गोली, मुखिया प्रत्याशी रानी देवी का पुल छाप का 50 पंपलेट एवं पांच कार्टन विदेशी शराब बरामद किया गया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान विभूतिपुर थाना क्षेत्र के शिवनाथपुर वार्ड नंबर तीन निवासी हरेकृष्ण सिंह के पुत्र कुंदन कुमार के रूप में हुई है। रविवार को विभूतिपुर पर थाना क्षेत्र के राजधानी चौक पर एक प्रेस वार्ता का आयोजन कर समस्तीपुर एसपी ने इस मामले का खुलासा किया। उन्होंने बताया कि घटना के सफल उद्भेदन व इसमें संलिप्त अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए रोसड़ा डीएसपी के नेतृत्व में एसआईटी का गठन किया गया था। एसआईटी ने घटना के 24 घंटे के अंदर हत्याकांड के मुख्य आरोपी कुंदन कुमार सिंह गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस के द्वारा की गई विस्तृत पूछताछ में आरोपी कुंदन है घटना में अपनी संलिप्तता स्वीकार की है। उसकी निशानदेही पर उसके चाचा ललन सिंह उर्फ लूल्हा और समीर भारती ऊर्फ पप्पू के संयुक्त घर प्रांगण में स्थित बथान के भूस्कार में छुपा कर रखे गए घटना में प्रयुक्त पिस्टल के अलावे भारी मात्रा में हथियार और गोली एवं पांच कार्टन विदेशी शराब बरामद किया गया है। उन्होंने बताया कि कोमल और कुंदन के बीच पूर्व से प्रेम प्रसंग चला आ रहा था। बीच में कुछ अनबन होने के बाद कोमल किसी दूसरे लड़के से बात करने लगी थी। जिसे कुंदन बर्दाश्त नहीं कर पाया और उसने गोली मारकर कोमल की हत्या कर दी। समस्तीपुर एसपी ने बताया कि आरोपी कुंदन का चाचा ललन सिंह एक शराब माफिया है और उसी ने कुंदन को घटना के लिए हथियार मुहैया कराया था। वहीं ललन सिंह उर्फ लूल्हा और समीर भारती ऊर्फ पप्पू की गिरफ्तारी के लिए एसआईटी छापेमारी कर रही है, उन्हें भी जल्द ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा। वहीं, ललन सिंह के घर को तुरंत सील करने का निर्देश जारी किया गया है। विभूतिपुर क्षेत्र में जो सफेदपोश माफिया संरक्षण दे रहे हैं, उनके विरुद्ध भी कार्रवाई किए जाने की बात कही गई है। छापेमारी टीम में रोसड़ा डीएसपी शिवम कुमार, विभूतिपुर थानाध्यक्ष संदीप कुमार पाल, एसआई नवीन कुमार, एएसआई दिनेश कुमार सिंह, एएसआई राजेश कुमार सिंह एवं एएसआई मनोज कुमार शामिल थे।

# महादलित वस्ती में पानी के लिये मचा हाहाकार

प्रात: किरण संवादाता

बोचहा , मुजफ्फरपुर। प्रखंड क्षेत्र के बल्थी रसूलपुर पंचायत के वार्ड संख्या 9 में नल जल योजना के तहत लाखों रुपए खर्च करके दो जल मीनार बनाया गया, बावजूद इसके महादलित वस्ती के लोग पानी के लिए तरस रहे हैं। सरकार की नाकामी कहिए या अधिकारियों की मनमानी से यहां जल संकट गहरा गया है। इस वार्ड के महादलित समुदाय के लिए पानी का स्रोत निजी चापकल था, भूगर्भ जल स्तर काफी नीचे चले जाने के कारण कई चापाकल सूख गए और कई खराब हो गए हैं । इस समुदाय के लोगों को पानी पीने के लिए एकमात्र साधन बच्ची देवी के डेरा पर लगा नल है, इसी नल के सहारे पूरा दलित बस्ती के लोग पानी पीने और नहाने के लिए निर्भर है। इस पंचायत में सात निश्चय योजना से दो जल मीनार बनाया गया, लेकिन यहां अब तक अधिकांश परिवारों को पानी का कनेक्शन नहीं दिया गया है। जल मीनार से पानी का जो पाइप लाइन बिछाया गया, उसे ग्रामीणों के दरवाजे पर लाकर छोड़ दिया गया,। ग्रामीण रणधीर कुमार, असर्फी महतो, सक्कल महतो, बच्ची देवी, संगीता देवी, नन्दकिशोर पासवान बताते हैं कि पाइपलाइन को देखने से ही पता चलता है कि इस योजना में अधिकारियों द्वारा अनियमितता बरती गई है।एक तरफ लोग गर्मी से बेहाल हैं तो दूसरी तरफ इस भीषण गर्मी में यहाँ लोगों के बीच पानी के लिए त्राहिमाम मचा है। इस वार्ड के लोग पानी पीने के लिए और नहाने के लिए इधर से उधर भटकते रहते है। फिर भी इस इस समस्या के समाधान के लिए कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा हैं।

# जब धर्म पर अत्याचार होता है भगवान का अवतार होता है : रामदयाल बापू

सरायरंजन, प्रात: किरण संवाददाता

जब जब धरती पर और धर्म पर अत्याचार बढ़ता है, तभी भगवान का अवतार होता है। उक्त बातें कहीं बरबट्टा में श्री राम कथा महायज्ञ समारोह को संबोधित करते हुए राम कथा वाचक श्री रामदयाल बापू जी महाराज ने। रामदयाल बापू ने स्पष्ट करते हुए कहा कि जब बड़े बड़े ज्ञानी भी ज्ञान के अभिमान और धन के अहंकार में धर्म पर अत्याचार करने लगते हैं, तब विवश होकर प्रभु को अवतार लेना पड़ता है। आज धर्म को कोई समझ नहीं रहा है। जबकि धर्म ही मानव जीवन का प्राण है। धर्म के बिना इंसान हैवान ही नहीं शैतान बन जाता है। श्री बापू ने कहा कि किसी क्षुद्र मानसिकता की पूर्ति के लिए किए गए अनुष्ठान का नाम धर्म नहीं है। बल्कि धर्म मानव के सदाचार का नाम है। धृति, क्षमा, दम, अस्तेय, शौच, इंद्रियनिग्रह, बुद्धि का विकास, विद्या वर्धन, सत्य भाषण और अक्रोध, यही धर्म के दस लक्षण हैं, जिसके बिना मानव दानव बन जाता है और इंसान शैतान बन जाता है। यह जितना हिंदू के लिए जरूरी है, उतना ही मुसलमान के लिए जरूरी है, उतना ही सिख और क्रिस्तान के लिए जरूरी है। यह जितना भारत के लिए जरूरी है, उतना ही, रूस, इंग्लैंड, अमेरिका, ईरान, अफगानिस्तान और पाकिस्तान के लिए जरूरी है। इसी को जीवन में उतार कर इंसान को भगवान बनाने के लिए भगवान का अवतार हुआ करता है। इसीसे दूर हो जाने के कारण आज सारा संसार बारूद के ढेर पर बैठ गया है। श्री बापू ने ने स्पष्ट किया कि भगवान श्री राम और श्री कृष्ण का जन्म भी, जीवन के इसी महान सदाचार को जीवन में फिर से स्थापित करने के लिए अवतार हुआ था। आज हर कोई षड्यंत्र का शिकार होकर धर्म को समझे बिना धर्म को नजरअंदाज कर रहा है, इसीलिए सभी दुखी होकर सारे संसार को दुख के सागर में डूबो रहे हैं। जिस दिन रामचरितमानस सहित भारत के इन महान सद् ग्रंथों के महान सदाचरण को मानव अपने जीवन में उतार लेगा, भारत सहित सारा संसार सुखी हो जाएगा। यही राम के अवतार का रहस्य है। यही कृष्ण के अवतार का रहस्य है। यही सभी भगवान के अवतार का रहस्य है। श्री रामदयाल बापू ने रामचरितमानस, वाल्मीकि रामायण, श्रीमद्भागवत सहित विभिन्न ग्रंथों से उदाहरण देते हुए भगवान के अवतार के कारण और उसके रहस्य का मार्मिक वर्णन कर रहे थे। श्री बापू के संगीत मय रामकथा के सरस वर्णन से सैकड़ो श्रद्धालु, भक्ति रस में सराबोर हो रहे थे। मौके पर यजमान श्रीराम सिंह, रामपुकार सिंह, दीपक सिंह, हरेराम सिंह, बालगोविंद सिंह, उमेश प्रसाद सिंह, ललन सिंह, मणिकांत सिंह सहित दर्जनों श्रद्धालु समारोह में सहयोग करते नजर आए।

# जनकल्याणकारी योजनाओं के संचालन में नीतीश सरकार अव्वल : प्रखंड अध्यक्ष

शिवाजीनगर, प्रात: किरण संवाददाता

खानपुर प्रखंड खेत्र में जहांगीरपुर, शोभन एवं भोरेजयराम में रविवार को पंचायत सतरीय कार्यकताओं की बैठक आयोजित की गई। बैठक में उपस्थित कार्यकताओं को संबोधित करते हुए प्रखंड अध्यक्ष राम नारायण सिंह ने कहा कि सरकार गांव के विकास के लिए कटिबद्ध है। जनकल्याण के लिए कई योजनाएं चलाई जा रही है। उन्होंने बताया कि हर घर नल का जल, घर घर बिजली, हर खेत को पानी, बेटियों को पढ़ने के लिए साइकिल, पोशाक, छात्रवृति सहित बेरोजगारों के लिए रोजगार उपलब्ध कराया जा रहा है। उन्होंने बताया कि महिलाओं को हर क्षेत्र में आगे बढ़ाने के लिए 50 प्रतिशत आरक्षण देने का काम किया है। बता दें कि सभी पंचायतों में 11 सदस्यीय कमिटी बनाई गई है। साथ हीं 5 सदस्यीय बूथ कमिटी भी बनाई गई है। मौके पर जिला सचिव रमाशंकर राय, जिला कार्यकारिणी सदस्य मो शकील अंसारी, प्रखंड उपाध्यक्ष सुरेश प्रसाद, गंगा प्रसाद झा, जहांगीर पंचायत अध्यक्ष मनोज कुमार महतो, मुखिया रविन्द्र कुमार प्रसाद, मुखिया प्रतिनिधि अशोक पासवान, शोभन पंचायत अध्यक्ष पवन कुमार महतो, भोरेजयराम पंचायत अध्यक्ष रमण कुमार झा, मीडिया प्रभारी रामबाबू प्रसाद, रामविलास राम, जय राम सहनी सहित दर्जनों कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

# राष्ट्रीय जन जन पार्टी ने तमिलनाडु के मुख्यमंत्री का किया विरोध

प्रात: किरण संवादाता

बेगूसराय। पटना में शुक्रवार को महागठबंधन के नेताओं के जुटान में पहुंचे तमिलनाडु के मुख्यमंत्री का राष्ट्रीय जन जन पार्टी के संस्थापक आशुतोष कुमार, राष्ट्रीय अध्यक्ष सतीश कुमार झा, राष्ट्रीय सचिव डा. सोनू शंकर, बिहार प्रदेश अध्यक्ष मेनका रमन, कोषाध्यक्ष अंकित चंद्रयान, आलोक कुमार सहित सैकड़ों कार्यकताओं ने सड़क पर उतरकर विरोध किया। राष्ट्रीय जन जन पार्टी के राष्ट्रीय सचिव डा. सोनू शंकर ने बताया कि हमलोग पटना में कारगिल चौक पर तमिलनाडु के मुख्यमंत्री का शांतिपूर्ण तरीके से विरोध कर रहे थे। शांतिपूर्ण तरीके से विरोध करने के दौरान हमलोगों के पास कोई झंडा, बैनर, पोस्टर तक नहीं था। फिर भी डरी हुई सरकार ने पुलिस के माध्यम से हमलोगों को धक्का मुक्की कराया। उसके बाद विरोध प्रदर्शन कर रहे स्थान पर से अलग ले जाकर जेल में लगभग-8 घंटों तक कैद रखा। उन्होंने बताया कि पुलिस ने सड़क पर दुर्व्यवहार किया। राष्ट्रीय जन जन पार्टी गलत का खुलकर विरोध करेगी।

# भाजपा ने प्रबुद्ध सम्मेलन आयोजित कर आपातकाल के विरोध में मनाया काला दिवस

समस्तीपुर, प्रात: किरण संवाददाता

समस्तीपुर लोकसभा भारतीय जनता पार्टी के द्वारा प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के द्वारा देश में लगाए गए आपातकाल के विरोध में 25 जून काला दिवस के रूप में मनाते हुए शहर के ताजपुर रोड स्थित एक निजी विवाह भवन में प्रबुद्ध सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता भाजपा बुद्धिजीवी प्रकोष्ठ के जिला संयोजक उमेश प्रसाद कुशवाहा व संचालन भाजपा नेता मनोज जायसवाल ने किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में दरभंगा जाले से विधायक सह पूर्व मंत्री जीवेश मिश्रा के साथ भाजपा जिलाध्यक्ष उपेन्द्र कुशवाहा, एमएलसी डॉ तरुण कुमार सहित अन्य मंचासीन ने दीप प्रज्वलित कर सम्मेलन का उद्घाटन किया। सम्मेलन को संबोधित करते हुए पूर्व मंत्री जिवेश मिश्रा ने कहा कि आज के दिन को हम लोग काला दिवस के रूप में मनाते है क्योंकि आज के ही दिन इलाहाबाद हाईकोर्ट के जज जगमोहन लाल सिन्हा ने 1971 के लोकसभा चुनाव में रायबरेली लोकसभा क्षेत्र में भ्रष्ट साधन अपनाने का दोषी ठहराते हुए इन्दिरा गांधी की संसद सदस्यता से अयोग्य घोषित करते हुए छह साल तक कोई चुनाव लड़ने के अयोग्य भी ठहराया था। इन्दिरा गांधी और उनके किचन कैबिनेट के साथी नहीं चाहते थे कि हाईकोर्ट के फैसले को मानते हुए इस्तीफा दे। इन्दिरा गांधी डर कर तानाशाही की ओर बढ़कर राष्ट्रीय आपात की घोषणा कर दी। असाधारण शक्ति प्राप्त कर विपक्षी नेता व नागरिकों का दमन आरंभ कर दिया। यह स्थिति 1977 तक अर्थात 21 महीने रही। पुलिस बलों का प्रयोग कर इसके विरूद्ध आंदोलन कर रहे प्रसिद्ध नेता को बंदी बना लिया गया। नागरिकों के मौलिक अधिकार में कटौती कर बिना किसी सुनवाई के लोगों को जेल में ठूंस दिया। मीडिया पर सेंसरशिप लगाकर देश वास्तविक जानकारी से लोगों को दूर कर दिया गया। सरकार के खिलाफ आवाज दबाने हेतु सभी प्रकार के शक्तियों का किया गया। भारत के लोकतंत्र में यह काला धब्बा है। आपातकाल का मुकाबला कर देश में पुनः वापस लोकतंत्र को स्थापित किया। आपातकाल के उस भयावह दौर को भूल नहीं सकते। लोकनायक जयप्रकाश नारायण अपने गिरफ्तारी से पहले राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के नानाजी देशमुख को लोक संघर्ष समिति के जरिए आंदोलन का दायित्व सौंपा था। जनसंघ के नेता अटल बिहारी वाजपेयी, लालकृष्ण आडवाणी सहित हजारों कार्यकताओं को कैद कर लिया गया। आज कांग्रेस सत्ता से दूर है जब भी यह उससे दूर हो जाती है या जनता अस्वीकार कर देती है, तब लोकतंत्र का अपमान करना कांग्रेस वंशवादी स्वभाव कांग्रेस की है। फिर कांग्रेस अपने ही षड़यंत्र के खेल में उलझ जाती है। उन्होंने ने कहा कि बिहार ने आपातकाल का भयावह दौर को देखा है और भोगा है। आज आपातकाल के विरोधी कांग्रेस के गोद में बैठ गए है। बिहार के वर्तमान मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव जेल का यातना सह चुके हैं। कभी लोकतंत्र के हत्या करी कांग्रेस के खिलाफ जयप्रकाश नारायण को आदर्श मानने वाले ये कुर्सी बचाने के लिए उनके साथ गलबहियां किये हुए हैं। ये लोग जेपी, लोहिया और कपूर्री के गैर कांग्रेसवाद को तिलांजलि दे दी है। बिहार के लोगों को ठगने का काम कर रहे हैं। सम्मेलन को भाजपा जिलाध्यक्ष उपेन्द्र कुमार कुशवाहा, एमएलसी डॉ तरुण कुमार, लोकसभा प्रभारी रंजन गौतम, भाजपा नेता शशिकांत आनंद, विमला सिंह, प्रो विजय कुमार शर्मा, राम सुमिरन सिंह, नीलम सहनी, कैप्टन कमलेश सहनी, सत्येंद्र सिंह, प्रदीप शाह शिवे, भाजपा जिला महामंत्री कौशल पाण्डेय, भाजपा प्रवक्ता मुकेश कुमार सिंह, अनूसूचित मोर्चा जिलाध्यक्ष हीरा पासवान सहित अन्य नेता ने सम्मेलन को संबोधित किया। वहीं, मंचासीन नेताओं का अभिनन्दन पाग, अंगवस्त्र व माला से सुशील चौबे, ठाकुर संग्राम सिंह, विजय शंकर ठाकुर, कृष्ण गोपाल शर्मा, आलोक वर्मा ने किया। सम्मेलन में शलैन्द सिंह, गायत्री सिंह, अनामिका रजक, श्यामनंदन प्रसाद सिंह, विश्वनाथ चौधरी, सुशील ठाकुर सहित अन्य लोग शामिल रहे। धन्यवाद ज्ञापन भाजपा महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष गीतांजलि ने किया।

# कोमल हत्याकांड पर जदयू ने जताया शोक, मुआवजा की मांग

प्रात: किरण संवाददाता

विभूतिपुर। प्रखंड के शिवनाथपुर गांव में जदयू प्रखंड कमेटी की बैठक की अध्यक्षता प्रखंड अध्यक्ष अशोक अशोक पटेल कर रहे थे। कार्यक्रम का संचालन डॉक्टर रामाशीष प्रसाद सिंह ने किया। बैठक में पारा मेडिकल की छात्रा कोमल कुमारी की दिनदहाड़े हत्या पर शोक संवेदना व्यक्त करते हुए पीड़ित परिवार को 5 लाख मुआवजा एवं नामजद सभी अभियुक्त के साथ-साथ उनके संरक्षक की गिरफ्तारी की मांग किया है। वहीं घटना के सफल उद्भेदन के लिए एसपी को धन्यवाद ज्ञापन किया। साथ ही शराब माफिया और हथियार सप्लाई करने वाले की जांच कर कारवाई करने की मांग किया हैं। नरेश प्रभाकर, रामचंद्र महतो, चांदनी देवी, प्रीति कुमारी, विनोद भगत, विजय कुमार, क्रांति कुमार, गोविंद महतो, अशोक सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

# सीमांचल जोन के उद्घाटन मुकाबला में अररिया ने पूर्णिया को 78 रनों से किया पराजित

प्रात: किरण संवादाता

बेगूसराय। बिहार क्रिकेट संघ के द्वारा बेगूसराय के बरौनी फर्टिलाइजर के मैदान में रविवार को सीमांचल जोन का उद्घाटन मुकाबला पूर्णिया और अररिया के बीच खेला गया। अररिया के कप्तान ने टॉस जीता और पहले बल्लेबाजी करते हुए 40 ओवर में 5 विकेट खोकर 230 रन बनाए। अररिया की ओर से आदर्श सिंह ने शानदार 55 रन बनाए और अमन राज ने 47 रन बनाए। वही पूर्णिया की ओर से राजा ने 4 विकेट प्राप्त किए। जवाब में उतरी पूर्णिया की टीम 31 ओवर में 153 रन पर पूरी टीम सिमट गई। पूर्णिया की ओर से अभिषेक राय 24 रन बनाए। मो फैफ ने 23 रन बनाए। वहीं अररिया की ओर से अमन राज ने 5 विकेट प्राप्त किए और आदर्श सिंह ने 3 विकेट प्राप्त किए। इसके उपरांत अररिया ने पूर्णिया को 78 रनों से पराजित किया। इस मैच के मैन ऑफ द मैच अररिया के अमन राज को बेगूसराय जिला क्रिकेट संघ के चेयरमैन मृत्युंजय कुमार वीरेश ने प्रदान किया। आज इस उद्घाट

## संक्षिप्त खबरें

### किशोर की हुई हत्या या डूबने से हुई मौत, जांच में जुटी पुलिस

बरौली। बरौली थाना क्षेत्र के मोगाल बिरैचा चंवर में पोखरे के समीप एक किशोर का शव मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। शव को देखने के लिए भारी संख्या में लोगो की भीड जमा हो गयी। सूचना पाकर पंहुची पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर अंत्यपरीक्षण के लिए सदर अस्पताल भेज दिया। बताया जाता है कि कहला हजारी टोला गांव के दशरथ ठाकुर का 14 वर्षीय पुत्र गुड्डूकुमार शनिवार शाम 4 बजे से घर से लापता था। जिसकी खोजबीन परिजन कर रहे थे। इसी दौरान सोमवार की सुबह चंवर से शव बरामद होते ही परिजनो में कोहराम मच गया। पुलिस हत्या व मौत दोनो बिंदुओं पर जांच कर रही है। इस संबध में थानाध्यक्ष ने बताया कि मामले की जांच पडताल की जा रही है। पुलिस हत्या या मौत दोनो बिंदुओ पर गहराई से जांच कर रही है। जल्द ही मामले का उदभेदन कर लिया जाएगा।

### दहेज के लिए विवाहिता को घर से किया बेघर

बरौली। बरौली थाना क्षेत्र के रतनसराय जाफर टोला गांव में शादी के बाद दहेज लोभियों ने दहेज में पांच लाख रुपए की मांग को लेकर विवाहिता को मारपीट कर घर से बेघर कर दिया। इस मामले को लेकर महिला राबिन खातून ने अपने पति शाहिद सहित सात लोगों पर प्राथमिकी दर्ज कराई है। पुलिस प्राथमिकी दर्ज करने के बाद मामले की जांच में जुट गई है।

### चाकू का भय दिखा मंगलसूत्र छीना, विरोध करने पर चाकू गोद किया जख्मी

बरौली। बरौली थाना क्षेत्र के सरफरा गांव में घर में घुसकर एक महिला को चाकू का भय दिखा मंगलसूत्र छीनने का प्रयास किया गया। महिला के द्वारा विरोध करने पर महिला के पति व बेटे को चाकू मारकर जख्मी कर दिया गया। आसपास के लोगो की मदद से घायलों को इलाज के लिए स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया। इस मामले को लेकर पीड़ित महिला जयमुरत देवी ने श्याम कुमार पांडेय सहित दो लोगो के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई है। पुलिस प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच करने में जुट गयी है।

### जानलेवा हमला के मामले में फरार आरोपी को पुलिस ने किया गिरफ्तार

भोरे। भोरे थाना क्षेत्र के सिसई बाजार में कार्रवाई करते हुए पुलिस ने जानलेवा हमला के मामले में फरार चल रहे एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। जिसे आवश्यक कार्यवाही के बाद जेल भेज दिया गया। बताया जा रहा है कि सिसई बाजार के शेख फिरोज के खिलाफ जानलेवा हमला का एक कांड स्थानीय थाने में दर्ज किया गया था। इसी मामले में वह फरार चल रहा था। जिसे कांड के अनुसंधानकर्ता एएसआई आशुतोष कुमार ने गिरफ्तार कर लिया।

### बिजली चोरी के मामले में पांच के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज

भोरे। बिजली चोरी को लेकर रविवार को विभाग द्वारा एक अभियान चलाया गया। जिसमें चोरी से बिजली जला रहे लोगों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए जुमार्ना लगाकर प्राथमिकी दर्ज की गई। जेई राजीव कुमार के नेतृत्व में गठित धावा दल ने पहली कार्रवाई थाना क्षेत्र के कल्याणपुर में की। जहां राम तपेश्वर यादव को बिजली चोरी करते पाया गया। जिनके खिलाफ 7213 का जुमार्ना लगाया गया। इसी प्रकार थाना क्षेत्र के बलवां गांव निवासी मैनेजर चैहान के खिलाफ 24000, श्रवण माली के खिलाफ 16763, चंपा देवी के खिलाफ 12192 और विद्यावती देवी के खिलाफ 30496 का जुमार्ना लगाते हुए प्राथमिकी दर्ज की गई है।

### विदेशी टोला में बंदर के आतंक से ग्रामीणों में दहशत का माहौल

थावे। थावे प्रखंड के विदेशी टोला पंचायत के विदेशी टोला गांव में बंदर के आतंक से ग्रामीणों में दहशत का माहौल बना हुआ है। बंदरो ने अब तक दर्जनों लोगों को काट चुका है। जिससे पुरे गांव में भय व्याप्त हैं। ग्रामीण बसंत कुमार गुप्ता ने बताया की बंदरो के भय से घर से बाहर निकलना काफी मुश्किल हो गया है। डर से कोई भी व्यक्ति अपने घर से नही निकल रहा है। नही बच्चों को बाहर निकलने दिया जा रहा है।

### पेंटर की हत्या मामले में फरार आरोपित को पुलिस ने किया गिरफ्तार

उचकागांव। उचकागांव थाना क्षेत्र के छोटका सांखे पंडित जी के पुल के समीप 50 दिन पहले कवहीं गांव निवासी पेंटर अनिल महतो की हत्या मामले में फरार चल रहे एक आरोपित को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। जिसे रविवार के दिन न्यायालय में प्रस्तुत किया गया। बताया जा रहा है कि थाना क्षेत्र के कवहीं गांव के बुनीलाल महतो के 40 वर्षीय बेटे अनिल महतो पेंटर का काम करते थे। बीते तीन अप्रैल को वह अपने साथी के साथ थाना क्षेत्र के कपरपुरा गांव में पेंटिंग का काम करने के लिए गए हुए थे। देर शाम वापस आने के क्रम में थाना क्षेत्र के छोटका सांखे पंडित जी के पुल के समीप उन्हीं के दो साथियों ने चाकू मारकर हत्या कर दी थी।

# अपराध की योजना बनाते हथियार के साथ दो बदमाश गिरफ्तार

उचकागांव प्रात : किरण संवाददाता

उचकागांव थाना क्षेत्र के धरमन टोला से उजरा नारायणपुर गांव जाने वाले मुख्य पथ पर स्थित अंडरपास के समीप पुलिस ने सूचना के आधार पर छापेमारी कर अपराध की साजिश करते हथियार के साथ दो बदमाशों को गिरफ्तार कर लिया। इस दौरान पुलिस ने दोनों बदमाशों के पास से दो लोडेड पिस्टल, दो मोबाइल और तीन जिंदा कारतूस बरामद किया है। बताया जा रहा है कि थानाध्यक्ष सुभाष कुमार सिंह को शनिवार की देर शाम सूचना मिली कि कुछ बदमाश थाना क्षेत्र के उजरा नारायणपुर अंडरपास के समीप स्थित कदम के पेड़ के पास किसी अपराध की साजिश कर रहे है। जिसके बाद मामले की वरिय पदाधिकारियों को सूचित करते हुए पुलिस टीम ने मौके पर छापेमारी कर लोडेड दो पिस्टल, दो मोबाइल और तीन जिंदा कारतूस के साथ दो बदमाशों को गिरफ्तार कर लिया। जिनकी पहचान थाना क्षेत्र के उजरा नारायणपुर गांव के अक्षय यादव और बालाहाता गांव के मनोज कुमार सिंह के रूप में की गई है। पूछताछ के बाद रविवार के दिन एसडीपीओ हथुआ अनुराग कुमार ने प्रेस वार्ता के क्रम में बताया कि दोनों बदमाश नगर थाना क्षेत्र के भितभेरवां वार्ड नंबर 15 स्थित अपने निजी मकान में रहने वाले दिलीप कुमार सिन्हा के अपहरण और हत्या मामले में शामिल थे। गिरफ्तार बदमाश अक्षय कुमार कुचायकोट थाना क्षेत्र के सासामुसा बाजार में वाहन जांच के दौरान अपने साथी के साथ पूर्व में दो पिस्टल के साथ गिरफ्तार किया जा चुका है। मीरगंज थाना क्षेत्र के सलेमपट्टी रेलवे ढाला के समीप 11 नवंबर 2020 को माइक्रो फाइनेंस लिमिटेड कंपनी के सीआरओ पप्पू कुमार को लूट के नियत से गोली मारकर हत्या करने के मामले में गिरफ्तार बदमाश अक्षय कुमार शामिल रहा है। उचकागांव थाना क्षेत्र के बलेसरा हनुमान मंदिर के समीप पूर्व मंत्री रामसेवक सिंह के गैस एजेंसी राजकुल गैस एजेंसी के गैस सिलेंडर वाहन के चालक से बदमाश मनोज कुमार सिंह ने अपने साथी के साथ मिलकर दो हजार रुपए नगद और एक मोबाइल की लूट की थी। मामले में अज्ञात बदमाशों के विरुद्ध प्राथमिकी कराई गई थी। पुलिस जांच में बदमाशों का नाम सामने आने के बाद अप्राथमिकी अभियुक्त के रूप में बदमाशों का नाम अंकित किया गया था। सभी बदमाशों ने पूछताछ में अपना अपराध कबूल किया है। छापेमारी दल में थानाध्यक्ष सुभाष कुमार सिंह, एसआई मनीष कुमार, परिक्ष्यमान पुअनी शमशाद रजा, पुलिस बल के जवान वीरेंद्र कुमार श्रीवास्तव, अली राजा मियां और मोहम्मद खान शामिल रहे।

# गेरुआ वस्त्र में दिखे थानेदार, मंत्रोच्चार से गुंजा उचकागांव थाना परिसर

उचकागांव प्रात : किरण संवाददाता

उचकागांव थाना परिसर में थानेदार गेरुआ वस्त्र में दिखाई दिए, वही थाना परिसर में आने वाले आगंतुकों की उचकागांव थाने में पदस्थापित एसआई से लेकर चैकीदार और मुंशी अगवानी में लगे हुए थे। अवसर था उचकागांव थाना परिसर में निर्मित भगवान शिव और बजरंगबली के मंदिर के वार्षिकोत्सव का। रविवार के दिन थाना परिसर में स्थित भगवान शिव और बजरंगबली के मंदिर के वार्षिकोत्सव के अवसर पर अष्टयाम कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें वेदी पर यजमान की भूमिका में थानाध्यक्ष सुभाष कुमार सिंह और उनकी धर्मपत्नी पुष्पा राज बैठी हुई थी। वही आचार्य योगेंद्र तिवारी, धर्मेंद्र पांडेय, राजकुमार पांडेय, राजकुमार शुक्ला, विनय दुबे, अभय जी, रितेश तिवारी, उमेश तिवारी, उमेश उपाध्याय सहित दस ब्राह्मणों के मंत्रोच्चार से पूरा थाना परिसर गुंजायमान हो रहा था। पूजन के साथ ही 24 घंटे के अष्टयाम कार्यक्रम का भी प्रारंभ हो गया। जिसमें चंपारण के बगहा से आए महिला कीर्तन मंडली के द्वारा किए जा रहे श्री राम नाम जप लोगों के आकर्षण का केंद्र बना हुआ था। थाना परिसर में आने वाले आगंतुकों के बीच प्रसाद का वितरण भी किया जा रहा था। इस दौरान पूजा समिति के व्यवस्थापक रमेश सिंह ने बताया कि वार्षिकोत्सव के अवसर पर प्रतिवर्ष होने वाला जागरण का कार्यक्रम इस बार स्थगित रखा गया है। वैसे पूणार्हुति के पश्चात सोमवार की शाम प्रसाद के रूप में भोज का आयोजन किया गया है। जिसमें पूजा समिति के द्वारा निमंत्रण देकर पदाधिकारियों, जनप्रतिनिधियों एवं गणमान्य लोगों को आमंत्रित किया गया है। मौके पर अपर थानाध्यक्ष इंद्रजीत कुमार, एसआई मुकेश कुमार सिंह, कृष्ण कुमार सिंह, मंटू कुमार रजक, सत्येंद्र सिंह, रमेश यादव सहित काफी संख्या में पूजा समिति के सदस्य, पुलिस पदाधिकारी एवं गणमान्य लोग उपस्थित थे।

# दिघवा दुबौली ज्वेलरी दुकान में लगी आग, लाखों की संपत्ति राख

बैकुंठपुर प्रात : किरण संवाददाता

बैकुंठपुर थाने के दिघवा दुबौली बाजार स्थित आशिष ज्वेलर्स दुकान में शनिवार की देर रात आग लगने से करीब पांच लाख रुपए मूल्य की संपत्ति जलकर राख हो गयी। घटना तब हुई जब आभूषण व्यवसाई संतोष प्रसाद सोनी अपनी दुकान बंद कर घर चले गए थे। बिजली के शॉर्ट सर्किट से करीब ग्यारह बजे रात में दुकान से आग की लपटें निकलने लगी। जिस वक्त अगलगी की घटना हुई उस समय बाजार की सभी दुकानें बिलकुल बंद हो चुकी थी। सुनसान माहौल में आसपास के लोग दुकान से आग की लपटें निकलते देख कर आभूषण व्यवसायी को मोबाइल पर सूचना दी। बाजार के अन्य व्यवसायियों ने घंटों प्रयास के बाद आग पर काबू पाने में सफलता पायी लेकिन तब तक सब कुछ जलकर राख हो गया था। अगलगी में जेवरात जलने की सूचना नहीं है। लेकिन डेकोरेशन, दुकान में रखे गए नगदी, कागजात सहित अन्य समान जल गए। देर रात हुई अगलगी से अन्य दुकानदारों में भी अफरा-तफरी मच गयी। आसपास के दो तीन दुकानों के भी बल्ब, ट्यूबलाइट, वायरिंग सहित अन्य सामान जलकर राख हो गए हैं। संयोगवश बाजार की घनी आबादी बीच अगलगी की बडी घटना टल सकी है। वरना पूरा बाजार स्वाहा हो जाता। घटना की सूचना स्थानीय थाने को भी दी गयी। सूचना मिलते ही पुलिस ने बाजार में पहुंचकर मामले की जांच की। सुबह में अगलगी की भयानक दृश्य देखने के लिए लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी थी। अगलगी से दुकान का मकान भी क्षतिग्रस्त हो चुका है।

# बकरीद को लेकर आयोजित हुई शांति समिति की बैठक

भोरे प्रात : किरण संवाददाता

भोरे थाना परिसर में बकरीद पर्व को लेकर शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में सभी पंचायत के जनप्रतिनिधियों के अलावे मुस्लिम धर्म के लोग तथा समाजसेवी शामिल हुए। शांति समिति की बैठक में प्रशासन और पुलिस के अधिकारी मौजूद रहे।

बैठक की अध्यक्षता स्थानीय बीडीओ डॉ संजय कुमार राय ने की। लोगों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि बोर्ड शुरू से ही शांति और सौहार्द का प्रतीक रहा है। त्योहार चाहे हिंदू धर्म के लोगों का हो, चाहे मुस्लिमों का हो। दोनों संप्रदाय के लोग आपसी सौहार्द और शांति के साथ पर्व को मनाते हैं। बकरीद पर सामने आ रहा है उम्मीद है कि इस बार भी लो अपनी शालीनता का परिचय देते हुए इसे संपन्न कराने में सहयोग करेंगे। उन्होंने लोगों से कहा कि कुबार्नी के बाद प्रसाद के तौर पर जो मांस का वितरण किया जाता है। उसे ढंक लिया जाए।

वहीं थानाध्यक्ष सुरेंद्र कुमार यादव ने बताया कि बकरीद के मौके पर प्रतिबंधित मांस का प्रयोग नहीं होना चाहिए। इसके अलावा अगर कहीं से भी कोई अफवाह फैलाते पाया जाता है, तो उसके खिलाफ कठोर से कठोर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। इस बैठक में मुख्य रूप से एसआई पप्पू कुमार, एएसआई आशुतोष कुमार, सीओ चंद्रभानु कुमार, मोहन कुमार सिंह, शाह आलम, कमलेश प्रसाद, मुखिया प्रतिनिधि विजय कुमार तिवारी, जितेंद्र कुमार मिश्र, पप्पू मिश्रा आदि लोग थे।

# बूथ सबसे मजबूत कार्यक्रम को संबोधित करेंगे पीएम

प्रात : किरण संवाददाता

छपरा। रविवार को देश के सभी 543 लोकसभा क्षेत्र का 2500 सौ कार्यकताओं से सीधा संवाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अपना बूथ सबसे मजबूत कार्यक्रम भोपाल में संबोधित करेंगे। इस कार्यक्रम को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी देश के 10 लाख बूथ पर एलइडी के माध्यम से संवाद से जुड़ेंगे। उसके बाद सभी कार्यकर्ता 5 राज्य में जहाँ जहाँ चुनाव होनी है जैसे मध्य प्रदेश ,राजस्थान, छतीसगढ़ ,तेलंगाना एवं मणिपुर में एक सप्ताह तक सन्गठन का कार्य विस्तारक के रूप में कार्य करेंगे।

भाजपा के रास्ट्रीय अध्यक्ष जे पी नड्डा जी ने मिशन 2024 की तैयारी पूरे देश स्तर पर शुरू कर दिया है। इस कार्यक्रम में सारण लोकसभा एवं महाराज लोकसभा के कार्यकताओं को पटना जंक्शन पर सुबिधा एक्सप्रेस सुपर फास्ट 01 रू05 बजे दोपहर में छपरा के विधायक डॉ सी एनं गुप्ता ने पार्टी के झंडा दिखाकर रवाना किया। छपरा विधायक डॉ सी एन गुप्ता ने कहा कि भाजपा ही एक ऐसी पार्टी है जो अपने कार्यककर्ताओ के बदौलत ही आज विश्व की सबसे कार्यककर्ता के पार्टी है इसी दल में कार्यकर्ता को देव तुल्य का उपाधि दिया गया । भाजपा में किसी भी कार्यकताओं को संगठन की जिम्मेवारी एवं पार्टी का टिकट दिया जाता है। नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में देश अग्रसर है,। विधायक ने कहा कि जो कार्यककर्ता कार्यक्रम के लिये आज सारण एवं महराजगंज के कार्यकर्ता पटना से सुविधा ट्रेन से भोपाल जा रहे है उनको शुभकामनाएं देता हूं। भोपाल जाने वालों में मुख्य रूप से सारण जिला भाजपा के मुख्य प्रवक्ता एवं छपरा विधानसभा संयोजक धर्मेन्द्र सिंह चैहान,जिला मीडिया प्रभारी संजय सिंह जिला, गरखा के जिला परिषद के प्रतिनिधि भाजपा नेता अजय मांझी सोसल मीडिया निशांत राज,आई सेल मुन्ना सिंह,कुशवाहा,छपरा नगर पूर्व मण्डल अध्यक्ष सुशील सिंह, जिला मीडिया प्रभारी,मांझी के पूर्व मंडल अध्यक्ष मनोज प्रसाद, बनियापुर मण्डल महामंत्री दीपू चतुवेर्दी, तरैया से प्रिंस कुमार, बनियापुर संयोजक नीतीश कुशवाहा, राकेश कुमार महंत,अनिल राम, शिवम कुमार भोपाल के लिये रवाना हुए। टीम का कलस्टर जिला मीडिया प्रभारी संजय सिंह है। भाजपा मुख्य प्रवक्ता धर्मेन्द्र सिंह चैहान ने कहा कि बिहार से 40 लोकसभा से 278 कार्यकर्ता भोपाल के कार्यक्रम में शामिल होंगे । एवं हम सभी कार्यक्रम 10 दिन से ज्यादा विस्तारक के रूप में संगठन का कार्य करेंगे।टीम को झंडा दिखाने वालो में छपरा नगर अध्यक्ष राजेश फैशन भी मौजूद थे।

# अपहृत अपने गांव पहुंचा तो उसे देखने के लिए दरवाजे पर उमड़ी लोगों की भीड़

प्रात : किरण संवाददाता

छपरा। मांझी थाना क्षेत्र के कदमकुआं पटना से बरामद होने के बाद अपने पिता डॉ. रुस्तम अली व मांझी थानाध्यक्ष अशोक कुमार दास के साथ अपहृत फरहान अली जब अपने गांव चेंफुल पहुंचा तो उसे देखने के लिए दरवाजे पर लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी। अपहरणकताओं के दहशत से 7 वर्षीय फरहान अली अभी भी कुछ भी बताने की स्थिति में नही था। पत्रकारों से बातचीत करते हुए डॉ. रुस्तम अली ने बताया कि अपहरणकर्ता ने उसे ले जाकर कदमकुआं स्थित अपने फ्लैट में रखा था।

उन्होंने मांझी थानाध्यक्ष अशोक कुमार दास के प्रति आभार प्रकट करते हुए बताया कि उनके प्रयास से और कदमकुआं थाना पुलिस के सहयोग से उनके पुत्र को सकुशल बरामद कर लिया गया। पुलिस ने अपहरण के आरोप में हमारे पड़ोस में करीब एक माह से रह रहे रिश्ते में भगिना जीसान और कदमकुआं से मौके पर मौजूद दो अपहरणकताओं को भी गिरफ्तार कर लिया। उन्होंने बताया कि पुलिस के द्वारा बरामद किए जाने के बाद पूरी तरह से डरे-सहमे फरहान ने जब मुझे देखा तो आकर गले से लग कर चिपक गया। उसके बाद हम दोनों की आंखे भर आयी। अपहरणकताओं के द्वारा मेरे पुत्र को टार्चर किया गया है। चुप रहने के लिए उसके साथ मारपीट करते हुए गला दबाने का भी प्रयास किया गया। यह बताते हुए उनकी आंखें छलक आयी। बच्चे की सकुशल बरामदगी में मांझी थानाध्यक्ष के द्वारा दिखाई गई तत्परता को लेकर पूर्व मुखिया व जदयू के मांझी प्रखण्ड अध्यक्ष अख्तर अली समेत क्षेत्र के बड़ी संख्या में लोगों ने उनकी सराहना की है। बता दें कि चेंफुल गांव निवासी सुप्रसिद्ध देसी चिकित्सक डॉ. रुस्तम अली के सात वर्षीय पुत्र फरहान अली का शनिवार की सुबह अपहरण कर लिया था। अपने दरवाजे पर खेलने के दौरान पड़ोस में रहने वाले फरहान के रिश्ते का फुफेरा भाई जीसान अली उसे बहला फुसलाकर अपनी स्कूटर पर बिठाकर एकमा ले गया था। जहां कदमकुआं पटना के रहने वाले दो अपहताओं के हवाले कर दिया। उसके बाद मांझी पुलिस ने एकमा के रास्ते मे लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज के आधार पर पहले जीसान अली को हिरासत में ले लिया तथा बाद में उसकी निशानदेही पर माँझी थाना पुलिस तथा अगम कुंआ थाना पुलिस ने संयुक्त रूप से छापेमारी कर महज दस घण्टे के भीतर चिकित्सक पुत्र को सकुशल बरामद कर लिया था।

# अल्पसंख्यक समाज की तरक्की को ले नीतीश कुमार ने बहुत कुछ किया : सलीम परवेज

प्रात : किरण संवाददाता

छपरा। सूबे के मुखिया नीतीश कुमार ने अल्पसंख्यक समाज के लिए बहुत कुछ किया है, मुस्लिम समाज का असली रहनुमा नीतीश कुमार हैं, हम सेभी का फर्ज बनता है कि नीतीश कु मार के हाथों को मजबूत करें, ताकि भारतीय जनता पार्टी को केंद्र की सरकार से बाहर का रास्ता दिखाया जा सके स उक्त बातें बिहार विधान परिषद के पूर्व उपसभापति सह बिहार प्रदेश अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ जदयू के अध्यक्ष सलीम परवेज ने रविवार को स्थानीय परिसदन में जिला अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ जदयू द्वारा सदस्यता अभियान को लेकर आयोजित समीक्षा बैठक को संबोधित करते हुए कही स समीक्षा बैठक को संबोधित करते हुए सलीम परवेज ने कहा कि संगठन कार्यकताओं की रीढ़ होती है, नीतीश कुमार ने मुस्लिम समुदाय की तरक्की के लिए जो कुछ किया है और जो इज्जत दी है, उसका मदद करना हम सभी का दायित्व बनता है स समीक्षा बैठक को संबोधित करते हुए प्रदेश अध्यक्ष सलीम परवेज ने कहा कि बिहार में अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ रिकॉर्ड सदस्य बनाया है, इससे पहले अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ में इतनी बड़ी तादाद में सदस्य नहीं बनाया गया था स उन्होंने उपस्थित कार्यकताओं से पंचायत स्तर पर संगठन को मजबूती के लिए आह्वान करते हुए कहा कि इसके लिए हम सभी को सजग रहने की जरूरत है स अपने संबोधन में विपक्षी एकता पर चर्चा करते हुए कहा कि नीतीश कुमार ने विपक्ष की मुहिम को एक करने में कामयाब की ओर बढ़ रहे हैं स सूबे के मुखिया और संपूर्ण व विपक्ष का एक ही मकसद है कि केंद्र सरकार को सत्ता से बाहर करना है स सलीम परवेज ने अपने संबोधित में कहा कि लोकसभा चुनाव करीब है, ऐसी परिस्थिति में कार्यकर्ता संगठन में अधिक से अधिक लोगों को जोड़कर मजबूत करने की जरूरत है।

# भूमि विवाद में अधेड़ की भाला गोदकर निर्मम हत्या

प्रात : किरण संवाददाता

विजयीपुर। विजयीपुर थाने के कुर्थियां गांव में एक अधेड की भाला गोदकर निर्मम हत्या कर दिए जाने का मामला सामने आया है। मृतक कुर्थिया गांव का 42 वर्षीय धनश्याम उर्फ भोला मिश्रा बताया गया है। सूचना पाकर पंहुची पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर अंत्यपरीक्षण के लिए सदर अस्पताल भेज दिया। वही पुलिस ने त्वरित कारवाई करते हुए घटना में शामिल बीरबल यादव और संजय यादव को गिरफ्तार कर लिया है। बताया जाता है कि मृतक घनश्याम मिश्रा के दादा रामलगन राय के नाम गांव के समीप लगभग 7 बीघा जमीन बंदोबस्त थी। वर्षा के दिनों में आधे से अधिक हिस्से में पानी जमा रहने के कारण मत्स्य विभाग के लोग मछली पालन करते थे। मत्स्य विभाग के आवेदकों से अक्सर कहां सुनी होती थी। इधर संवेदकों से सांठगांठ कर बीरबल यादव मछली मारने और बेचने का कार्य करता था। उसी जमीन के हिस्से में बीरबल यादव के द्वारा भी जबरदस्ती जमीन दखल किया गया था। इसी विवाद को लेकर दोनों पक्ष अंचल पदाधिकारी तथा पुलिस प्रशासन को आवेदन भी दिए थे। इधर कुछ दिन पूर्व बीरबल यादव के द्वारा घनश्याम मिश्र को धमकी दी गयी थी कि जमीन पर जाओगे तो तुम्हारी हत्या कर दी जाएगी। धमकी के बाद से डरे सहमे घनश्याम मिश्रा ने आवेदन देकर अपनी सुरक्षा के लिए पुलिस प्रशासन से गुहार लगाई थी। अगर समय रहते प्रशासन में सज्ञान लिया होता तो घटना टाली जा सकती थी। वही रविवार की सुबह घनश्याम और उनके बड़े भाई मंटू मिश्र अपनी बंदोबस्ती जमीन पर बांध बांध रहे थे। इसी दौरान बीरबल यादव, संजय यादव सहित अन्य लोगों ने भाला, गुप्ती, हॉकी और लाठी से हमला बोल दिया। इसी बीच बीरबल यादव ने घनश्याम मिश्र के पेट में भाला घोंप दिया। जिससे उनकी घटनास्थल पर ही मौत हो गयी। वही उनके बड़े भाई मंटू मिश्रा को बेहतर इलाज के लिए सदर अस्पताल रेफर कर दिया गया है। सूचना पाकर हथुआ एसडीपीओ अनुराग कुमार, पुलिस इंस्पेक्टर ललन कुमार तथा विजयीपुर पुलिस घटनास्थल पर कैंप कर रही है।

# 2737 बोतल शराब के साथ बोलेरो, बुलेट सहित तीन बाइक जब्त

भोरे प्रात : किरण संवाददाता

अवैध शराब के खिलाफ भोरे पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए दो अलग-अलग जगहों से 2737 बोतल शराब बरामद किया। इस कार्रवाई के दौरान जहां पांच लोगों को गिरफ्तार किया गया, तो वहीं दो लोग पुलिस को चकमा देकर फरार भी हो गए। पुलिस को इस दौरान एक बोलेरो, एक बुलेट और दो बाइक भी मिला है।

गिरफ्तार लोगों के खिलाफ उत्पाद अधिनियम के तहत प्राथमिकी दर्ज कर उन्हें जेल भेज दिया गया है। पुलिस ने पहली कार्रवाई जगतौली ओपी के पास की। जहां तीन अलग-अलग बाइक पर सवार होकर जा रहे लोगों को पकड़ा गया। पकड़े गए लोगों में यूपी के श्रीरामपुर थाना के चकिया कोठी के अजीत कुमार जिनके पास से एक बुलेट बाइक, भोरे थाना क्षेत्र के गोसैसिया गांव के मनोज कुमार और भोलू कुमार शामिल हैं। जिनके पास से दो बाइक बरामद की गई। तीनों के पास से पुलिस ने कुल 172 बोतल शराब बरामद किया। अगली कार्रवाई भोरे चारमुहानी पर की गई। जहां गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने शराब लदी एक बोलेरो गाड़ी को पकड़ लिया। तलाशी लेने पर उसमें से 2565 बोतल शराब बरामद किया गया। इस दौरान पुलिस ने गाड़ी में सवार कटेया थाना क्षेत्र के भोपतपुरा गांव के कृष्णा यादव और अजय कुमार पाल को गिरफ्तार कर लिया। जबकि पुलिस को देख कर भोरे थाना क्षेत्र के भदवही गांव के नागेंद्र यादव और बनकटा के श्रीकांत चैहान शामिल हैं। सभी के खिलाफ उत्पाद अधिनियम के तहत प्राथमिकी दर्ज कर उन्हें जेल भेज दिया गया।

# विधिक जागरूकता शिविर में लोगों को दी गयी कानूनी जानकारी

गोपालगंज प्रात : किरण ब्यूरो

जिला विधिक सेवा प्राधिकार के तत्वावधान में रविवार को सिधवलिया प्रखंड के डुमरिया पंचायत में विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें पैनल अधिवक्ता ओमप्रकाश तिवारी एवं पीएलबी राजन कुमार उपाध्याय की टीम द्वारा उपस्थित आम जनता को लोक अदालत एवं एडीआर सिस्टम के बारे में जानकारी दी गयी।

जागरूकता शिविर में समय समय पर राष्ट्रीय लोक अदालत, मोबाइल लोक अदालत, विशेष लोक अदालत का आयोजन कर विभिन्न प्रकृति के सुलहनीय अपराधिक वादों एवम पूर्व वादों का आपसी सुलह समझौता के आधार पर निष्पादन कराना आदि के बारे में विस्तार पूर्वक बताया गया। साथ ही साथ जिला विधिक सेवा प्राधिकार गोपालगंज द्वारा मुफ्त विधिक सहायता उपलब्ध कराना, मध्यस्था के माध्यम से विभिन्न प्रकृति के वादों में प्रशिक्षित मध्यस्थो के द्वारा मध्यस्था कराना, मुफ्त विधिक सहायता के अंतर्गत समाज के पिछड़े, वंचित, शोषित व्यक्तियों, महिलाओं, कैदियों आदि को मुफ्त में अधिवक्ता उपलब्ध कराकर उनके वादों में पैरवी कराना आदि विभिन्न विषयों पर विस्तृत प्रकाश डाला गया। कार्यक्रम में डुमरिया पंचायत के मुखिया, सरपंच, वार्ड सदस्य, न्याय मित्र, पंच, सहित ग्रामीण जनता उपस्थित हुए। कार्यक्रम में उपस्थित आम जनता के बीच हैंडव्हील वितरित किया गया।

# बड़हरा में संदिग्ध अवस्था में बच्चे की मौत, यूडी केस दर्ज

भोरे प्रात : किरण संवाददाता

भोरे थाना क्षेत्र के बड़हरा गांव के सरेह से रविवार की सुबह एक 10 वर्षीय बच्चे का शव बरामद किया गया। ग्रामीणों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। वहीं घटना के बाद मृतक के परिजनों के बयान के आधार पर यूडी केस दर्ज किया गया है। बताया जाता है कि बड़हरा गांव के सरेह की तरफ रविवार की सुबह कुछ लोग शौच के लिए निकले थे। बीच में एक जगह पर थोड़ा पानी जमा था। जहां औंधे मुंह एक बच्चे का शव गिरा हुआ था। आसपास कुछ लोगों के कदमों के निशान भी थे। यह देखकर लोगों ने भोरे पुलिस को इसकी सूचना दी। मौके पर पहुंचे थानाध्यक्ष सुरेंद्र कुमार यादव ने शव को बरामद कर लिया और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। शव की पहचान बड़हरा गांव के हमीद मियां के 10 वर्षीय पुत्र अमीर अंसारी के रूप में की गई है। बताया जा रहा है कि अमीर अंसारी थोड़ा मंदबुद्धि का लड़का था, जो शनिवार की शाम से ही अपने घर से गायब था। परिजन काफी खोजबीन कर रहे थे। जिसका शव सरेह में बरामद किया गया। बच्चे के शरीर पर किसी भी प्रकार के कोई चोट के निशान नहीं पाए गए हैं। वहीं मृत बच्चे के पिता हामिद अंसारी ने किसी पर भी कोई शक नहीं जताया है। जिसे लेकर थाने में यूडी केस दर्ज कर लिया गया है।

# प्रखंड कमिटी की बैठक मे विभिन्न मुद्दे पर हुई चर्चा

छपरा। पानापुर में रविवार को भाकपा माले पानापुर पार्टी एरिया कमिटी की बैठक ग्राम-भोरहां में प्रखंड सचिव नागेंद्र प्रसाद के अध्यक्षता में हुई। जिसमे पार्टी मजबूती हेतु सर्वसम्ति से पानापुर प्रखंड के प्रत्येक पंचायत में 100 पार्टी सदस्यों को पार्टी से जोड़ने का लक्ष्य रखा गया।

बैठक को संबोधित करते हुए जिला सचिव सभा राय ने कहा भाजपा के उन्माद-उत्पाद की राजनीति को परास्त करने के लिए लोगो से भाकपा माले को मजबूत करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि जब से भाजपा सत्ता में आई है संविधान और लोकतंत्र की धज्जियां उड़ा रही है। पार्टी द्वारा ष्भाजपा भगाओ, लोकतंत्र बचाओष अभियान के तहत भाजपा के काले करतूतों को भी उजागर करने का संकल्प लिया गया।

सम्पादकीय

# सरकार की आमदनी अठन्नी, खर्चा रुपैया

केंद्र सरकार दिन और रात में बिजली का उपयोग करने के लिए अलग-अलग टैरिफ लागू करने की तैयारी कर रही है। बिजली की दरें तय करने के लिए सरकार टाइम आफ डे का अलग रेट निर्धारित करेगी। पीक टाइम पर बिजली की दरें ज्यादा होंगी। और जब पीक अवर्स नहीं होगा, उस समय बिजली की दरें कम की जाएंगी। सरकार का कहना है कि पीक अवर मैं बिजली के रेट ज्यादा होने के कारण लोग बिजली खपत में नियंत्रण करेंगे। जब बिजली की उपलब्धता ज्यादा होगी। और खपत कम होगी, उस समय बिजली उपभोक्ताओं को 20 फीसदी कम दर पर बिजली देने का प्रावधान किया जा रहा है। केंद्रीय बिजली मंत्री आरके सिंह ने यह जानकारी देते हुए बताया कि टीओडी उपक्ताओं के लिए नवीन बिजली प्रणाली फायदे का सौदा होगा। उन्होंने कहा कि पीक आवर, सोलर पावर और सामान्य घंटों के लिए अलग-अलग बिजली के टैरिफ की दरें तैयार की जाएंगी। उन्होंने यह भी कहा कि नए टैरिफ की जागरूकता और प्रभावी बिजली उपयोग के लिए उपभोक्ताओं के बीच में जागरूकता अभियान चलाया जाएगा। 01 अप्रैल 2024 से 1 अप्रैल 2025 के बीच के सभी आम उपभोक्ताओं के लिए पीक अवर्स को छोड़कर अन्य घंटों में लगभग 20 फीसदी की रियायत दी जाएगी। केंद्र सरकार ने बिजली उपभोक्ता अधिकार अधिनियम 2020 में संशोधन कर, बिजली शुल्क प्रणाली में दो बदलाव किए हैं। जिसके अनुसार दिन के समय के शुल्क प्रणाली की शुरूआत और स्मार्ट मीटर से जुड़े प्रावधानों को युक्तिसंगत बनाने के लिए व्यापक स्तर पर बदलाव किए जाएंगे।

पिछले 3 दशक में बिजली सुधार के जो भी कार्यक्रम सरकार ने तैयार किए हैं। वह सभी जमीनी स्तर पर फेल हुए हैं। बिजली चोरी रोकने के लिए इलेक्ट्रॉनिक और स्मार्ट मीटर लगाए गए। इलेक्ट्रॉनिक मीटर लगाए गए, लेकिन बिजली चोरी रुकने के स्थान पर और बढ़ती चली गई। लाइन लास खत्म करने के लिए खुले वायर के स्थान पर प्लास्टिक कोटेड वायर लगाए गए। जिसमें करोड़ों रुपए खर्च हर साल किए गए। इसके बाद भी लाइन लास कम नहीं हुआ। साल दर साल वह बढ़ता ही जा रहा है। अब सरकार दिन और रात में बिजली की दरें अलग-अलग तय करने जा रही है। इसके लिए अलग-अलग मीटर और अलग-अलग टैरिफ के बिल उपभोक्ताओं को देने के लिए बिजली कंपनियां, करोड़ों रुपए अतिरिक्त खर्च करेंगी। बिजली कंपनियों का खर्च इससे काफी बढ़ेगा। जिस तरह के नियम बनाए जा रहे हैं। विद्युत नियामक आयोग, बिजली कंपनियों के द्वारा प्रस्तुत खर्च के आधार पर बिजली की दरें लगातार बढ़ाती जा रही हैं। बिजली कंपनियों को तो नियामक आयोग से लाभ मिल जाता है। लेकिन आम उपभोक्ताओं की कोई भी सुनवाई नियामक आयोग में नहीं होती है। दोहरे टैरिफ का लाभ उपभोक्ताओं को मिलेगा या नहीं। यह तो पता नहीं है, लेकिन बिजली कंपनियां और सरकारी अधिकारी इसके लिए जो प्रावधान करेंगे। उसमें करोड़ों अरबों रुपए जरूर खर्च होंगे। यह अभी तक का अनुभव देखने को मिला है। सरकार जो भी नियम कानून संशोधन करती है। उसके पीछे जो कारण बताए जाते हैं। उसको देखते हुए ऐसा लगता है, कि यह बहुत जरूरी है। लेकिन सरकार ने आज तक यह जानने की कोशिश नहीं की। कि जिन कार्यों के लिए करोड़ों अरबों रुपए खर्च किए गए हैं। उनके परिणाम सार्थक रहे हैं, या नहीं। इलेक्ट्रॉनिक मीटर, स्मार्ट मीटर, एवं विद्युत व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए के नाम पर बिजली कंपनियों द्वारा अरबों रुपए खर्च किए गए। इसकी वसूली उपभोक्ताओं से की गई। बिजली आपूर्ति के लिए समय-समय पर जो भी कार्य किए गए हैं। उनका लाभ उपभोक्ताओं तक नहीं पहुंचा है। उपभोक्ताओं का बिजली का खर्च लगातार बढ़ता ही जा रहा है। समय पर बिजली मिलती नहीं है, बार-बार बिजली ट्रिप हो रही है। लोगों के उपकरण खराब हो रहे हैं। जिसको लेकर बिजली उपभोक्ताओं में लगातार नाराजगी बढ़ रही है। बिजली कंपनियों की कोई जिम्मेदारी नहीं है। केंद्र एवं राज्य सरकारों को फ्री बिजली या विभिन्न समुदायों के लिए बिजली में रियायत देने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। अभी तक का अनुभव यही है। बिजली कंपनियों के खर्चे लगातार बढ़ते जा रहे हैं। उपभोक्ताओं को महंगी बिजली खरीदना पड़ रही है। बिजली कंपनियों द्वारा जो नए नए प्रयोग किए जा रहे है। उसका खामियाजा बिजली उपभोक्ताओं को साल दर साल भुगतना पड़ रहा है। सरकार यदि कोई कानून और नियम बनाती है। तो उसका क्रियान्वयन सही तरीके से हुआ या नहीं। इसकी जिम्मेदारी भी तय की जाने की जरूरत है।

# छात्रों को मिले डिजिटल शिक्षा

डा. वरिंदर भाटिया

स्कूली छात्रों के साथ-साथ सभी उम्र के शिक्षार्थियों के लिए डिजिटल साक्षरता एक आवश्यक कौशल बन चुका है। डिजिटल दुनिया हमें लगातार व्यापक पैमाने पर नई जानकारी को जोडे, सहयोग करने, नवाचार करने और खोजने की अनुमति देती है और सभी शिक्षार्थियों को अपनी शैक्षिक यात्रा की शुरूआत से ही प्रभावी रूप से प्रौद्योगिकी का उपयोग करने में सक्षम होना चाहिए। पिछले बीस-तीस वर्षों में दुनिया कितनी बदल गई है, यह बताने की आवश्यकता नहीं है और अगले कुछ वर्षों में यह कितनी बदल जाएगी, इसकी कल्पना भी नहीं की जा सकती। हम जितनी तेजी से डिजिटल आउटडेटिड होते जा रहे हैं, यह हमारी सोच से परे है, पर हम जितने अपडेटेड रहेंगे उतने ज्यादा समय तक यहां टिके रहेंगे। आज की तेज-तर्रार और तकनीक से चलने वाली दुनिया में सही डिजिटल स्किल होना पहले से कहीं अधिक महत्त्वपूर्ण हो गया है। आज डिजिटल रूप से कुशल व्यक्तियों की मांग बढ़ती जा रही है और जो छात्र इन मांग वाले स्किल्स से खुद को लैस करते हैं, उन्हें नौकरी के बाजार में महत्त्वपूर्ण लाभ होता है। स्कूल शिक्षा में डिजिटल शिक्षा का पुट मजबूत किए जाने की जरूरत है। इनमें से कुछ स्किल्स का जिक्र करते हैं : सबसे पहले है सर्च इंजन ऑप्टिमाइजेशन या एसईओ, जो कि एक फंडामेंटल स्किल है जो गूगल जैसे सर्च इंजनों पर वेबसाइट की दृश्यता बढ़ाने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाता है। जो छात्र एसईओ की पेचीदगियों को समझते हैं, वे व्यवसायों को उनकी ऑनलाइन उपस्थिति में सुधार करने, ऑर्गेनिक ट्रैफिक को आकर्षित करने और अधिक लीड उत्पन्न करने में मदद कर सकते हैं।

की-वर्ड रिसर्च, ऑन-पेज ऑप्टिमाइजेशन और लिंक बिल्डिंग रणनीतियों की कला में महारत हासिल करके छात्र अपने डिजिटल मार्केटिंग प्रयासों को बढ़ाने की मांग करने वाली कंपनियों के लिए खुद को मूल्यवान संपत्ति के रूप में स्थापित कर सकते हैं। दूसरे स्थान पर है कंटेंट मार्केटिंग। कंटेंट किसी भी सफल ऑनलाइन मार्केटिंग रणनीति की रीढ़ है। कंटेंट मार्केटिंग में कुशल छात्र आकर्षक, मूल्यवान और प्रासंगिक सामग्री बना सकते हैं जो लक्षित दर्शकों के साथ प्रतिध्वनित होती है। सम्मोहक ब्लॉग पोस्ट तैयार करने से लेकर सूचनात्मक वीडियो विकसित करने और सोशल मीडिया अभियानों को उलझाने तक, कंटेंट मार्केटिंग प्रोफेशनल के पास ब्रांड जागरूकता बढ़ाने, ग्राहक जुड़ाव बढ़ाने और रूपांतरण बढ़ाने की शक्ति है। इसके बाद डेटा अनालिस्ट का क्षेत्र है। डेटा का विश्लेषण और व्याख्या करने की क्षमता आज की डेटा-संचालित दुनिया में अत्यधिक मांग वाली स्किल है। डेटा एनालिटिक्स में दक्षता रखने वाले छात्र बड़े डेटासेट से सार्थक अंतर्दृष्टि निकाल सकते हैं, प्रवृत्तियों की पहचान कर सकते हैं और सूचित व्यावसायिक निर्णय ले सकते हैं। गूगल एनालिटिक्स और डेटा विजुअलाइजेशन प्लेटफॉर्म जैसे टूल में अपनी विशेषज्ञता के साथ, ये व्यक्ति संगठनों को उनकी डिजिटल रणनीतियों को अनुकूलित करने और समग्र प्रदर्शन में सुधार करने में सहायता कर सकते हैं। सोशल मीडिया मार्केटिंग का फोल्ड भी डिमांड में है। सोशल मीडिया ने व्यवसायों के अपने ग्राहकों के साथ बातचीत करने के तरीके को बदल दिया है। जिन छात्रों को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म, ऑडियंस टारगेटिंग और एंगेजमेंट तकनीकों की ठोस समझ है, वे कंपनियों के लिए एक मजबूत सोशल मीडिया उपस्थिति बना सकते हैं। प्रभावी सोशल मीडिया मार्केटिंग रणनीतियों को विकसित करके, ये व्यक्ति ब्रांड जागरूकता बढ़ा सकते हैं, ग्राहक वफादारी को बढ़ावा दे सकते हैं और लीड उत्पन्न कर सकते हैं। अंततः व्यवसाय के विकास में योगदान दे सकते हैं। इसके बाद है यूएक्स डिजाइन, डिजिटल परिदृश्य में, उपयोगकर्ता अनुभव ग्राहकों को आकर्षित करने और बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यूएक्स डिजाइन में कुशल छात्र सहज, उपयोगकर्ता के अनुकूल इंटरफेस बना सकते हैं और समग्र उपयोगकर्ता यात्रा को बढ़ा सकते हैं। उपयोगकर्ता अनुसंधान, प्रोटोटाइप और प्रयोज्य परीक्षण आयोजित करके, ये व्यक्ति व्यवसायों को असाधारण डिजिटल अनुभव बनाने में मदद कर सकते हैं जो उपयोगकर्ताओं पर स्थायी प्रभाव डालते हैं। इसके बाद जिक्र करें तो स्मार्टफोन के उपयोग में तेजी से वृद्धि के साथ मोबाइल एप डेवलपमेंट एक अत्यधिक मूल्यवान कौशल के रूप में उभरा है।

# 26 जून विशेष नशा मुक्ति दिवस : नशा मुक्ति की दिशा में उठे बड़े कदम

**यहां की बहुत बड़ी आबादी नशे की गिरफ्त में आ चुकी है। विशेषकर युवा वर्ग में बढ़ती नशाखोरी की प्रवृत्ति समाज व राष्ट्र के लिए एक बड़ी चिंता का विषय है। नशे की लत के कारण बहुत से नौजवानों का भविष्य बर्बाद हो चुका है।**

**हमारे देश में नशा करने वाले युवा पीढ़ी के लोग अब चरस, हेरोइन, कोकीन, अफीम जैसा खतरनाक नशा करने लगे। देश भर में नशे का सामान बेचने वाले बड़े-बड़े नशा माफिया पनप गए हैं। जो स्कूलों, कॉलेजों में कम उम्र के नौजवानों को नशे का सामान बेचते हैं। घर से बाहर रहकर पढ़ने वाले बहुत से छात्र इन नशा माफियाओं के चंगुल में फंसकर नशे की लत के शिकार हो जाते हैं। जब तक उनके घर वालों को असलियत का पता चलता है तब तक बहुत देर हो चुकी होती है। नशीले पदार्थों के निवारण के लिए प्रत्येक वर्ष 26 जून को अंतरराष्ट्रीय नशा मुक्ति दिवस मनाया जाता हैं। संयुक्त राष्ट्र महासभा ने अपने एक प्रस्ताव में 7 दिसम्बर 1987 से इसे मनाने का निर्णय लिया था।**

रमेश सर्राफ धमोरा
स्वतंत्र लेखक

आज पूरी दुनिया नशे के चंगुल में फंसी हुई है। दुनिया का कोई भी ऐसा देश नहीं है जहां के लोगों को नशे की लत नहीं लगी हो। भारत में तो स्थिति और भी बदतर हो रही है। यहां की बहुत बड़ी आबादी नशे की गिरफ्त में आ चुकी है। विशेषकर युवा वर्ग में बढ़ती नशाखोरी की प्रवृत्ति समाज व राष्ट्र के लिए एक बड़ी चिंता का विषय है। नशे की लत के कारण बहुत से नौजवानों का भविष्य बर्बाद हो चुका है।

हमारे देश में नशा करने वाले युवा पीढ़ी के लोग अब चरस, हेरोइन, कोकीन, अफीम जैसा खतरनाक नशा करने लगे। देश भर में नशे का सामान बेचने वाले बड़े-बड़े नशा माफिया पनप गए हैं। जो स्कूलों, कॉलेजों में कम उम्र के नौजवानों को नशे का सामान बेचते हैं। घर से बाहर रहकर पढ़ने वाले बहुत से छात्र इन नशा माफियाओं के चंगुल में फंसकर नशे की लत के शिकार हो जाते हैं। जब तक उनके घर वालों को असलियत का पता चलता है तब तक बहुत देर हो चुकी होती है।

नशीले पदार्थों के निवारण के लिए प्रत्येक वर्ष 26 जून को अंतरराष्ट्रीय नशा मुक्ति दिवस मनाया जाता हैं। संयुक्त राष्ट्र महासभा ने अपने एक प्रस्ताव में 7 दिसम्बर 1987 से इसे मनाने का निर्णय लिया था। इसका उद्देश्य लोगों को नशे की बुरी आदत से छुटकारा दिलाना तथा उन्हें नशे से होने वाले दुष्प्रभाव से बचाना हैं। यह अच्छी बात है कि इस दिन लोगों को नशे से दूर रहने के लिए प्रेरित किया जाता है। लोगों को सचेत किया जाता है, सावधान किया जाता है। मगर जब तक समाज व सरकार नशे को जड़ से समाप्त करने की दिशा में प्रभावी कार्रवाई नहीं करेगी तब तक नशे का व्यापार फैलता ही रहेगा। भारत में भी सरकार ने विभिन्न प्रकार के नशे के सामान की बिक्री पर रोक लगा रखी है। कई कानून भी बनाए हैं। मगर उन पर प्रभावी अमल नहीं हो पाता है। जिसके चलते खुलेआम नशे का कारोबार होता है।

आज देश में कहीं से कोई भी व्यक्ति नशे का कोई भी सामान खरीद सकता है। उसे न कोई रोकने वाला है न कोई टोकने वाला है। नशे का सामान बेचने वाले सौदागर दिनों दिन धनवान होते जा रहे हैं। जिस कारण से उनका पुलिस व प्रशासन पर पूरा प्रभाव रहता है। जिसकी बदौलत वह शासन, प्रशासन से मिलकर सरेआम धड़ल्ले से अपना धंधा करते रहते हैं। नशे की प्रवृत्ति के खिलाफ हमारा समाज भी जागरुक नहीं है। नशे की लत के चलते पंजाब जैसा संपन्न प्रांत नशेड़ियों का प्रदेश कहलाने लगा था। वैसी ही स्थिति आज देश के अधिकांश प्रदेशों की हो रही है। नशे को लेकर पंजाब जब सुर्खियों में आया तो पूरे देश का ध्यान उस तरफ गया और वहां नशे के कारोबार पर कुछ हद तक अंकुश लग पाया। वैसा ही हमें पूरे देश में करना होगा तभी नशे की तरफ जा रही हमारी युवा पीढ़ी को भटकने से रोका जा सकेगा।

कहते हैं कि नशा हर अपराध की जड़ होता है। नशेड़ी व्यक्ति कोई भी बुरे से बुरा काम करने से नहीं झिझकता सकता है। अधिकांश अपराध नशे की धुन में ही किए जाते हैं। बढ़ते नशे के प्रचलन को रोकने के लिए हमें सरकार के भरोसे ही नहीं रहना होगा। इसके लिए हमें स्वयं भी प्रयास करने होंगे। हमें देखना होगा कि हमारे परिवार का कोई सदस्य तो नशे की तरफ नहीं जा रहा है। यदि ऐसा है तो हमें समय रहते उस को नियंत्रित करना होगा। यदि सभी लोग ऐसा करने लगेंगे तो धीरे-धीरे नशे की प्रवृत्ति कम होती चली जाएगी और एक समय ऐसा आएगा जब हमारा समाज, हमारा क्षेत्र, हमारा प्रदेश, हमारा देश नशा मुक्त बन सकेगा।

ड्रग्स और अपराध पर संयुक्त राष्ट्र कार्यालय (यूएनओडीसी) की विश्व ड्रग रिपोर्ट 2022 का अनुमान है कि दुनिया भर में 15-64 आयु वर्ग के लगभग 28.4 करोड़ लोगों ने मादक पदार्थों (ड्रग्स) का सेवन किया था। यह पिछले दशक की तुलना में 26 प्रतिशत अधिक है। हालांकि वैश्विक स्तर पर मादक पदार्थों का सेवन करने वाली महिलाओं की संख्या कम है। इसके बावजूद महिलाओं में मादक पदार्थों के सेवन में वृद्धि दर पुरुषों की तुलना में अधिक है। अवैध मादक पदार्थों पर निर्भर अर्थव्यवस्थाएं मुख्यतः कमजोर कानून व्यवस्था वाले देशों में फल-फूल सकती हैं। इससे देश में संघर्ष की स्थिति पैदा हो सकती है। मध्य-पूर्व और दक्षिण-पूर्व एशिया में संघर्ष की स्थिति सिंथेटिक मादक पदार्थों के निर्माण के लिए प्रेरक के रूप में कार्य करती है।

कोका की गैरकानूनी खेती के लिए वनों की कटाई की जाती है। इसके अलावा सिंथेटिक मादक पदार्थों के निर्माण के दौरान अत्यधिक मात्रा में अपशिष्ट पैदा होता है। ऐसे अपशिष्ट के कारण प्रत्यक्ष रूप से मृदा, जल और वायु पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। साथ ही इससे अप्रत्यक्ष रूप से सजीव प्राणी और खाद्य श्रृंखलाएं भी प्रभावित होती हैं। इस रिपोर्ट के अनुसार भारत उपभोगकताओं के मामले में दुनिया के सबसे बड़े अफीम बाजारों में से एक है। साथ ही यहां इसकी आपूर्ति बढ़ने की भी संभावना है। इससे गैरकानूनी व्यापार और इससे जुड़े संगठित अपराधों के स्तर में बढ़ोतरी हो सकती है।

रिपोर्ट में यह भी दावा किया गया है कि भारत में युवा इस खतरे से सबसे अधिक प्रभावित हैं। भारत में जब्त की गई सभी अवैध दवाओं में से 60 प्रतिशत से अधिक पंजाब से हैं। एक अध्ययन के अनुसार अधिकांश नशेड़ी 15 से 35 वर्ष की आयु के बीच हैं और कई बेरोजगार हैं। नशीली दवाओं का दुरुपयोग समाज को प्रभावित करने वाला एक गंभीर खतरा है। नशीली दवाओं की लत से अनजाने में चोट लगने, दुर्घटनाएं, घरेलू हिंसा की घटनाएं, चिकित्सा समस्याएं और मृत्यु का उच्च जोखिम होता है। नशीली दवाओं का सेवन करने वालों की आर्थिक क्षमता बुरी तरह प्रभावित होती है। नशीली दवाओं पर निर्भरता से आत्म-सम्मान में भी कमी आती है। निराशा, आपराधिक गतिविधियों और यहां तक कि आत्मघाती प्रवृत्ति को भी जन्म दे सकती है।

भारत में नशीली दवाओं के दुरुपयोग के खिलाफ नशा मुक्त भारत अभियान या ड्रग्स-मुक्त भारत अभियान 15 अगस्त 2020 से देश के उन 272 जिलों में शुरू किया गया था जो नशीली दवाओं के दुरुपयोग से सबसे अधिक असुरक्षित और प्रभावित पाए गए थे। इसका उद्देश्य शिक्षण संस्थानों के साथ सकारात्मक भागीदारी, जन शिक्षा और स्वच्छता के लिए सामुदायिक जागरूकता कार्यक्रमों और उपचार, पुनर्वास और परामर्श सुविधाओं के एकीकरण के द्वारा भारत को एक नशा मुक्त देश बनाना है। भारत ने नशीली दवाओं की समस्याओं को दूर करने के लिए निर्णायक कदम उठाए हैं। हालांकि सरकार के पास व्यापक खाका, प्रतिबद्ध कार्यबल और कई समर्पित कार्यक्रम और नीतियां हैं। बावजूद इसके मौजूदा कार्यक्रमों में और अधिक सुधार करने की जरूरत है।

# अखंड भारत की अंतर्ध्वनि के मध्य सुलगता मणिपुर?

**यहां फैली अराजकता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि कई सेनाधिकारी मणिपुर की तुलना सीरिया, लेबनान व नाइजीरिया जैसे अशांत देशों के हालात से कर रहे हैं। सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी के एक केंद्रीय मंत्री, मणिपुर राज्य की भाजपा सरकार के राज्य मंत्री, भाजपा के कार्यालय और भाजपा विधायकों के घर उपद्रवियों द्वारा आग के हवाले किये जा चुके हैं। खबरों के अनुसार एक हजार से अधिक घर फूंके जा चुके हैं जबकि 30 हजार से भी ज्यादा लोग शरणार्थी शिविरों में रहने को मजबूर हो चुके हैं। स्थानीय मैतीय व जनजातीय कुकी समुदाय के बीच एसटी का दर्जा दिए जाने को लेकर आये एक अदालती फैसले के बाद छिड़ी हिंसा इस स्तर तक पहुँच गयी कि वहां सत्ता से लेकर शासन प्रशासन, पुलिस आदि सभी जगहों पर जातीय स्तर पर विभाजन की रेखायें खिंच गयी हैं। खबरें तो यहाँ तक हैं कि सुरक्षा बलों व पुलिस ने अपनी अपनी जातियों के लोगों को संवेदनशील हथियार तक बाँट दिए हैं। कुछ चतुर राजनीतिज्ञ व विश्लेषक इस हिंसा को हिन्दू व ईसाई संघर्ष के रूप में भी परभाषित कर रहे हैं।**

तनवीर जाफरी
लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं

उविगत लगभग दो महीने से भारत का प्रमुख पुर्वोत्तरीय सीमावर्ती राज्य मणिपुर हिंसा की अभूतपूर्व आग में जल रहा है। यहां फैली अराजकता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि कई सेनाधिकारी मणिपुर की तुलना सीरिया, लेबनान व नाइजीरिया जैसे अशांत देशों के हालात से कर रहे हैं। सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी के एक केंद्रीय मंत्री, मणिपुर राज्य की भाजपा सरकार के राज्य मंत्री, भाजपा के कार्यालय और भाजपा विधायकों के घर उपद्रवियों द्वारा आग के हवाले किये जा चुके हैं। खबरों के अनुसार एक हजार से अधिक घर फूंके जा चुके हैं जबकि 30 हजार से भी ज्यादा लोग शरणार्थी शिविरों में रहने को मजबूर हो चुके हैं। स्थानीय मैतीय व जनजातीय कुकी समुदाय के बीच एसटी का दर्जा दिए जाने को लेकर आये एक अदालती फैसले के बाद छिड़ी हिंसा इस स्तर तक पहुँच गयी कि वहां सत्ता से लेकर शासन प्रशासन, पुलिस आदि सभी जगहों पर जातीय स्तर पर विभाजन की रेखायें खिंच गयी हैं। खबरें तो यहाँ तक हैं कि सुरक्षा बलों व पुलिस ने अपनी अपनी जातियों के लोगों को संवेदनशील हथियार तक बाँट दिए हैं। कुछ चतुर राजनीतिज्ञ व विश्लेषक इस हिंसा को हिन्दू व ईसाई संघर्ष के रूप में भी परभाषित कर रहे हैं और ईसाई मिशनरी द्वारा कथित तौर पर कराये जाने वाले धर्मांतरण को इस हिंसा का कारण बता रहे हैं। और इस तरह का विश्लेषण करने वाले लोग एक बार फिर पंडित नेहरू को वर्तमान मणिपुर संकट का जिम्मेदार बताने की कोशिश में भी जुट गए हैं। बहरहाल चीन व म्यांमार जैसे देशों के सीमावर्ती इस अशांत राज्य में अब तक दो सौ से अधिक लोगों के मारे जाने व तीन हजार से ज्यादा लोगों के जख़्मी होने का भी समाचार है।

परन्तु मणिपुर में तो डबल इंजन की सरकार है? केंद्र व राज्य दोनों ही जगह भारतीय जनता पार्टी सत्तारूढ़ है? भाजपा तो स्वयं राज्य के विकास के लिये ह्यडबल इंजन ह्य की सरकार यहाँ तक कि भाजपा स्थानीय स्वायत शासन, जिला परिषद् व नगर निगम /पालिकाओं के चुनाव में ट्रिपल इंजन की सरकार बनाने की अपील जनता से यही बताकर करती है कि एक ही पार्टी की सरकारों से विकास होगा, कानून व्यवस्था सुधरेगी आम लोगों की सभी जरूरतें पूरी होंगी आदि। फिर क्या वजह है कि मणिपुर इतना जलने लगा कि उस की तुलना सीरिया, लेबनान व नाइजीरिया जैसे देशों के हालात से की जाने लगी? पिछले दिनों प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मणिपुर को जलता हुआ छोड़कर अमेरिका का दौरा किया। वहां संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में उन्होंने अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर योग के द्वारा विश्वशांति स्थापित करने की बात की। प्रधानमंत्री द्वारा विश्वशांति की बातें करने से पहले क्या अपने ही देश के राज्य मणिपुर में शांति की अपील जरूरी नहीं थी? गौरतलब है कि 10 जून से ही भाजपा सहित राज्य के सभी विपक्षी दलों के नेता प्रधानमंत्री से मणिपुर के हालात पर चर्चा करने हेतु उनसे मिलने का समय मांग रहे थे। परन्तु वह बिना किसी से मिले व मणिपुर के लिये कोई सन्देश दिये बिना ही मणिपुर को जलता छोड़ अपनी अमेरिका यात्रा पर चले गये।

यह भी देखा गया है कि यदि ऑस्ट्रेलिया अथवा कनाडा में किसी मंदिर पर हमले के खबर आती है तो सरकार की ओर से अपना विरोध दर्ज कराया जाता है। इसी वर्ष मार्च में जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ऑस्ट्रेलिया के दौरे पर थे तो उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथोनी अल्बानीज के साथ हुई अपनी द्विपक्षीय वार्ता के दौरान ऑस्ट्रेलिया में गत दिनों हिंदू मंदिरों पर हुए हमले का मुद्दा उठाया था। पीएम मोदी ने स्वयं कहा था कि - मैंने ऑस्ट्रेलिया में मंदिरों पर हमले की रिपोर्ट देखी है। मैंने इस मुद्दे को प्रधानमंत्री अल्बानीज के सामने उठाया। उन्होंने मुझे भरोसा दिलाया है कि ऑस्ट्रेलिया में भारतीय समुदाय की सुरक्षा और भलाई उनकी प्राथमिकता है।

ऐसे में मणिपुर के लोगों का यह सवाल क्या स्वाभाविक नहीं कि जब भारतीय राज्य मणिपुर में कथित तौर पर 600 से अधिक चर्च व मंदिर जलाये व तोड़े जा चुके हों इन हालात में क्या प्रधानमंत्री द्वारा राज्य के मुख्यमंत्री को तलब नहीं करना चाहिये? क्या उन्हें राज्य की जनता से शांति की अपील नहीं करनी चाहिये? कितना दुखद है कि राज्य में हिंसा शुरू होने के 26 दिनों बाद गृह मंत्री द्वारा राज्य का दौरा किया गया। वे वहाँ तीन दिन रुके भी। परन्तु स्थिति नियंत्रित होने के बजाये हिंसा और भी बढ़ गयी। पूरा राज्य बंद, ब्लॉकेड, प्रदर्शन, भीड़ तंत्र, आगजनी, लूट, हिंसा व रक्तपात की भेंट चढ़ गया।

मणिपुर में जारी इसी हिंसा के दौरान गत 18 जून को प्रधानमंत्री ने जनता से इकतरफा संवाद का अपना कार्यक्रम मन की बात पेश किया। मणिपुर में कई जगहों पर प्रदर्शनकारियों ने इस अवसर पर ह्यमन की बात प्रसारित करते हुये सैकड़ों ट्रांजिस्टर, रेडिओ व मोबाइल को सड़कों पर तोड़ कर प्रधानमंत्री के पसंदीदा कार्यक्रम मन की बात के प्रति अपना रोष जताया। उधर प्रधानमंत्री ने भी मन की बात में मणिपुर हिंसा का कोई जिक्र करना या मणिपुर की जनता से शांति की अपील करना तक मुनासिब नहीं समझा। जबकि कांग्रेस नेता सोनिया गाँधी व राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के नेताओं द्वारा राज्य की जनता से शांति की अपील भी की गयी।

मणिपुर की डबल इंजन की सरकार के मुखिया भाजपा नेता मुख्यमंत्री बीरेन सिंह स्वयं यह स्वीकार कह चुके हैं कि राज्य में फैली हिंसा इंटेलिजेंस व सुरक्षा एजेंसियों की नाकामी का परिणाम है। परन्तु मुख्यमंत्री की इस स्वीकारोक्ति के बावजूद केंद्र सरकार राज्य की सरकार को बर्खास्त करने व राष्ट्रपति शासन लगाने में अपनी तौहीन समझ रही है। हां गृह मंत्री अमितशाह ने गत 24 जून को मणिपुर के विषय पर एक सर्वदलीय बैठक जरूर बुलाई। इस बैठक में जहां सरकार की ओर से उठाए गये कदमों की जानकारी दी गयी वहीं विपक्षी दलों ने यह मांग की कि मणिपुर के वास्तविक हालात को समझने के लिये एक सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल मणिपुर भेजा जाना चाहिए।

इन परिस्थितियों में यह सवाल भी स्वभाविक है कि यदि यही स्थिति बंगाल में होती तो क्या केंद्र सरकार ममता बनर्जी को चैन से बैठने देती? जोकि राज्य के पंचायत चुनावों पर राजभवन के माध्यम से पूरी निगरानी रख रही है? यदि इसी तरह सरकारी शस्त्र कश्मीर, केरल या बंगाल में उपद्रवियों के हाथ लग गये होते तो सरकार सहित इस समय जलते मणिपुर पर चुप्पी साधे बैठा देश का ह्यगोदी मीडियाह्न कितना विलाप कर रहा होता? दरअसल मणिपुर की हिंसा मैतेई और कुकी समुदायों की जंग नहीं बल्कि भाजपा की नीतियों व मुख्यमंत्री की नाकामियों का परिणाम है। कहीं ऐसा न हो कि यह हिंसा राज्य के नागा व दूसरे समुदायों में व शेष पूर्वोत्तर राज्यों में न फैल जाये। यदि केवल सत्ता के लिए यहां भी बहुसंख्यवाद का खेल खेलने की कोशिश की जा रही है तो यह इस सीमावर्ती राज्य के लिये ही नहीं बल्कि पूरे पूर्वोत्तर के लिये खतरनाक साबित होगा। सरकार की पहली जिम्मेदारी है कि राज्य में परस्पर विश्वास बहाली स्थापित करे, राज्य से लगती सभी सीमाओं को सील करे। लोगों को निःशस्त्र करे और लूटे व बांटे गये हथियारों को वापस ले। राज्य की सरकार को बर्खास्त कर राष्ट्रपति शासन लगाये और कानून व्यवस्था सेना के हवाले करे। और यह स्वीकार करे कि उसका डबल इंजन फामूर्ला पूरी तरह फेल साबित हुआ है। अन्यथा देश में सुनाई दे रही अखंड भारत की अंतर्ध्वनि के मध्य सुलगता हुआ मणिपुर सरकार की मंशा और उसकी हकीकत को साफ परिलक्षित कर रहा है।

# केंद्र सरकार की संजीदगी, बच्चियों की खुशहाल होती जिंदगी

डॉ. निवेदिता शर्मा

आधुनिक भारत में स्त्री शिक्षा के लिए नई शुरूआत महाराष्ट्र से सावित्री बाई फुले ने 19वीं सदी में आरंभ की थी। 1848 में उन्होंने बालिकाओं के लिए एक विद्यालय की स्थापना की थी। आधुनिक भारत के उस पहले खोले गए बालिका विद्यालय से लेकर आज तक देश भर में हजारों नहीं लाखों विद्यालय खुल चुक हैं। समय भी जैसे पंख लगाकर उड़ता रहा और देखते ही देखते 175 वर्ष भी बीत गए। पीढ़ियां गुजरने का अनुमान लगाएं तो इस बीच सात पीढ़ियों का नवागमन हुआ, किंतु इसके बाद भी वर्तमान समय में स्त्री शिक्षा एक बड़ा विषय बनी हुई है। क्योंकि वह अभी भी पुरुष साक्षरता की तुलना में पीछे ही हैं।

देश में अनेक स्थानों पर पाया गया है कि बेटियां 12वीं ही नहीं पास कर पाती हैं। कहीं, आर्थिक संसाधन रोड़ा हैं, कहीं स्कूल की दूरी और कहीं माता-पिता का रोजगार के लिए पलायन करते रहने की मजबूरी, किंतु इन सभी कारणों से यदि कोई सबसे अधिक प्रभावित होता है तो वे हैं बच्चे। इसमें भी एक बेटी शिक्षित होना क्यों जरूरी है? वास्तव में इसकी गहराई को हम सभी को समझने की आवश्यकता है। किसी भी देश की लगभग आधी जनसंख्या महिलाओं की होती है और यदि इस आधी आबादी को निरक्षर या अशिक्षित छोड़ दिया जाए तो उस देश की प्रगति क्या और कैसी होगी यह अंदाजा सहज लगाया जा सकता है।

इस विषय से संबंधित अब तक हुए सभी शोधों का निष्कर्ष एक ही है कि किसी भी परिवार में स्त्री के शिक्षित होने से संपूर्ण परिवेश बदल जाता है, परिवार में अच्छे गुणों का विकास होता है, बच्चों को छोटी-छोटी जानकारियों के लिए किसी अन्य पर निर्भर नहीं रहना होता। पिता के पास में नहीं होने की स्थिति में मां एक गुरु की भांति उसकी समस्त जिज्ञासाओं को शांत कर देती है। संभवतः यही कारण है कि एक बच्चे के लिए उसकी मां को उसके जीवन में प्रथम गुरु का स्थान परंपरा से दिया जाता रहा है। वैसे भी बच्चे किसी भी परिवार में पिता की तुलना में मां के पास ही ज्यादा रहते हैं, इसलिए भी एक स्त्री का शिक्षित होना आवश्यक है।

बच्चियों की शिक्षा को लेकर भारत में पिछले दशक की तुलना में इस बीते दशक में तेजी से परिवर्तन देखने को मिला है, यह परिवर्तन जैसे हर क्षेत्र में हो रहा है वैसे ही शिक्षा जगत में भी तेजी से होता हुआ दिखाई दे रहा है। परिवर्तन की इस बेला में निजी संस्थानों का जहां अपना महत्व है, वहीं नीतिगत रूप से शासकीय संस्थानों द्वारा समय-समय पर लिए ग

## संक्षिप्त खबरें

### महिलाओं को मिला कृषि यंत्र

मुजफ्फरपुर। स्थानीय विकास मंडल परिसर में आज 100 महिला किसानों को एक्शन एड द्वारा कृषि यंत्र का वितरण क्षेत्रीय प्रबंधक सौरभ कुमार के द्वारा किया गया। सभी महिला किसान मुशहरी व बंदरा प्रखंड की निवासी हैं। इनको दो टोकरी, कुदाल, गैता,खुरपी आदि दिया गया। महिलाएं इनका उपयोग खेती बाड़ी और मनरेगा के काम में भी करेंगी। मौके पर जिला समान्वयक अरविन्द कुमार,फिरोज अहमद, प्रखंड समन्वयक राजगीर कुमार, जगदीश मांझी, हैदर अली, रत्नेश जी, वसुंधरा जी व मुन्नी जी मौजूद थी।

### महिला को ट्रक ने कुचला, मौत

मुजफ्फरपुर। जिले में तेज रफ्तार का कहर थमने का नाम नहीं ले रहा जिससे आए दिन शहर में कहीं न कहीं सड़क हादसे देखने को मिल रहे हैं। ऐसी ही एक दर्दनाक घटना जिले के सदर थाना क्षेत्र के गोबरसही डुमरी रोड की है जहां रविवार अहले सुबह अपने नवजात बच्चे को अस्पताल से देखकर लौट रही एक मां की सड़क हादसे में दर्दनाक मौत हो गई। जिसके बाद आक्रोशित लोगों ने जमकर बवाल काटा। सूचना पर पहुंचे डीएसपी टाउन राघव दयाल और सदर थाने की पुलिस ने किसी तरह लोगों को समझा-बुझाकर शव को अपने कब्जे में ले पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। जिले के सदर थाना क्षेत्र के डुमरी निवासी अर्जुन चौधरी की बेटी दीपमाला की शादी 1 वर्ष पूर्व वैशाली जिले के मंसूरपुर निवासी परमेश्वर बैठा के पुत्र संदीप कुमार के साथ हुई थी।. वही मृतक महिला दीपमाला को बीते 7 जून को एक पुत्र की प्राप्ति हुई थी। बच्चे को जन्म के बाद जौंडिस हो गया था जिस कारण वह अस्पताल में एडमिट है। दीपमाला अपने नवजात शिशु से मिलकर अपने घर लौट रही थी ,तभी एक अनियंत्रित ट्रक के चपेट में आने से घटनास्थल पर ही उसकी दर्दनाक मौत हो गई।

### फरार अभियुक्त के घर चिपकाया गया इश्तेहार

बखरी, बेगूसराय। थाना क्षेत्र अंतर्गत बखरी नगर परिषद के इस्माइल नगर एवं चक्हमीद गांव में ढोल नगाड़ों के साथ पुलिस ने फरार अभियुक्त के घर इश्तेहार चिपकाया है। थानाध्यक्ष सह इंस्पेक्टर हिंमाशु कुमार सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि बखरी थाना कांड संख्या 406/22 के अभियुक्त के घर चक्हमीद में इस्तेहार चिपकाया गया वहीं थाना काण्ड संख्या 86/23 में धारा 366, 504, 34, भारतीय दंड विधान के अंतर्गत मनोज गुप्ता के द्वारा आवेदन देकर मामला दर्ज करवाया गया था। आवेदक ने अपनी लड़की को भगाकर कही रखने के मामले में इस्माइल नगर के सोनू कुमार, मोनू कुमार पिता विपिन राय, विपिन राय पिता देवेंद्र राय, शोभा देवी पति देवेंद्र राय पर मामला दर्ज किया गया है। इसके विरुद्ध गिरफ्तारी वारंट निकाला गया था।उक्त लोगों के द्वारा उपस्थित नहीं होने और गिरफ्तारी से बचने के लिए घर छोड़ कर फरार होने होने के कारण इनके घर पर इश्तेहार चिपकाया गया है। बताया कि अगर उक्त सभी अभियुक्त 30 दिन के अंदर न्यायालय में उपस्थित नहीं होते या लड़की को हाजिर नहीं करते हैं, तो इनके घर की कुर्की जब्ती की कार्रवाई की जाएगी। इस दौरान एएसआई रविंद्र प्रसाद और पुलिस बल के जवान मौजूद थे।

### नीट में परचम लहराने वाले सफल परीक्षार्थी को मिठाई खिलाकर दी बधाई

बखरी, बेगूसराय। राटन गांव के किसान अरविंद महतों के पुत्र प्रिंस राज एवं बिहार पुलिस सेवा में कटिहार जिला अंतर्गत एसआई पद पर कार्यरत मुकेश कुमार की पुत्री आराध्या कुमारी के नीट में परचम लहराने की खुशी में राटन पंचायत के सभागार में दोनों सफल प्रतिभागी को प्रखण्ड विकास पदाधिकारी मेहनाज जबीन, प्रखण्ड प्रमुख शिवचन्द्र पासवान, उप प्रमुख रूबी देवी, बीपीआरओ सत्येंद्र कुमार सिंह, मुखिया जीवो देवी, उप मुखिया अजित कुमार द्वारा मिठाई खिलाकर बधाई दी गई। मौके पर प्रखण्ड विकास पदाधिकारी ने कहा कि बखरी प्रखण्ड के लिये खुशी की बात है कि एक ही गांव के दो बच्चे नीट परीक्षा में सफलता पाई है।कार्यक्रम में सामाजिक कार्यकर्ता सुनील कुमार, धीरज साहू, पूर्व सरपंच जयकांत यादव, सुनील सहनी, रामविनय पासवान सहित कई गण्यमान्य लोगो ने बधाई दी। कार्यक्रम की अध्यक्षता मुखिया प्रतिनिधि सुरेश राम ने की एवं संचालन सामाजिक कार्यकर्ता जितेन्द्र जीतू ने किया। प्रिंस राज ने कुल 645 अंक प्राप्त किया वही आराध्या 625 अंक प्राप्त किया।

# मृतक रफीक अंसारी का शव नासिक से लाया गया चांय गांव ,लोगों में पसरा मातम

प्रात : किरण संवाददाता

झाझा-झाझा थानाक्षेत्र अंर्तगत चांय के रहने वाले जमालउद्धीन के पुत्र रफीक अंसारी का दो दिन पूर्व शव नासिक मे कंपनी बैकजोन कंपनी के परिसर में पेड़ में फंदा से लटका मिला था।जिसके बाद से घर सहित पूरे गांव में खबर फैलने के बाद मातम पसरा हुआ था।वही नवयुवक संघ के संयोजक सह स्थानीय समाजसेवी गौरव सिंह राठौड़ एवं अन्य ग्रामीणों की ओर से नासिक के प्रशासन से मांग किया गया था कि रफीक का शव पैतृक गांव चांय भेजा जाये जिसके बाद रफीक का शव शनिवार की रात्रि में घर लाया गया।वही शव के गांव पहुँचते ही लोगों के भीड़ मृतक के घर पर लग गई और लोगों बीच मातम पसर गया तो वही परिजनों मे कोहराम मच गया।घर पर बुजुर्ग पिता जमालउद्धीन,मां फरजन निशा सहित मृतिका की पत्नी शव से लिपटकर रो रो कर बेहोश हो रहे थे।गौरव सिंह राठौड़ सहित ग्रामीणों ने कहा कि आज बिहार में रोजगार की व्यवस्था नही होने के कारण यहां के लोग दूसरे राज्य में रोजगार करने के लिये जाते है लेकिन अन्य प्रदेशों में भी बिहारी सुरक्षित नही है।ऐसे में सरकार से मांग करते है कि इस मामलें को पूरी निष्पक्ष रूप से जांच करवाये और दोषियों को कड़ी से कड़ी सजा दिलवाने का काम करे।साथ ही साथ मृतक के परिजनों को दस लाख रुपए,परिवार के एक सदस्य को नौकरी और सरकारी सुविधा मुहैया कराई जाये ताकि पीड़ित परिवार को मदद मिल सके।बताते चले कि रफीक अपने घर का एकलौता कमाने वाला था और वह नासिक के उक्त कंपनी में दैनिक मजदूरी का काम करता था।

## 31 परिवारों को दी गई कबीर अंत्येष्ठि योजना की राशि का लाभ

प्रात : किरण संवाददाता

बखरी, बेगूसराय। कबीर अंत्येष्टि योजना राशि का वितरण 31 परिवारों के बीच किया गया। इस दौरान पंचायत भवन राटन के सभागार में कबीर अंत्येष्टि योजना राशि वितरण हेतु आयोजित कैम्प को सम्बोधित करते हुए प्रखण्ड विकास पदाधिकारी मेहनाज जबीन ने कहा कि इस योजना का बहुत बड़ा महत्व है। कबीर अंत्येष्टि योजना मद से तीन हजार रुपये का अनुदान देकर सरकार मृतक एवं उनके परिजन के प्रति सहानुभूति प्रकट करती है।इसलिये इसके भुगतान हेतु तत्परता के साथ कागजी प्रक्रिया पूरी किया जाना चाहिए। कार्यक्रम को प्रमुख शिवचंद्र पासवान, उप प्रमुख रूबी देवी, उपमुखिया अजित कुमार, सामाजिक कार्यकर्ता जितेन्द्र जीतू, बलराम कुशवाहा, पूर्व सरपंच जयकांत यादव, जवाहर महतों, सुनील कुमार, धीरज साहू सहित अन्य लोगों ने भी सम्बोधित किया। योजना की राशि पूर्व मुखिया मसोमात अहिल्या देवी सहित कुल 31 परिजनों के बीच तीन-तीन हजार रुपये का नगद भुगतान आगत अतिथियों के हाथों किया गया।कार्यक्रम की अध्यक्षता राटन ग्राम पंचायत की मुखिया जीवो देवी ने की। वहीं संचालन मुखिया प्रतिनिधि सुरेश राम ने किया।

## बिरौल गांव में छठ घाट का हुआ शिलान्यास

### तालब में घाट निर्माण से महादलित परिवार होंगे लाभान्वित

प्रात : किरण संवाददाता

मधुबनी खजौली प्रखंड के महुआ एकडारा पंचायत के बिरौल गांव स्थित धोबियानी कबीर कुटी के समीप पुरानी पोखर में रविवार को छठ घाट का शिलान्यास हुआ.छठ घाट का शिलान्यास स्थानीय मुखिया छट्ठू पासवान ने प्रथम ईट रखकर किया. पोखरा में छठ घाट को लेकर स्थानीय महादलित परिवारों ने पिछले कई वर्षो से मांग कर रहे थे. तालाब में छठ घाट नहीं रहने से महादलित परिवारों को छठ पूजा व स्नान करने में काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता था. महादलित परिवारों की जरूरत को देखते हुए मुखिया ने पोखरा में छठ घाट का निर्माण शुरू हुआ. इससे स्थानीय लोगों में हर्ष व्याप्त है. पोखरा में छठ घाट की लम्बाई 125 फिट व चैड़ाई 11 फिट की होगी. घाट का निर्माण मनरेगा योजना से किया जा रहा है. मौके पर रामउदगार पासवान, फुलेश्वर यादव, बौकू सदाय, रामु पासमान, उपमुखिया ललित पासमान, रतन पासमान,रामाशीष पासमान, रामचन्द्र महरा, संम्भू पासमान, रमेश कुमार, कारी राम, महेंद्र गोईत, जयबीर राम,आशिक कुमार, परीक्षण साफी, महेंद्र पासमान ,सरोज यादव मौजूद थे।

## लहरियागंज के उगना मंदिर सेनिकाली गई जगन्नाथ पुरी रथ यात्रा

प्रात : किरण संवाददाता

मधुबनी लहरिया गंज उगना मंदिर से जगन्नाथ पुरी रथ यात्रा निकाली गई जिसमें श्रद्धालुओं ने बढ़ चढ़कर भाग लिया रथ यात्रा के साथ जयकारा से झूमते नजर आए श्रद्धालु भक्त रथ यात्रा में मधुबनी के मेयर अरुण राय ने नारियल फोड़कर उगना महादेव मंदिर से रथ यात्रा को प्रस्थान कर शहर के लहरिया गंज से चभच्छा चौक होते हुए शंकर चौक बाटा चौक होते हुए महिला कॉलेज रोड होते हुए गंगासागर चौक मुरली मनोहर संकट मोचन कॉलोनी मैं रथ यात्रा घुमाया गया मौके पर मौजूद पंडित दिनाश्र गौड़ दास ने बताया कि मधुबनी में जगरनाथ रथ यात्रा निकाला गया है इससे पहले हम लोग दरभंगा में रथ यात्रा निकाले थे रथ यात्रा का मुख्य उद्देश्य है जहां भी घूमेंगे लोग अपने घर से ही दर्शन कर प्रसाद ग्रहण कर प्रणाम कर आशीर्वाद ले सकते हैं इससे लोग उद्धार होंगे इसीलिए हर जगह जगह पर रथ यात्रा निकाली जाती है ताकि लोगों का दर्शन हो सके। बताते चलें कि रथयात्रा में हरे कृष्णा हरे राम हरे कृष्णा हरे राम के जयकारों से गूंज रहे थे मधुबनी शहर के श्रद्धालुओं ने इस रथयात्रा में भारी संख्या में बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया।

## साईफन पुल का सड़क जर्जर होने से आये दिन हो रही है दुर्घटना

प्रात : किरण संवाददाता

मधुबनी प्रखंड़ क्षेत्र के सूक्की गांव स्थित कमला नदी पर लाइफ लाइन कहे जाने वाले एक मात्र साईफन पुल का सड़क जर्जर होने से आये दिन इस पुल पर बराबर दुर्घटना का शिकार हो रही है. इस जर्जर सड़क को निर्माण को लेकर जिला पार्षद दीपक कुमार सिंह ने आवाज उठाकर साईफन पुल पर सड़क निर्माण की मांग किया है.उन्होंने कहा कि कमला साईफन पुल सड़क से पड़ोसी देश नेपाल सहित बाबूबरही एव खजौली विधान सभा क्षेत्र के सैकड़ो लोग दोपहिया ,चार चक्का वाहन, भारी वाहन प्रतिदिन गुजरता है। लेकिन जल संसाधन विभाग द्वारा कमला साईफन पुल पर बने सड़क को मरम्मत नही करने से पुल में कितने जगहों पर गड्ढानुमा होने से वाइक सवार चालक गिड़ कर घायल हो जाते है। वही साईफन पुल पर जर्जर सड़क को निर्माण को लेकर जिला पार्षद दीपक कुमार सिंह ने पूर्व में आवाज उठाने पर जल संसाधन विभाग द्वारा साईफन पुल पर कुछ जगहों पर मरम्मत कर खानापूरी करके छोड़ दिया गया. जिला पार्षद श्री सिंह ने जल संसाधन विभाग को चेतावनी दी है कि कमला साईफन पुल पर जर्जर सड़क को अविलंब मरम्मत कर उस सड़क को 15 दिन के अंदर कालीकरण नही करने पर खजौली के सैकड़ो जनता द्वारा विभाग के विरोध में धरना प्रदर्शन करने पर बाध्य होंगे।

## जले विधुत ट्रांसफार्मर के कारण किसान को खेती में पानी की अभाव

प्रात : किरण संवाददाता

मधुबनी बिहार सरकार किसानों को खेती करने को लेकर कृषि विधुत ट्रांसफार्मर लगाकर कम कीमत में खेत को पटवन करके खेती करने पर जोर दी जा रही है। वही इसबार मौसम की बेरुखी के चलते किसान की खेत मे बिचरा पटवन के बिना सुख रही है। लेकिन विधुत विभाग के लाहरवाही के चलते खजौली पंचायत के मदना गांव में विगत तीन माह से जले ट्रांसफार्मर को विधुत विभाग द्वारा नही बदले गये है.इस ट्रांसफार्मर को बदलने को लेकर मदना गांव के ग्रामीणों द्वारा लिखित आवेदन कनीय अभियंता एव एसडीओ को देने के बाबजूद भी ट्रांसफार्मर नही बदला गया. मदना गांव के किसान प्रोफेसर सुभाष सिंह ने बताया कि कृषि पटवन के तहत लगाये गये विधुत ट्रांसफॉर्मर विगत तीन माह से जलने रहने से मदना गांव के दर्जनों किसान की खेत मे पटवन नही होने से किसान खेत मे लगे बिचरा जल गया है। उन्होंने कहा कि नार्थ बिहार पावर डिस्ट्रीब्यूशन लिमिटेड के कनीय अभियंता एसडीओ को लिखित आवेदन देने के बाबजूद भी अभी तक ट्रांसफार्मर नही बदलने से सैकड़ो किसान खेत की सिंचाई से वंचित रहने के कारण उनकी खेत मे पानी की अभाव में खेती नही कर पा रही है। उन्होंने कहा कि यदि एक सप्ताह के अंदर जले ट्रांसफार्मर को नही बढ़ने पर सैकड़ो किसान विभाग के विरोध उग्र धरना प्रदर्शन करने पर बाध्य होंगे.इस बाबत जूनियर अभियंता प्रियरंजन झा ने बताया कि कृषि से संबंधित जले ट्रांसफार्मर की रिपोर्ट एलईसी कंपनी को दिया गया है। एलईसी कंपनी को ट्रांसफार्मर उपलब्धता होने पर अविलंब बदल दिया जाएगा।

## बांस काटने को लेकर हुये विवाद में दो भाईयों के साथ मारपीट

प्रात : किरण संवाददाता

झाझा-बांस काटने को लेकर गांव के ही कुछ लोगों ने दो भाईयों के साथ मारपीट करते हुये घायल कर दिया।मामला झाझा थानाक्षेत्र के दीघरा गांव की है।घायल की पहचान परमेश्वर यादव का पुत्र संजय यादव और नारायण यादव के रूप में हुई है।वही घायल दोनो भाईयों को इलाज के लिये शनिवार की देर शाम को रेफरल अस्पताल लाया गया जहॉ डॉक्टर शंकर कुमार के द्वारा दोनो घायल भाई का इलाज किया गया जिसके बाद दोनो घायलों की स्थिति में सुधार हुआ है।घायल संजय यादव ने बताया कि मै अपने जमीन पर लगे बांस को काट रहा था कि तभी गांव के बोधन यादव,प्रभु यादव,विकास यादव,बासकी यादव आया और बांस काटने से मना करते हुये अपना बांस बताने लगा।जब इस बात का विरोध किया तो वे लोग गाली गलौज करने लगा और मुझपर टांगी से प्रहार कर दिया।हल्ला सुनने के बाद जब मेरा भाई ने मुझको बचाने के लिये आया तो उसके साथ भी लाठी डंडा से मारपीट करते हुये उसे भी घायल कर दिया।हो हल्ला होने पर जब ग्रामीण एकजुट हुये तो वे लोग भाग निकला।वही घायल ने बताया कि घटना की जानकारी पुलिस को भी दिया गया है।

## कार्य में लापरवाही बरतने वाले कर्मियों पर होगी अनुशासनिक कार्रवाई

प्रात : किरण संवाददाता

मधुबनी सीएचसी खजौली के सभागार में प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉक्टर ज्योतींद्र नारायण की अध्यक्षता में आशा दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया. जिसमें आशा कार्यकर्ता और आशा फैसिलिटेटर को सर्वे रजिस्टर और ड्यू लिस्ट अद्यतन करने से संबंधित प्रशिक्षण दिया गया। आवश्यक सभी बिन्दुओं को विस्तार से समझाया गया. इस क्रम मे प्रभारी चिकित्सका पदाधिकारी ने विभागीय निदेश पर सभी आशा कार्यकताओं को टॉर्च उपलब्ध कराया. आशा कार्यकर्ता को स्वास्थ्य उप केन्द्र सह हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर पर पदस्थापित प्रतिनियुक्ति सीएच ओ एएनएम से समन्वय स्थापित कर प्रत्येक कार्य दिवस पर संबंधित गावं व पोषक क्षेत्र में हर तरह की स्वास्थ्य सुविधाएं मुहैया कराने का निदेश दिया. उन्होंने कहा कि कार्य में लापरवाही बरतने व निर्देश का अनुपालन नहीं करने वाले आशा कार्यकर्ता और आशा फैसिलिटेटर पर अनुशासनिक कार्रवाई की जाएगी. पूर्व में सभी आशा व फैसिलेटर को एंड्रॉयड स्मार्टफोन के विभागीय एप के माध्यम से स्वास्थ्य विभाग से संबंधित सभी कार्यक्रमों का संचालन करेंगे एवं उसका प्रतिवेदन भी समर्पित करेंगे। बैठक में विशेष रूप से नियमित टीकाकरण गर्भवती महिलाओं का प्रथम द्वितीय तृतीय चतुर्थ एएनसी जांच महिला बंध्याकरण ऑपरेशन पुरुष नसबंदी ऑपरेशन के लिए लोगों को जागरूक कर अपने-अपने पोषक क्षेत्र के अधिक से अधिक लोगों को लाभन्वित कराने का निदेश दिया. प्रसव के लिए महिलाओं को सुरक्षित सीएचसी लाकर उसका प्रसव कराने को कहा. बैठक में अनुपस्थित आशा कार्यकताओं से स्पष्टीकरण पूछते हुए आशा दिवस को प्रोत्साहन राशि कटौती करने का निदेश दिया। मौके पर बीएचएम अर्चना भट्ट, प्रखंड सामुदायिक उत्प्रेरक शंभू कुमार राम, प्रखंड मूल्यांकन सह अनुश्रवण राजन प्रसाद रजत, डाटा सेंटर इंचार्ज बबलू कुमार, नोडल स्वास्थ्य कर्मी अरविन्द कुमार मिश्रा, सहयोगी पार्टनर बीएमसी यूनिसेफ काली चरण झा, आशा फैसिलिटेट रिंकू देवी, रूपम देवी के अलावा अन्य सभी आशा कार्यकर्ता उपस्थित थे।

## साइबर अपराधियों ने एक युवक से की लाखों ठगी

प्रात : किरण संवाददाता

झाझा-एक युवक के साथ साइबर अपराधियों ने अपनी जाल में फंसाते हुये उससे मोटी रकम ठग लिये जाने का मामला प्रकाश में आया है।इस संदर्भ में ठगी का शिकार बने थानाक्षेत्र के कावर गांव के रहने वाले निवास कुमार ने थाना में प्राथमिकी भी दर्ज कराई जिसमें उन्होनें बताया कि दुबई के एक इलेक्ट्रॉनिक शॉप से आई फोन,आईपेड,अल्ट्रा वॉच,दस तौला सौना एवं चेक देने की बात करते हुये कुल 102000 रुपए ठग लिया।पीड़ित ने बताया कि पहले 18 मई को कुल 52000 भेज दिया जिसपर उन्होनें दुबई से गिफ्ट भेजने की बात करते हुये बताया कि उसपर 155000 टैक्स है जो देना है जिसपर मैने गिफ्ट नही लेने की बात की और पैसे वापस करने की बात की तो पैसे न लौटाने की बात उक्त व्यक्ति के द्वारा कहा गया।जिसपर मैने पुनः 19 मई को 50000 रुपए देने के बाद वह बोला कि और पैसे लगेगा।जब पैसे देने से मना किया तो पार्सल न मिलने की बात कहा गया।वही बैंक के शाखा प्रबंधक से मिलने पर उन्होनें 1930 पर कॉल कर पूरी जानकारी देने की बात बताया।

## कोशी एक्सप्रेस ट्रेन की बिगड़ती टाइमिंग पर आंदोलित हुए वीआईपी के कार्यकर्ता, किया विरोध प्रदर्शन

प्रात : किरण संवाददाता

बेगूसराय। रविवार को वीर कुंवर सिंह चौक के समीप विकासशील इंसान पार्टी ने कोशी एक्सप्रेस ट्रेन की बिगड़ती टाइमिंग पर विरोध प्रदर्शन किया। साथ ही एक अतिरिक्त रैक देकर ट्रेन को पूर्णिया कोर्ट स्टेशन से कटिहार तक विस्तार करने की भी मांग की। मौके पर आयोजित नुक्कड़ सभा को संबोधित करते हुए विकासशील इंसान पार्टी के युवा मोर्चा के जिला अध्यक्ष समीर सिंह चौहान ने कहा कि कोसी एक्सप्रेस बेगूसराय के यात्रियों की लाइफ लाइन है। प्रतिदिन सैकड़ों यात्री इस ट्रेन से विभागीय तथा अन्य कार्यों के लिए कार्यालय समय पर पटना पहुंचते हैं। विगत 15 दिनों से कोशी एक्सप्रेस 10 से 12 घंटे लेट चल रही है। जिसके कारण यात्रियों को काफी फजीहत का सामना करना पड़ रहा है। वर्तमान में इस ट्रेन के दो ही रैक चल रहे हैं। हम लोग एक रैक बढ़ाने की मांग करते हैं।जिससे ट्रेन की समय सारणी दुरुस्त रह सके। पूर्णिया कोर्ट स्टेशन में वाशिंग पिट नहीं है। जिसके कारण बिना सफाई किए ट्रेन में ही यात्रा करने को यात्री मजबूर हैं। यात्रियों के स्वास्थ्य प्रतिकूल प्रभाव पड़ने का खतरा है। हम लोग कोशी एक्सप्रेस को कटिहार तक विस्तार करने की मांग करते हैं। जिससे ट्रेन की सफाई संभव हो सके। अगर हमारी मांगों पर सहानुभूति पूर्वक विचार नहीं किया गया तो हम लोग उग्र आंदोलन करने को मजबूर होंगे। कार्यक्रम का नेतृत्व विकासशील इंसान पार्टी युवा मोर्चा जिला उपाध्यक्ष ठाकुर कुंदन कुमार शर्मा ने किया। मौके पर जनक सिंह, सुशील रजक, बिंदेश्वर महतो, दिनेश साहनी, सुमित साहनी, मोहम्मद जब्बार के साथ अन्य लोग उपस्थित थे।

## पीएचसी में आशा कार्यकताओं की बैठक

प्रात : किरण संवाददाता

बखरी, बेगूसराय। शनिवार को आशा कार्यकताओं की बैठक बखरी पीएचसी के सभागार में की गई। चिकित्सा पदाधिकारी डॉ अर्चना कुमारी की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में आशा कार्यकताओं व फैसलिटेटर को कई महत्वपूर्ण दिशा निर्देश दिए गए। बैठक को संबोधित करते हुए स्वास्थ्य प्रबंधक मनीष कुमार ने आशा कर्मियों से घर में हो रहे प्रसव के बारे में चर्चा करते हुए कहा कि सुरक्षित प्रसव के दृष्टिकोण से उन्हें घर पर प्रसव न कराने दें। इसके लिए गर्भवतियों को मातृत्व जांच के दिन पीएचसी में आने के लिए प्रोत्साहित तथा प्रसव पीड़ा होने पर तुरंत पीएचसी पहुंचने की सलाह देने की बात कही है। वही बीसीएम सुमन कुमार के द्वारा ड्यू लिस्ट एवं सर्वे पंजी से लेकर टीकाकरण में सहयोग पर चर्चा की।डब्ल्यूएचओ के फिल्ड मॉनिटर अंबर कुमार के द्वारा ड्यूलिस्ट व सर्वे रजिस्टर को प्रत्येक माह अपडेट कराने का भी निर्देश दिया गया। जिससे की टीकाकरण में शत प्रतिशत अच्छा दिन किया जा सके। जबकि आगामी 11 जुलाई से शुरू होने वाले कार्यक्रम मिशन परिवार विकास अंतर्गत परिवार नियोजन पखवाड़ा के विषय में सभी आशा कार्यकताओं को जानकारी दी गई। बताया गया कि इसको लेकर 27 जून से 10 जुलाई तक दंपति जनसंपर्क पखवाड़ा आशा कार्यकर्ता द्वारा किया जाना है। उक्त बैठक में परिवार नियोजन परामर्श कार्यकर्ता धर्मेंद्र कुमार तथा फार्मासिस्ट प्रभात कुमार आदि उपस्थित थे।

## विदेशी शराब के साथ शराब तस्कर गिरफ्तार

प्रात : किरण संवाददाता

मधुबनी जिला मुख्यालय से सटे रहिका थाना पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर थाना क्षेत्र के ककरौल लाइन होटल के सामने जयनगर दरभंगा जाने वाली मुख्य मार्ग से एक चार चक्का वाहन व मोटरसाइकिल पर लादे देसी व अंग्रेजी शराब के साथ मोटरसाइकिल चालक को गिरफ्तार कर लिया जबकि चार चक्का वाहन चालक भागने में सफल हुए।रहिका थाना अध्यक्ष राज किशोर कुमार ने बताया कि या छापेमारी गुप्त सूचना के आधार पर किया गया लाइन होटल के पास से उक्त दोनों गाड़ी को जप्त किया गया एक चार चक्का कार चालक गाड़ी छोड़ कर फरार हो गया वही मोटरसाइकिल चालक रामनाथ यादव पिता स्व बैद्यनाथ यादव साकिन नवरत्न टोल थाना बिस्फी जिला मधुबनी को गिरफ्तार कर लिया गया वाहन के तलाशी लेने पर 180 एमएल का 192 बोतल 375 एमएल का 72 बोतल देसी नेपाली शराब की कुल 450 बोतल वही चोरी की मोटरसाइकिल से 120 बोतल देसी नेपाली शराब बरामद किया गया दोनों वाहन को जप्त कर थाना परिसर लाया गया व मोटरसाइकिल चालक को विधिवत गिरफ्तार कर उत्पाद मद्य निषेध अधिनियम के अंतर्गत प्राथमिकी दर्ज कर न्यायिक हिरासत में लेने हेतु व्यवहार न्यायालय मधुबनी भेज दिया गया।फरार शराब तस्कर की गिरफ्तारी को लेकर लगातार छापेमारी जारी है जल्द ही शराब तस्कर को गिरफ्तार कर लिया जाएगा। मौके पर एसआई राहुल कुमार कंदन वासुकी विनय शर्मा एएसआई राजेश कुमार नंद कुमार के साथ अन्य पुलिस बल मौजूद थे।

## वैवाहिक वर्षगांठ पर पति-पत्नी ने एकसाथ किया रक्तदान

प्रात : किरण संवाददाता

बेगूसराय। जयमंगला वाहिनी परिवार के रक्तवीर अमित चौहान ने अपनी शादी के 18वें सालगिरह पर धर्मपत्नी चंदा चौहान के साथ सदर अस्पताल स्थित राष्ट्रकवि दिनकर रक्त केंद्र में जयमंगला वाहिनी के सदस्यों के संग रक्तदान किया। वहीं पर अभिषेक ने भी अपनी शादी के तीसरे सालगिरह के अवसर पर धर्मपत्नी के संग रक्तदान किया। जयमंगला परिवार के जिलाध्यक्ष सौरभ व विभाग अध्यक्ष मनोज ने इस अवसर पर खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि धीरे-धीरे ही सही लेकिन लोग अब रक्तदान को उत्सव की तरह सेलिब्रेट कर रहे हैं, जो गर्व का पल है। अवनीश व सुमन्त ने बताया कि रक्तदान करने के बाद किसी प्रकार की कोई कमजोरी नहीं होती है। बल्कि एक नई ऊर्जा का संचार होता हैं। सूर्या व सुमित ने बताया कि एक यूनिट ब्लड से तीन जिंदगी बचती है। इसलिए रक्तदान कर जीवन बचाने का मौका मिले तो सामने आकर रक्तदान कीजिए। प्रशांत व प्रभाष ने बताया कि रक्तदान से सबसे बड़ा फायदा यह होता है कि हमारे शरीर का वजन, ब्लड प्रेशर, हीमोग्लोबिन, मलेरिया, एचबीएसएजी, एचसीवी, वीडीआरएल आदि जांचें मुक्त में हो जाती हैं। सोनू वत्स व राजन ने बताया खुशी के इस पल में रक्तवीर दंपति को पर्यावरण संरक्षण हेतु पौधा उपहार में दिया गया। इस अवसर पर ब्लड बैंक के कर्मी नीतीश, वैभव, राजन, सोनू वत्स, सोनू, शुभम, बिंदु चौधरी सहित अन्य लोग मौजूद थे।

## अंडर 16 के हो रहे मैच में भागलपुर ने बांका को 57 रन से किया पराजित

प्रात : किरण संवाददाता

झाझा-बीसीए के बैनर तले डीसीए जमुई के द्वारा झाझा रेलवे चांदवारी मैदान में आयोजित किये जा रहे श्यामल सिन्हा अंडर 16 क्रिकेट टूनार्मेंट का दूसरा मुकाबला रविवार को भागलपुर बनाम बांका टीम के बीच खेला गया।दोनो टीमों के बीच हुये टॉस में भागलपुर की टीम ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का निर्णय लिया और निर्धारित 40 ओवर के खेल में 222 का रन बनाते हुये बांका के सामने जीत के लिये 223 का लक्ष्य रखा।भागलपुर की ओर से सर्वाधिक अनय 44 रन,दिव्यांशु 40 और शैयद अली ने 39 रन बनाया।जबकि बांका की ओर से सबसे बेहतरीन गेंदबाजी सागर ने 3,रिषभ 2 और मंटू ने 1 विकेट लिया।भागलपुर की ओर से दिये लक्ष्य का पीछा करने उतरी बांका की टीम 33.5 ओवर में 165 रन पर ऑलआउट हो गई।बांका की ओर से सर्वाधिक रन विनीत चैधरी ने नबाद 58 रन की पारी खेली।भागलपुर की ओर से आशीष 3,रोहित 2 और शैयद अली ने 1 विकेट अपने नाम किया।टूनार्मेंट का दूसरा मुकाबला भागलपुर ने 57 रन से विजय हुआ।मैच में शानदार प्रदर्शन करने वाले भागलपुर के खिलाड़ी शैयद अली को मेन ऑफ द मैच का पुरस्कार डॉ सदाब अहमद के द्वारा दिया गया।

## संक्षिप्त खबरें

### कृषि पदाधिकारी द्वारा किसानों के साथ की गयी है हकमारी : बमबम साह

कसबा( पूर्णिया ) ।अंतर्राष्ट्रीय वैश्य महासम्मेलन के जिला अध्यक्ष सह जन चेतना क्रांति संघ के संयोजक बमबम साह ने कसबा प्रखण्ड के आम किसानों से मिलने के बाद बताया कि किसान सलाहकार टीम का हड़ताल में रहने के कारण कृषि पदाधिकारी द्वारा किसानों का घोर हकमारी किया गया है।बमबम साह ने बताया कि सरकार द्वारा किसानों को सब्सिडी पर देने वाले बीज को गलत तरीके से सिर्फ डाटा एंट्री कर ऊंचे दामों पर कालाबजारी करने की शिकायत मिला है जो हर हाल में उच्च स्तरीय जांच कराए जाने का मामला है।बमबम साह ने उक्त घोर लापरवाही को विस्तार पूर्वक बताते हुए कहा है कि अधिकृत खाज बीज दुकानदारों को सरकारी रॉब दिखाते हुए खरीफ 2023 के धान बीज वितरण में घोर लापरवाही बरतने का माध्यम बनाते हुए कृषि पदाधिकारी ने किसानों का डिमांड नंबर संग्रह कर चार से पांच क्विटल बीज का घोर कालाबजारी करने का खुलासा क्षेत्र के कई किसानों द्वारा सिर्फ कसबा प्रखंड से होने का शिकायत मिला है। जिला अध्यक्ष बमबम साह ने कहा कि सरकार द्वारा किसानों के हित में उक्त कल्याणकारी योजनाओं की घोर गड़बड़ी का तीन दिनों के अंदर यदि उच्च स्तरीय जांच कर दोषी पदाधिकारी के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए वाजिब किसानो के बीच बीज वितरण नही किया गया तो 3 जुलाई से कसबा प्रखंड सहित पूरे जिले के किसानों के साथ जन आंदोलन शुरू कर दिया जाएगा। जिला अध्यक्ष बमबम साह ने निवेदन पूर्वक जिला पदाधिकारी से मांग करते हुए कहा है कि इस दिशा में स्वत संज्ञान लेते हुए 30 जून तक उचित करवाई करे ताकि किसानों का हक मारने वाले पदाधिकारियों को सबक मिल सके।

### सूर्य की तपिश और गर्मी से लोग परेशान, 42 से उपर रह रहा तापमान

पूर्णिया ।जिला में मानसून की अबतक पहुंच नहीं हो सकी है।पूर्णिया जिले में लगातार मौसम का पारा चढ़ा हुआ है।भीषण गर्मी और तेज धूप के कारण लोगों का घर से निकलना दूभर है। जिले में चल रहे हीट वेब के कारण तापमान 42 डिग्री के पार पहुंच गया है।दिन में न चलने वाली गर्म हवाओं के कारण से शरीर में पानी और नमी के कारण लोग डी-हाईड्रेशन के शिकार हो रहे हैं। पूर्णिया मेडिकल कॉलेज अस्पताल में हर रोज करीब 10 के ज्यादा की संख्या में डी हाइड्रेशन के मरीज इलाज के लिए पहुंच रहे हैं।भीषण गर्मी के कारण एक सप्ताह से मरीजों की संख्या अचानक बढ़ने लगी है, जबकि जिले के अन्य पीएचसी और प्राइवेट क्लीनिकों की संख्या अलग से हैं।इसमें सबसे अधिक डी हाइड्रेशन के मरीज रहते हैं। यदि समय पर लोग सावधानी नहीं बरते और बचाव नहीं करते हैं तो डी हाइड्रेशन का शिकार हो सकते हैं।चिकित्सकों की मानें तो यह एक ऐसी समस्या हैं जो अचानक हो जाता हैं।चिकित्सक बताते हैं कि सावधानी और समय पर इलाज से हीं जान बच सकती हैं। ज्यादातर कम उम्र के बच्चे प्रभावित पूर्णिया में इन दिनों लू जैसा हालात चल रहा हैं।तेज धूप के साथ गर्म हवा भी बह रहा हैं। ऐसे में कोई भी डी हाइड्रेशन से ग्रसीत हो सकते हैं। मानसून के आगमन तक ये परेशानी लोगों को सताती रहेगी।

### सरकारी पैसा लूट कर खा रही है रुकमणी देवीः राजीव कुमार मांझी

मुंगेर। 61 प्रतिशत अंक प्राप्त करने वाली प्रतिभागी कोमल कुमारी महादलित परिवार से आती हैं, सड़क पर की धूल फांक रही है। जबकि 53% अंक प्राप्त करने वाली प्रतिभागी तत्कालीन सीडीपीओ के मेहरबानी और मोटी रकम के बदौलत 53 प्रतिशत अंक के स्थान पर 63.6प्रतिशत अंक अंकित करवा कर आंगनबाड़ी सेविका बनकर 2013 से सरकारी राशि लूट कर खा रही है।इस तरह का एक मामला मुंगेर जिले के हवेली खड़गपुर के प्रखंड बाल विकास परियोजना कार्यालय से संबंधित होने का समाचार प्रकाश में आया है। इसकी जानकारी आरटीआई के माध्यम से प्रतिभागी कोमल कुमारी के पति राजीव कुमार द्वारा मांगी गई सूचना के आलोक में हवेली खड़गपुर के प्रखंड बाल विकास परियोजना पदाधिकारी ने दी है। राजीव कुमार मांझी ने बताया कि आरटीआई से प्राप्त जानकारी के आधार पर यह पता चला है कि वर्ष 2013 को प्रखंड बाल विकास परियोजना कार्यालय हवेली खड़गपुर से दरियापुर पंचायत 02 मांझी टोला स्थित आंगनबाड़ी केंद्र संख्या 241 के लिए सेविका पद पर अभ्यार्थी के चयन के लिए सूचना प्रकाशित की गई थी। जिसमें संगीता कुमारी नीतू कुमारी रुक्मिणी देवी सुमन कुमारी कोमल कुमारी नूतन कुमारी रिमझिम कुमारी पूनम कुमारी मधु कुमारी वर्मा कृष्णा कुमारी एवं चंदा कुमारी ने सभी शैक्षणिक प्रमाण पत्र के साथ अपनी उम्मीदवारी दी थी। आरटीआई एक्टिव राजीव कुमार मांझी ने बताया कि आंगनबाड़ी केंद्र संख्या 241 जो महादलित मांझी टोला में स्थित है, के लिए सेविका का चयन किए जाने को लेकर एक बैठक आयोजित तत्कालीन सीडीपीओ हवेली खड़गपुर द्वारा किया गया था।

# बिजली गुल होते ही प्रधान डाकघर अंधेरे में तब्दील

## प्रधान डाकघर की बिजली कट होते ही सभी कार्य पड़ जाते हैं ठप्प

प्रात : किरण ब्यूरो

भागलपुर। सरकारी तफतरो की बिजली गुम होते ही दफ्तर का सारा कामकाज ठप पड़ जाता हैं और दफ्तर पहुंचे लोगों को बिजली आने का इन्तेजार करना पड़ता है। ये मामला जिले के सबसे बड़े डाकघर का है। जहां विभागीय कर्मी सहित आम लोगो को संबंधित कार्य के लिए तबतक इन्तेजार करना पड़ता है जबतक बिजली आ नही जाती आलम यह है कि शहर के बीच प्रधान डाकघर के विधुत व्यवस्था इतनी चरमरायी हुई हैं कि बिजली गुल होते ही सभी कार्य तबतक ठप्प रहते हैं, वहीं आम लोग कई घंटों तक लाइन में लग कर अपने जरूरी कामों को लेकर खड़े रहते हैं लेकिन भागलपुर के प्रधान डाकघर में बैठे सभी सक्षम अधिकारी का इस पर कोई संज्ञान नही लेता हैं। प्रधान डाकघर का बिजली गुम होते ही पूरा डाकघर कार्यालय अंधेरा में छा जाता है और आम लोग कई घंटों तक परेशान हो जाते हैं। वहीं डाक-कर्मी बिहार सरकार के बिजली आने का इंतजार करते दिखाई देते हैं, जबकि लाखों की लागत से तैयार सोलर प्लांट एवं जेनरेटर धूल फांक रही है, सोलर प्लांट एवं जेनरेटर रहने के बाबजूद प्रधान डाकघर का सभी काम बिहार सरकार के राम भरोसे पर चल रहा है, मामले को लेकर बताया जा रहा है कि प्रधान डाकघर में विगत कई महीनों से जनरेटर में खराबी आ जाने से रोजदिन की ये परेशानी बनी हुई है, बाबजूद अधिकारी ठीक करने के बजाय मुँह फेरे हुए हैं, वहीं आए दिन आम लोग लाईन में लगकर कई घंटों तक लोग परेशान चल रहे हैं, जबकि भागलपुर के प्रधान डाकघर में डाक महा-अध्यक्ष पूर्वी प्रक्षेत्र, डाक अधीक्षक, पोस्टमास्टर सहित सक्षम अधिकारी एक ही परिसर में पद पर मौजूद हैं, लेकिन संबंधित मामले को कोई भी सक्षम अधिकारी संज्ञान में नहीं ले रहे हैं। वहीं कार्यालय में बिजली की आँख मिचौनी से संबंधित मामले को लेकर पूछे जाने पर वरीय अधिकारी साफ तौर पर बोलने से इंकार कर देते है, और अधिकारी कैमरे में आने से बचना चाहते हैं। विगत माह पूर्व में भी उक्त मामले को प्रातः किरण की टीम ने जन समस्याओं पर ध्यान केंद्रित कर मामले को लेकर विभाग के उदासीन रवैया के विरुद्ध खबरों का प्रकाशन किया गया था, जिसको लेकर प्रधान डाक अधीक्षक ने अस्वाशन दिया था कि मामले को जल्द दरुस्त कर लिया जायेगा लेकिन आलम जस का तस अधर में लटका हुआ है।

# पानी के रूप में जहर पी रहे है लोग

प्रात : किरण ब्यूरो

भागलपुर। जिले भर में जहां लोग पानी को लेकर त्राहिमाम हैं, वही दूसरी तरफ लोगो के बीच पानी के रूप में जहर सेवन करने को मजबूर हो रहे हैं। जिले के ग्रामीण क्षेत्र में लोगों को आसेनीक आयरन व गंदगी युक्त पानी का प्रयोग करना पड़ रहा है, नवगछिया पुलिस जिला अनुमंडल परिक्षेत्र के दर्जनों गांव में गंदगी युक्त पानी इस्तेमाल करने को बेवस है, मामले को लेकर बताया जा रहा है कि इलाके के गोसाईंगाँव, तेतरी, भवानीपुर व नवगछिया अंतर्गत संचालित कई चापानलों से गन्दा आसेनीक व आयरन युक्त पानी निकल रहा है। जब इलाके के पानी की टीडीएस जाँच की गयी तो 754 पीपीएम मात्रा पानी मे पाया गया, जो शरीर के लिए बेहद खतरनाक माना जाता है, लेकिन लोग ऐसे पानी का मजबूरन सेवन कर रहे हैं। ज्ञात हो कि बिहार के मुखिया नीतीश कुमार के द्वारा संचालित सात निश्चय योजना के तहत हर घर नल का जल के तहत पानी घर घर तो पहुंचता है, लेकिन उसकी समय सीमा होती है और हजारों की आबादी को इतना पानी नहीं मिल पा रहा है। जिससे लोगों को चापाकलों के पानी का उपयोग न करना पड़े। लेकिन इलाके के कई चापाकलों के ऐसे हालात है कि उससे कीचड़ युक्त पानी निकल रहा, ऐसा पानी जो किसी काम के नहीं हैं। कई जगहों पर पिला पानी निकल रहा है। जिससे खाना बनाने पर खाना खराब हो जाता है, साथ ही कपड़ा धोने के बाद वो भी पिला हो जाता है, बर्तनों में पीलापन आ जाता है। खासकर गंगा किनारे सटे गांवों में ये हालात देखने को मिल रही हैं। वही सरकारी स्तर पर तो कई बार पीएचईडी विभाग पहल करने की बात करता है लेकिन भागलपुर में इसको लेकर योजना धरातल पर दिखाई नहीं दे रही है। जिसके कारण आए दिन जल संकट से घिरे लोगों को समय समय पर मजबूर सकड़ पर उतरने के साथ आंदोलन करने को बाध्य हो जाते हैं वही जिला व पुलिस प्रशासन अपनी नाकामी को छुपाने को लेकर उनकी आवाज बल पूर्वक दबाने की महारथ हासिल कर लेती हैं, आखिर ऐसे में न्याय की गुहार व फरियाद ले कहा जाये ये सबसे बड़ा सवाल खड़े कर रहे हैं।

# एक दिवसीय सांकेतिक धरना प्रदर्शन का किया गया आयोजन

प्रात : किरण ब्यूरो

भागलपुर। निगम में दो खेमें में बट चुका है एक तरफ नगर निगम प्रशासन और दूसरी तरफ निगम के महापौर, उपमहापौर और पार्षद चल रहे है, दोनों के बीच में लगातार 36 का आंकड़ा जैसी स्थिति देखा जा रहा है, इन दिनों नगर आयुक्त और महापौर की लड़ाई में शहर वासियों को कई परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। मामले को लेकर बताया जा रहा है कि विगत दो दिन पूर्व शांति समिति की बैठक की गई थी, जिसमें नगर आयुक्त ने महापौर, उपमहापौर के गैर मौजूदगी में ही आयोजित शांति समिति की बैठक नगर आयुक्त ने सम्पन्न किया था, जिससे महापौर, उपमहापौर और पार्षद काफी नाखुश चल रहे हैं। नगर आयुक्त के इस रवैया से परेशान होकर निगम भागलपुर परिसर में पार्षद एकता मंच के बैनर तले एक दिवसीय सांकेतिक धरना सह विरोध प्रदर्शन का आयोजन किया गया। प्रदर्शन के दौरान शहर के सभी वार्ड के पार्षदों ने जमकर नगर आयुक्त के खिलाफ हल्ला बोल प्रदर्शन किया। वही प्रदर्शनकारी पार्षदों का कहना है कि नगर आयुक्त हमलोगों को कुछ समझते ही नहीं है, हमलोगों की किसी बातों पर अमल नहीं करते, हमलोग जनता के द्वारा चुनकर निगम उनके विकास अधिकार के लिए आए हैं, और पार्षद बने हैं। जनता के बीच जो वायदे हम लोगों ने किए हैं, हम लोग उन वादों को पूरे नहीं कर पा रहे हैं, उसका मुख्य कारण है, निगम के आलाधिकारी सह हिटलर नगर आयुक्त वी अपने हिसाब से नियम तय करना और मेयर, उप मेयर और पार्षदों की बातों को अनसुना कर चल रहे हैं, जिसके चलते ना तो शहर में सफाई हो पा रही है और न ही मूलभूत सुविधा ढंग से मिल पा रही है, साथ ही साथ प्रदर्शनकारी पार्षदों ने कहा होल्डिंग टैक्स में भी जनता को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है, सभी पार्षदों ने एक सुर में कहा कि नगर आयुक्त की हिटलर शाही नहीं चलने देंगे, अगर नगर आयुक्त हम लोगों की बातों को नहीं सुनेंगे तो हम लोग सड़क से सदन तक आवाज पहुंचाएंगे, और उनके विरुद्ध प्रदर्शन बड़ा रूप लेगा, हम लोग निगम के सारे कामकाज ठप कर देंगे।

# अपनी मांग को लेकर छात्रों ने प्रदर्शन करते हुए कुलपति का किया पुतला दहन

प्रात : किरण ब्यूरो

भागलपुर। टीएमबीयू में विगत दिनों से स्नातकोत्तर सेमेस्टर थर की परीक्षा तिथि बढ़ाने या फिर परीक्षा के बीच गैप बढ़ाने की मांग को लेकर छात्रों का लगातार आंदोलन का दौर जारी है, जबकि सोमवार से विश्वविद्यालय द्वारा जारी तिथी के अनुसार परीक्षा होनी है और आंदोलनकारी छात्रों के द्वारा विश्वविद्यालय प्रशासनिक भवन के सामने कुलपति का पुतला दहन किया, साथ ही प्रदर्शन कर रहे छात्रों ने मांग की गई है कि अगर परीक्षा में गैप नहीं दी गई तो छात्र संघ के समर्थन में आयोजित परीक्षा का बहिष्कार करेंगे।

वही छात्र छात्राओं का आरोप है कि कुलपति के द्वारा छात्रावास में रह रही छात्र छात्राओं को छात्रावास से बाहर निकालने की धमकी तक दी जा रही है, वही छात्रों का कहना है कि कुलपति के द्वारा तालिबानी रवैया अपनाया जा रहा है। वही छात्रों के आंदोलन को देखते हुए स्थानीय पुलिस प्रशासन सहित कई थानों की पुलिस के अलावा सीआईटी की टीम भी विश्वविद्यालय परिसर में मौजूद रही है। वही छात्रों के आंदोलन को देखते हुए जिला प्रशासन द्वारा प्रतिनियुक्त मजिस्ट्रेट की भी तैनाती कर दी गई है, लेकिन मौजूद पुलिस प्रशासन के द्वारा आक्रोशित छात्रों को काफी समझाने के बाद भी छात्र मानने को तैयार नहीं थे, छात्र काफी उग्र है और मांग पूरी नहीं होने पर परीक्षा बहिष्कार करने की बात कह रहे हैं। वही सुरक्षा व्यवस्था को लेकर पुलिस प्रशासन की टीम विश्वविद्यालय परिसर में मौजूद दिखी है। अब देखने वाली बात है कि विश्वविद्यालय प्रशासन छात्रों की समस्या का निवारण करने के किस रणनीति के तहत कार्य करती हैं।

# 16वें दिन शिक्षकों और कर्मचारियों का रहा प्रदर्शन जारी

प्रात : किरण ब्यूरो

भागलपुर। वित्त रहित अनुदानित शिक्षक कर्मचारी संघ के द्वारा टीएमबीयू के प्रशासनिक भवन में लगातार 16वें दिन भी प्रदर्शन जारी है। टीएमबीयू के अंतर्गत जितने भी एफिलिएटिड कॉलेज हैं, उन कॉलेजों के शिक्षकों व कर्मियों के लिए 3 महीने पहले आवंटित मानदेय भुगतान राशि आ चुकी है, लेकिन विश्वविद्यालय द्वारा अभी तक किसी भी शिक्षकों व कर्मचारियों को उक्त राशि का भुगतान नहीं किया गया है, जिसकी मांग को लेकर शिक्षक व कर्मचारियों का लगातार विश्वविद्यालय प्रशासन कार्यशैली के विरुद्ध प्रदर्शन जारी है। वही मामले को लेकर प्रदर्शनकारी वित्त रहित अनुदानित शिक्षक कर्मचारी संघ के अध्यक्ष प्रदीप कुमार सिंह ने बताया कि कुलपति डॉ./प्रो. जवाहर लाल सिर्फ टालमटोल कर रहे हैं, उन्हें शिक्षकों के वेतन से कमीशन चाहिए, इसलिए इस तरह की बातें कर रहे हैं, उन्होंने यह भी बताया कि कुलपति का कहना है कि विश्वविद्यालय में वित्त पदाधिकारी नहीं है उनके आने के बाद ही यह आवंटित राशि मुहैया कराई जाएगी, लेकिन यह आज की बात नहीं है, विगत 3 महीने से यह टालमटोल किया जा रहा है। जिससे शिक्षकों की स्थिति काफी दयनीय हो बद से बत्तर स्थिति में गुजर रही है, वह घर परिवार चलाने में असमर्थ स्थिति में चल रहे हैं। वहीं विश्वविद्यालय के रवैये को लेकर शिक्षको व कर्मचारियों ने हल्ला बोल प्रदर्शन शुरू कर दिया है।सभी एफिलिएटिड कॉलेज शिक्षकों ने कुलपति के विरुद्ध अपनी मानदेय राशि भुगतान की मांग को लेकर हल्ला बोल प्रदर्शन करते हुए कहा है कि अगर हम लोगों की बातों को जल्द से जल्द नहीं माना गया तो विश्वविद्यालय में तालाबंदी करेंगे, और यहां के सारे कामकाज ठप कर देंगे। गौरतलब हो कि वित्त रहित अनुदानित शिक्षक कर्मचारी संघ के इस प्रदर्शन में दर्जनों शिक्षक लगातार 16 दिन से धरना प्रदर्शन कर रहे हैं, लेकिन कुलपति का रवैया पूर्णरूपेण उदासीन बना हुआ है, जिससे अनुदानित शिक्षक कर्मचारी काफी आक्रोशित दिख रहे है।

# बम ब्लास्ट की घटना में 17 वर्षीय युवक की हुई मौत ,तीन घायल

प्रात : किरण ब्यूरो

भागलपुर। एक बार फिर जिले में बम ब्लास्ट की घटना घटित होने का मामला सामने आया है। घटना को लेकर बताया जा रहा है कि बबरगंज थाना क्षेत्र अंतर्गत हुसैनाबाद के कुरैशी इलाके में हुई बम धमाके से पूरा दक्षिण इलाका सिहर उठा है, वही बम विस्फोट की घटना में एक 17 बर्षीय युवक मो. तौसीफ की मौत मौके पर ही हो गई है। जबकि इस घटना में तीन घायल होने की जानकारी सामने आई है। जिसमें मकान के मालिक अब्दुल गनी की पत्नी सुल्ताना खातून और अब्दुल मन्नान शामिल हैं।सभी घायलों को स्थानीय लोगों व पुलिस के सहयोग से बेहतर इलाज के लिए मायागंज अस्पताल लेजाया गया है। बम विस्फोट इतना जबरदस्त था कि आसपास इलाके के 5 किलोमीटर से अधिक दूरी तक विस्फोट की गूंज सुनाई दी।

वही घर के मालिक अब्दुल गनी का साफ कहना है कि यह बम विस्फोट था और बम कहां से आया था उन्हें नहीं पता, वह मोहल्ले वाले से पूछ रहे हैं। वही इलाके के वार्ड पार्षद के पति का कहना है कि यहां पर बम का जखीरा रखा हुआ था जैसे उन्हें सूचना प्राप्त हुई है, और उसी में विस्फोट हुआ है, बम क्यों रखा गया था अभी तक कोई पुख्ता जानकारी नहीं बता पा रहा है। वही घटना को लेकर सिटी डीएसपी अपनी पुलिस टीम के साथ साथ कई थानों की पुलिस टीम घटना स्थल पर पहुंच कर मामले की जांच में लगी हुई है। वही घटनास्थल की जांच को लेकर बम स्क्वायड, एफएसएल सहित डॉग स्क्वायड टीम को मौके पर बुलाया गया है। वही इस बम विस्फोट की घटना में आसपास के घरों में भी काफी क्षति पहुंची है। वही अभी इस मामले पर पुलिस कुछ भी बोलने से बच रही है। ज्ञात हो कि उक्त इलाके में अपराधियों की वारदात को अंजाम देते रहे हैं। इलाके में चलने वाले बुच्छर खाना संचालन करने वाले लोगों से रंगदारी मांग तो, कभी बर्चस्व को लेकर तो कभी पुरानी रंजिश को लेकर गोलीबारी व बम विस्फोट की घटना घटित सामने आती रही है, लेकिन इलाके में इतनी अत्यधिक मात्रा में बम विस्फोट की घटना घटित होने किसी बड़ी वारदात को अंजाम देने की कोशिश चल रही थी इसके पूर्व ही बम विस्फोट की घटना ने पूरे इलाके को अचंभित कर दिया है।

# अपनी मांगों को लेकर किया हल्ला बोल प्रदर्शन

भागलपुर। टीएमबीयू के विश्वविद्यालय के सेवानिवृत्त शिक्षक व कर्मचारी ने अपनी मांगों को लेकर विश्वविद्यालय के प्रशासनिक भवन में धरना करते हुए हल्ला बोल प्रदर्शन शुरू कर दिया है। वही प्रदर्शन कर रहे सेवानिवृत्त शिक्षक व कर्मचारियों ने कहा हम लोगों को सेवांत भुगतान का लाभ नहीं दिया जा रहा है जबकि राज्य सरकार ने सारा पैसा विश्वविद्यालय को आवंटित कर दिया गया है, जबकि हम लोगों को लगातार कुलपति बरगलाने के साथ वेतनमान को लटकाने का काम कर रहे हैं। जिससे सभी सेवानिवृत्त शिक्षक व कर्मचारियों की हालत काफी दयनीय स्थिति में चल रही हैं, साथ ही प्रदर्शनकारियों ने कहा है कि हम लोगों को विगत 20 वर्षों से विश्वविद्यालय से मिलने वाली कई लाभ हम शिक्षक व कर्मचारियों को नहीं मिल पा रहा हैं। विगत 20 वर्षों में जो भी शिक्षक व कर्मचारी सेवानिवृत्त हुए हैं उन सबों का कुछ न कुछ राशि बकाया है, यह तरीका विश्वविद्यालय का बिल्कुल सही नहीं है। कई कर्मी बीमार से ग्रसित है,जिन्हें ग्रेजुएटी नहीं मिला और उनका पेंशन भी अबतक चालू नहीं हुआ है, इससे आहत हो त्रस्त चल रहे हैं। वही बहुत से शिक्षक व कर्मचारी अपनी लंबी बीमारी के चलते स्वर्गवास भी हो गए है, जिनके परिवार के बीच आर्थिक स्थिति बहुत ही खराब चल रही हैं, लंबी अवधि तक विश्वविद्यालय में योगदान देने के बाद भी हम लोगों के साथ सेवानिवृत्त होने के बाद दुर्व्यवहार रवैया अपनाने के साथ शोतेला पन व्यवहार किया जाना गलत है, विश्वविद्यालय प्रशासन के इस तरह का भ्रष्टाचार अब सहन नहीं होगा, हम लोगों के हक को देना होगा, अगर हम लोगों की बातों को विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा नहीं मानी गई तो हम लोग सरकार तक आवाज उठाएंगे, वहीं सेवानिवृत्त शिक्षक संघ के संयोजक सह भूस्टा के महासचिव पवन सिंह ने कहा कुलपति से हम लोगों ने कई बार इस बारे में बात की लेकिन सामने बहुत अच्छी बातें करते हैं, लेकिन उसके बाद कागजी प्रक्रिया में वह शून्य हैं, कुलपति हम लोगों को अनदेखी करने का काम रहे हैं।

# गंगा में डूबने पर एक किशोर की हुई मौत

शाहकुंड (भागलपुर)। अकबरनगर थाना क्षेत्र के कासमाबाद दियरा इलाके में गंगा स्नान के दौरान एक किशोर डुबने से मौत होने का मामला सामने आया है। घटना को लेकर ग्रामीणों ने बताया कि नागलोई दिल्ली कॉलोनी शिव मंदिर के रहने वाले शांतिलाल मंडल के 15 बर्षीय पवन कुमार है, जो अपने मामा बासुदेव मंडल कसमाबाद गांव घूमने आया हुआ था। मृतक पवन कुमार कसमाबाद दियरा में सुबह के करीब आठ बजे गंगा में स्नान करने के क्रम में पवन के डूबने की जानकारी प्राप्त हुई जिसके बाद ग्रामीणों ने गंगा में काफी खोजबीन के बाद मृतक पवन के शव को गंगा नदी के पानी से बाहर निकाला लेकिन पवन की तबतक मौत हो चुकी थी।

# पुलिस परिवार परामर्श केंद्र में कुल 35 मामले की हुई सुनवाई, 10 का किया गया निष्पादन

प्रात : किरण संवाददाता

पूर्णिया ।पूर्णिया पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर आयोजित होने वाले पुलिस परिवार परामर्श केंद्र में 6 उजड़े हुए घरों को समझा-बुझाकर फिर से बसा दिया गया। प्रत्येक सप्ताह आयोजित होने वाले पुलिस परिवार परामर्श केन्द्र में कुल 35 मामले सुनवाई हुई जिसमें से 10 मामलों को निष्पादित किया गया। डगरूआ थाना क्षेत्र से आयी एक महिला ने शिकायत की कि उसके पति ने दूसरी शादी कर ली है। पति ने बताया कि उसकी बीबी बार-बार मायके चली जाती थी।

इससे तंग आकर उसने दूसरी शादी कर ली है। फिर भी पहली पत्नी अपने पति के साथ रहना चाहती है, लेकिन सौतन के साथ नहीं रहना चाहती है। इस पर पति ने तीन महीने का समय मांगते हुए कहा कि नया घर बनाने के बाद वह पहली पत्नी को अपने साथ लेकर जाएगा। तब तक 3 हजार रूपए प्रति महीना गुजारा भत्ता के रूप में दूंगा। इसका बाउंड बनाया गया। वहीं मरंगा थाना क्षेत्र के हरदा बस्ती से आयी एक महिला ने केन्द्र के सदस्यों को बताया कि उसके पति हमेशा गाली गलौज व मारपीट करता रहता है। इसको लेकर पंचायत भी बैठी फिर भी कोई फैसला नहीं हो सका। केन्द्र के सदस्यों के समझाने बुझाने के बाद दोनों एक साथ रहने को राजी हो गए।

बंध पत्र बनाकर खुशी-खुशी अपने घर को विदा हुए। कसबा थानाक्षेत्र के मजगामा बस्ती से आयी एक पति की दो बीबीयां का मामला भी केन्द्र के सदस्यों ने सुनकर निदान किया। केन्द्र के सदस्यों के समझाने के बाद छोटी बीवी ने केंद्र को विश्वास दिलाया की वह अपनी बड़ी सौतन को बड़ी दीदी की तरह मानेगी और कभी कोई शिकायत का मौका नहीं देगी। इसके बाद पति ने दोनों बीबी को रखने को तैयार हो गया। इस मौके पर पुलिस परिवार परामर्श केन्द्र की संयोजिका सह महिला थानाध्यक्ष किरण बाला, सदस्य दिलीप कुमार दीपक, स्वाती वैश्यंत्री, प्रमोद कुमार जायसवाल, रविन्द्र साह आदि उपस्थित थे।

# पूर्णिया पूर्व के 45 फाइलेरिया मरीजों में एमएमडीपी किट वितरित

पूर्णिया । वेक्टर जनित गंभीर रोगों में शामिल फाइलेरिया संक्रमित मरीजों को नियमित रूप से आवश्यक उपचार की जरूरत होती है। इसके लिए उन्हें आवश्यक दवाइयों के साथ संक्रमित अंग का पूरा ध्यान रखना होता है। अच्छी तरह से ध्यान रखने पर फाइलेरिया संक्रमण को गंभीर होने से रोक जा सकता

है। इसी कार्यक्रम के तहत जिले के पूर्णिया पूर्व प्रखंड के हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर रानीपतरा में कार्यक्रम आयोजित कर 45 फाइलेरिया ग्रसित मरीजों में मोरबिडिटी मैनेजमेंट एंड डिसेबिलिटी प्रिवेंशन (एमएमडीपी) किट का वितरण किया गया। किट में लाभुकों को तौलिया, साबुन, मग, टब आदि सामग्री दी गई। सभी मरीजों को फाइलेरिया ग्रसित अंगों की देखभाल करने और आवश्यक दवाइयों का नियमित उपयोग करने की जानकारी दी गई। इस दौरान जिला वेक्टर जनित रोग नियंत्रण पदाधिकारी डॉ. आर. पी. मंडल, पूर्णिया पूर्व के प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ शरद कुमार, भीडीसीओ रवि नंदन, डीभीबी डीसी सोनिया मंडल, केयर के बीसी शिव शंकर कुमार सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

इस कार्यक्रम में सभी फाइलेरिया मरीजों को ग्रसित अंगों के नियमित रूप से देखभाल की जानकारी दी गई। उन्हें बताया गया है फाइलेरिया ग्रसित होने पर उसका सम्पूर्ण इलाज नहीं किया जा सकता। ऐसे में ग्रसित अंगों की सही तरीके से देखभाल जरूरी है। ज्यादातर लोगों के पांव फाइलेरिया से ग्रसित होते हैं जिसे आमतौर पर हाथीपांव भी कहा जाता है। ग्रसित होने पर लोगों को इसका विशेष ध्यान रखना जरूरी है। पांव को नियमित रूप से डेटॉल साबुन से साफ करने के साथ उसमें एंटीसेप्टिक क्रीम लगानी चाहिए। इससे ग्रसित अंगों का आवश्यक नियंत्रण किया जा सकता है।

जिला वेक्टर जनित रोग नियंत्रण पदाधिकारी डॉ. आर. पी. मंडल ने बताया कि फाइलेरिया मच्छरों द्वारा फैलता है। विशेष रूप से परजीवी क्यूलैक्स मादा मच्छर के काटने से। जब यह मच्छर किसी फाइलेरिया से ग्रस्त व्यक्ति को काटता है तो वह संक्रमित हो जाता है। फिर जब यह मच्छर किसी स्वस्थ व्यक्ति को काटता है तो फाइलेरिया के विषाणु रक्त के जरिए उसके शरीर में प्रवेश कर उसे भी फाइलेरिया से ग्रसित कर देते हैं। फाइलेरिया को खत्म करने के लिए कोई विशेष इलाज नहीं हैं लेकिन जागरूक रहकर बचाव करने से इससे उबरा जा सकता है। फाइलेरिया न सिर्फ व्यक्ति को विकलांग बनाता है बल्कि इससे मरीज की मानसिक स्थिति पर भी बुरा प्रभाव पड़ता है। यह ऐसी गंभीर बीमारी है जो किसी की जान तो नहीं लेती है, लेकिन जिंदा आदमी को मृत समान बना देती है। संक्रमित मच्छर के काटने से बहुत छोटे आकार के कृमि शरीर में प्रवेश करते हैं। ये कृमि लसिका तंत्र की नलियों में होते हैं और उन्हें बंद कर देते हैं। इस बीमारी को हाथीपांव के नाम से भी जाना जाता है। अगर समय रहते फाइलेरिया की पहचान कर ली जाए तो जल्द ही इसका इलाज शुरू कर इसे खत्म किया जा सकता है।

उक्त कार्यक्रम में चांदी पेशेंट सपोर्ट ग्रुप की सदस्य टुन्नी देवी ने स्थानीय ग्रामीणों को बताया कि फाइलेरिया बीमारी से ग्रसित लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। क्योंकि जब भी मौसम में बदलाव होता है, उस दौरान उनकी परेशानी काफी बढ़ जाती है। यदि, उन्हें शुरूआती दौर में ही फाइलेरिया की जानकारी होती तो शायद आज उन्हें इस परेशानियों से जूझना नहीं पड़ता। एक बार जब फाइलेरिया बीमारी के कारण हाथी पांव या हाइड्रोसील में सूजन हो जाती, तब उसका कोई मुकम्मल इलाज नहीं है। लेकिन हां, नियमित दवाओं के सेवन और साफ सफाई मात्र से इस बीमारी को बढ़ने से रोका जा सकता है। उन्होंने लाभुकों से अपील करते हुए कहा कि आप सभी को फाइलेरिया रोधी दवाओं का सेवन अनिवार्य रूप से करना चाहिए। ताकि माइक्रो फाइलेरिया के परिजीवी होने से उनको नष्ट किया जा सकता है।

# पुलिस को मिली बड़ी सफलता, सिरदर्द बना वाहन लूटकांड का हुआ भंडाफोड़

प्रात : किरण संवाददाता

पूर्णिया । चार पहिया वाहन लूट कांड का पूर्णिया पुलिस ने सफल उद्भेदन किया। पूर्णिया सदर एसडीपीओ पुष्कर कुमार ने प्रेसवार्ता कर जानकारी देते हुए बताया कि लूटी गई टाटा टियागो कार एवं एक मोबाईल फोन के साथ घटना में संलिप्त दो कुख्यात अपराधकर्मी को गिरफ्तार किया गया है। साथ ही घटना में प्रयुक्त टाटा टैगोर कार को भी बरामद कर लिया गया है। गौरतलब है कि तीन अज्ञात अपराध कर्मियों के द्वारा गोकुलपुर नहर सरसी, केनगर बॉर्डर के पास एक उजले रंग के टाटा टैगोर गाड़ी से एक ग्रे रंग का टाटा टियागो गाड़ी लूट लेने की घटना को अंजाम दिया गया था। घटना की सूचना मिलते ही केनगर थाना पुलिस के द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए घटना में कांड दर्ज कर अनुसंधान प्रारंभ किया गया। घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक के द्वारा अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सदर पुष्कर कुमार के नेतृत्व में एक पुलिस टीम का गठन किया गया जिसके सदस्य थानाध्यक्ष केनगर मुकेश कुमार मिश

## संक्षिप्त खबरें

### जिला मे भिषण गर्मी के कारण 28 जून तक सभी शिक्षण संस्थान बंद

गया। सचिव,आपदा प्रबंधन विभाग, गया जिला में भीषण गर्मी एवं उमस के कारण बच्चों के स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए, जिला पदाधिकारी, गया के निदेशानुसार गया जिला के सभी सरकारी गैरसरकारी विद्यालय एवं सभी शैक्षणिक संस्थान कोचिंग में शैक्षणिक गतिविधि का संचालन 28 जून तक स्थगित रखने का आदेश दिया जाता है।सभी विद्यालय प्रधान ,निदेशक एवं प्रबंधक उक्त निदेश का अनुपालन सुनिश्चित करेंगें। इसके साथ ही विद्यालय शिक्षा समिति तथा प्रबंध समिति के सदस्यों को उक्त आदेश से अवगत कराना सुनिश्चित करेंगें।

### आपातकाल का 48 वां विरोध दिवस आयोजन

गया ।9साल सेवा सुशासन गरीब कल्याण कार्यक्रम अंर्तगत जिला कार्यालय पंडित दीनदयाल उपाध्याय नगर रसलपुर में आपातकाल का 48वा विरोध दिवस का गोष्ठी का आयोजन किया गया इसका अध्यक्षता जिला अध्यक्ष प्रेमप्रकाश चिंटू सिंह के द्वारा किया गया इस गोष्ठी को मुख्य वक्ता के रूप में बिहार विधानसभा में मुख्य विरोधी दल के मुख्य सचेतक जनक सिंह उपस्थित होकर गोष्ठी को संबोधित करते हुए कहा आज से 48 वर्ष पूर्व 25जून1975 को संवैधानिक ढांचा एवं लोकतंत्र की हत्या तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के द्वारा किया गया एवं इस संघीय ढांचे का स्वयं फायदा के लिए सहारा लिया इस आपातकाल का पूरे देश में विरोध होने लगा इंदिरा गांधी के तानाशाह के रूप में शासक करते हुए निर्दोष आंदोलनकारियों पर गोली मारकर हत्या कर दिया गया एवं आंदोलन कर रहे नेताओ को जेल में बंद कर कई तरह की यातनाएं दीं गई उपरोक्त बातों को याद कर आज भी दिल सहम जाता है लोकतंत्र की हत्या करने वाले दलों के लोगो के द्वारा ओजस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र भाई मोदी को बदनाम करने के लिए विदेशों में जाकर भारत में लोकतंत्र का आलोचना करते हैं जबकि भारत का लोकतंत्र विदेशों में भी प्रशंसा की जाती हैं आज इस काला दिन का हमलोग विरोध दिवस मनाते रहेंगे क्योंकि सत्ता में आते ही सत्ता का नशा चढ़ जाता है ।

### तीन दिवसीय 9वें इंटरनेशनल कांफ्रेंस ऑन एनवायरनमेंट एंड इकलॉजी सम्मलेन का समापन

आरा।डिपार्टमेंट ऑफ एनवायरनमेंट साइंस, वर्धमान विश्वविद्यालय, पश्चिम बंगाल के द्वारा तीन दिवसीय 9वे इंटरनेशनल कांफ्रेंस ऑन एनवायरनमेंट एंड इकलॉजी सम्मलेन 22-24 जून तक आयोजित किया गया। इस बार कांफ्रेंस का थीम - ह्ल इमर्जिंग ट्रेंड्स इन एनवायरनमेंट बायोलॉजी, वायोटेक्नोलॉजी एप्रोच एंड सस्टेनएबिलिटी ह्ल था। इसमे महाराजा कॉलेज , वीर कुंवर सिंह यूनिवर्सिटी, आरा के वनस्पति शास्त्र विभाग के अतिथि सहायक प्रोफेसर डॉ राजेश कुमार ने भी अपना व्यख्यान दिया। डॉ कुमार ने अपने शोध टॉपिक ह्ल तुलसी की औषधीय गुणों एवं पर्यावरण शुद्धिकरण में भूमिका ह्ल पर अपने विचार रखा। इस सम्मलेन मे कई देशों कनाडा, नार्वे, बांग्लादेश एवं भारत के शिक्षाविद, भूगोलविद, शोधाथियों ने अपने विचार प्रस्तुत किये। सम्मेलन मे डॉ कुमार को ह्ल वायोडार्विसिटी कंजर्वेशन अवार्ड -2023 ह्ल पर्यावरण एवं संसाधनों के सही उपयोग में विशेष योगदान के लिए दिया गया। अपने इस सफलता का श्रेय अपने कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ आभा सिंह , माता -पिता और कॉलेज के शिक्षकगण एवं गैर शिक्षकगण को देते है, जिनके विशेष सहयोग से ही सफलता मिली है।

### भाजपा का 9 साल बेमिसाल कार्यकाल के उपलक्ष्य में बीजेपी द्वारा सम्मेलन का अयोजन

रक्सौल। भाजपा द्वारा स्थानीय वाईएस रिजॉर्ट में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नौ साल बेमिसाल कार्यकाल पूरा होने के उपलक्ष्य में लाभार्थी सह प्रबुद्ध सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का संचालन भाजयुमो के प्रदेश महामंत्री ई. जितेंद्र कुशवाहा ने किया। इस कार्यक्रम में उपस्थित मुख्य अतिथि पूर्व प्रदेश अध्यक्ष गोपाल नारायण सिंह ने कहा कि 80 करोड़ गरीबों को राशन, शौचालय, आवास, उज्जवला कनेक्शन, पांच लाख तक की निःशुल्क स्वास्थ्य सुविधाएं, इतना ही नहीं आपके द्वारा कमल का बटन दबाने से धारा 370 गायब हो गई। मोदी सरकार में 9 सालों में एक भी भ्रष्टाचार नहीं, श्रमिकों का निरंतर सम्मान हो रहा है। स्थानीय सांसद सह बीजेपी के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष डॉ. संजय जायसवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सरकार के नौ साल बेमिसाल रहे। केंद सरकार की जन कल्याणकारी योजनाएं गांव-गांव तक पहुंचे, इसके लिए कार्यकर्ता एकजुट होकर काम करें। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार में सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण का कार्य चल रहा है। पूर्व की सरकार की तुलना में वर्तमान केंद्र की सरकार विकास का पैसा सीधा लाभुक के खाते में पहुंचाती है। गरीबों को प्रधानमंत्री आवास, उज्जवला योजना, प्रधानमंत्री सम्मान निधि योजना, प्रधानमंत्री मुद्रा योजना का लाभ सीधा जनता को मिल रही है।

# नियोजित शिक्षकों को राज्यकर्मी में समायोजन को लेकर आरा पहुंचा शिक्षा, शिक्षक जागरण अभियान रथ

## मानसुन सत्र में बिहार विधानसभा का होगा घेराव

प्रात : किरण संवाददाता

आरा। बिहार राज्य प्रारंभिक शिक्षक संघ के प्रदेश अध्यक्ष प्रदीप कुमार पप्पु के नेतृत्व में शिक्षा- शिक्षक जागरण अभियान रथ आरा पहुंचा। स्थानीय शिक्षकों ने संघ के जिलाध्यक्ष पंकज कुमार सिंह मंटु के नेतृत्व में भव्य स्वागत किया गया। अभियान रथ का भोजपुर में स्वागत करते हुए रेड क्रॉस भवन, आरा में सभा की गई। अध्यक्षता संघ के जिलाध्यक्ष पंकज कुमार सिंह मंटु एवं संचालन प्रधान सचिव राजेश कुमार सिंह ने किया। संघ के प्रदेश अध्यक्ष प्रदीप कुमार पप्पु सहित सभी शिक्षक नेताओं ने डाक्टर भीमराव अंबेडकर, जयप्रकाश नारायण एवं वीर कुंवर सिंह की मूर्ति पर माल्यार्पण की। शिक्षकों को संबोधित करते हुए प्रदेश अध्यक्ष प्रदीप कुमार पप्पु ने कहा कि अधिकार यात्रा का शुभारंभ 21 जुन से शिक्षा मंत्री के गृह जिला मधेपुरा से किया गया है।

अध्यापक नियुक्ति नियमावली 2023 बिहार की मुख्यधारा शिक्षा को बर्बाद करने के उद्देश्य से लाई गई है। इस नियमावली को लागु होने के पश्चात एक ही विद्यालय में तीन तरह के शिक्षक शिक्षण कार्य करते नजर आएंगे। जिससे शिक्षा ब्यवस्था में विषमता आएंगी। बच्चों के शिक्षा पर इसका ब्यापक दुष्प्रभाव पडेगा। संघ के प्रदेश उपाध्यक्ष शंभु यादव ने कहा कि बिहार सरकार ने शिक्षकों से वादाखिलाफी का काम किया है। महागठबंधन के नेता सुबे के उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने विगत विधानसभा चुनाव के दौरान चुनावी घोषणापत्र में शिक्षकों को राज्य कर्मी का दर्जा समान काम- समान वेतन एवं पुरानी पेंशन लागु करने का वादा किया गया था। परंतु सत्ता में आने के बाद सरकार ने शिक्षकों के साथ धोखा दिया है।सरकार को इसका खामियाजा भुगतना पडेगा। मधुबनी जिलाध्यक्ष संजीव कुमार कामत ने कहा कि रथ यात्रा के दौरान सभी जिलों के संघीय प्रतिनिधियों एवं शिक्षकों को गोलबंद कर बिहार विधानसभा के मानसून सत्र में विधानमंडल एवं विधायकों का घेराव करने की राजब्यापी आन्दोलन की तैयारी की जाएगी। ताकि विधानसभा सत्र के दौरान पटना के आन्दोलन में सूबे के सभी नियोजित शिक्षक जूट सके। प्रदेश कोषाध्यक्ष सह उपाध्यक्ष अनवार करीम ने कहा कि सरकार बीपीएससी से शिक्षक बहाली के नाम पर आम जनता को भ्रमित कर शिक्षकों के प्रति द्वेष फैला रही है।

संघ के जिलाध्यक्ष पंकज कुमार सिंह मंटु ने कहा कि बीपीएससी की परीक्षा में सफल एवं असफल दोनों तरह के शिक्षक जब विद्यालयों में बच्चों को पढाएंगे ही तो उस परीक्षा का औचित्य क्या है। मानसुन सत्र में हो रहे विधानसभा घेराव में हजारों शिक्षक आरा से कुच कर पटना को पाटने का काम करेंगे। मंटु ने कहा कि सरकार अपने वादे को पुरा करे तथा 2003- 2023 तक नियुक्त सभी शिक्षकों को राज्य कर्मी में समायोजित कर समान काम- समान वेतन एवं समान सेवा- शर्त लागू करें। कार्यक्रम में परिवर्तनकारी प्रारंभिक शिक्षक संघ के शौकत अली अपने सैकड़ों शिक्षकों के साथ संघ से इस्तीफा देकर बिहार राज्य प्रारंभिक शिक्षक संघ की सदस्यता ग्रहण की। कार्यक्रम में उपस्थित शिक्षकों में संघ के प्रदेश अध्यक्ष प्रदीप कुमार पप्पु, संघ के प्रदेश कोषाध्यक्ष सह उपाध्यक्ष अनवार करीम, उपाध्यक्ष शंभु यादव, महासचिव राकेश कुमार, सचिव निरंजन कुमार, धनन्जय कुमार सिंह, संघ के जिलाध्यक्ष पंकज कुमार सिंह मंटु, प्रधान सचिव राजेश कुमार सिंह, कोषाध्यक्ष धर्मेन्द्र प्रसाद, उपाध्यक्ष परमेश्वर पासवान, सदाकत हुसैन, संजय कुमार सिंह, नन्दकिशोर सिंह, इन्दु श्रीवास्तव, शंकर कुमार, सचिव उपेन्द्र कुमार सिंह, महेश रजक, प्रखण्ड अध्यक्ष क्रमशः किंग अभिषेक क्षत्रप, अरुण कुमार सिंह उर्फ गोरखनाथ सिंह, निर्भय कुमार सिंह, लालबाबु सिंह, संतोष कुमार सिंह, विजय कुमार, संतोष प्रसाद, राणा जी, संजय कुमार सिंह,सत्येंद्र दुबे, मोहम्मद असलम रजा, सचिव जयप्रकाश ठाकुर, मोहम्मद आफताब अहमद, विजय कुमार,जितेंद्र भगत, हरेन्द्र कुमार, ओमप्रकाश चौधरी, निर्मल कुमार, संजय भाष्कर, जितेंद्र कुमार, जगदीशपुर महासचिव चन्द्रदेव कुमार सिंह सहित हजारों शिक्षक- शिक्षिका शामिल थे।

## श्री भारत वर्षीय बनरवाल महासभा के तहत सम्मान समारोह आयोजित

प्रात : किरण संवाददाता

गया। गया के धर्मसभा भवन में बिहार प्रदेश श्री बरनवाल वैश्य महासभा रजिस्ट्रड बिहार प्रदेश द्वारा एक सम्मान समारोह आयोजित किया गया है जिसे बिहार प्रदेश अध्यक्ष और गया जिला अध्यक्ष ने दिप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की शुरूआत की गई,इस कार्यक्रम को रोकाने के लिए बहुत लोग आए,जहा एकता होती है वहा विरोधी भी नही कुछ कर पाते हैं यह बात चिर्तार्थ किया गया जिला बरनवाल समाज ने दिखाया।

इस सम्मान समारोह का आयोजन बिहार प्रदेश अध्यक्ष के नेतृत्व में सम्पन्न हुई है डा राजेन्द्र प्रसाद गुप्ता ने निम्नलिखित लोगो समाज में एक मिसाल कायम करने वाले प्रबुद्ध,समाजीक, स्वतंत्रता सेनानी, पत्रकार लोगों को सम्मानित किया गया है। इसमें राजू वर्णवाल ने पाच साल काहा थे यह प्रश्न किया। इसमे वार्ड पार्षद अशोक कुमार, वार्ड पार्षद चंचला देवी, वार्ड पार्षद जमुई मंगीता देवी पत्रकार एवं हाई कोर्ट सुप्रीम कोर्ट के अधिवक्ता अजीत भारद्वाज,गया के पत्रकार लोगों को सम्मानित किया गया है।इस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए मुख्य भूमिका निभाई रितेश कुमार,शिव शंकर प्रसाद,नन्द लाल गुप्ता,संजीत कुमार,विजय कुमार, राकेश कुमार, मुकेश कुमार,मनीष कु मार,सबिता राज,सुलेखा कुमारी,संजुला गुप्ता, इस कार्यक्रम के सफल आयोजन पर प्रदेश अध्यक्ष ने बधाई दी वही सभी पत्रकार को अजीत भारद्वाज वैश्य व्यपार न्यूज एवं हाईकोर्ट एवं सुप्रीम कोर्ट अधिवक्ता द्वारा सम्मानित किया गया।

# विश्व गायत्री परिवार की युवा इकाई मगध युवा प्रकोष्ठ ने किया रक्तदान शिविर का आयोजन

प्रात : किरण संवाददाता

गया। दिव्या अग्रदूत , बिहार के द्वारा प्रत्येक माह के अंतिम रविवार के दिन रक्तदान शिविर का आयोजन किया जाता है ।

इसी कड़ी में रविवार को मगध मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल के रक्त अधिकोष केंद्र में स्वैच्छिक रक्तदान का आयोजन किया गया है। इस शिविर का उद्घाटन बीआईटी ग्रुप ऑफ एजुकेशन के संस्थापक सह एमडी आदरणीय इंजीनियर अवधेश कुमार दीया रक्त अग्रदूत , बिहार के संरक्षक मुकेश कुमार ,समन्वयक , अमित कुमार ,सहायक समन्वयक लौकेश कुमार ने दीप प्रज्वलित करके शुरूआत की है ।

इस शिविर में लगभग 20 रक्तदाताओं ने अपना स्वैच्छिक रक्तदान किया वर्ष 2012 से लगातार रक्त की निःशुल्क सेवा प्रदान करता रहा है । समन्वयक अमित कुमार ने कहा कि अब तक हमारे कई नियमित दाताओं को बीएससीएस सह स्वास्थ विभाग के तरफ से आयोजित कार्यक्रम में डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव ने सम्मानित भी किया है। और आने वाले समय में बिहार के सभी जिलों के रक्तदाताओं के लिए एक ऐतिहासिक सम्मान समारोह के आयोजन भी किया जाना है।आज के रक्तदाताओं में राजेश कुमार 13बार , महाराज कुमार 5 बार , लौकेश कुमार 12बार , आर्यन राज 8 बार , दीपरंजन 17 बार , रणधीर 5 बार , आयुष कुमार वर्मा 5 बार , चंदन कुमार पासवान 1 बार , सोनू श्री 8 बार , अभिषेक कुमार गुप्ता 1 बार , राजेश कुमार 8 बार , नितेश कुमार 8 बार , आरभ 10 बार , मंजीत कुमार 06 बार , अनिकेत कुमार 8 बार , कुमार अंकित 4 बार , रोहित कुमार 2 बार , अभिषेक कुमार रोहित 19 बार , सुहानी 1 बार आदि ने रक्तदान कर मानवता का मान बढ़ाया है। इस रक्तदान शिविर को सफल बनाने में मनीष कुमार गुप्ता , अमरजीत कुमार , आलोक कुमार , आयुष कुमार, सुमित कुमार आदि उपस्थित रहें।

## गड़हनी पिकेट में हुई बकरीद को ले शांति समिति की बैठक

अविनाश कुमार राव

गड़हनी। भोजपुर जिले के नव सृजित नगर पंचायत गड़हनी में स्थित पुलिस पिकेट में चरपोखरी थाना प्रभारी संजय कुमार सिन्हा की अध्यक्षता में 29 जून को होने वाले बकरीद को ले शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक का संचालन गड़हनी थाना प्रभारी राजीव रंजन कुमार ने किया।थाना प्रभारी संजय कुमार ने बकरीद में सांप्रदायिक सौहार्द बनाए रखने के लिए सभी व्यक्तियों की सहभागिता काफी महत्वपूर्ण है।क्षेत्र में कहीं से किसी प्रकार की कोई हिंसक व अप्रिय घटना न हो इसके लिए सभी प्रतिनिधि एवं जनप्रतिनिधि के सहयोग की जरूरत है। नव नियुक्त थाना प्रभारी संजय कुमार सिन्हा ने नगर पंचायत गड़हनी के सभी जनप्रतिनिधियों से अपील किये की वे पुलिस का सहयोग करें पुलिस सदैव आपके साथ खड़ी है।समाज मे गलत करने वाले लोग विशेष कर नशा का सेवन करने व बेचने वालों पर हमारी पैनी नजर है।गलत करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा। मौके पर मुख्य पार्षद प्रतिनिधि गुड्डू मुखिया वार्ड एक के पार्षद प्रतिनिधि अविनाश राव वार्ड दो के पार्षद मुन्ना कुमार राम वार्ड 8 के पार्षद चन्दन कुमार सोनी वार्ड 9 के पार्षद पिंटु कुमार पार्षद प्रतिनिधि असलम अंसारी पिंटु चौधरी राजद नेता श्रीनिवास यादव लालबाबू टेलर यमुना प्रसाद अकबर अली मो० रमीज मो० सोनू सहित दर्जनों समाजिक कार्यकर्ता उपस्थित थे।

## आपातकाल के 48वें काला दिवस के अवसर पर भाजपा महानगर द्वारा सम्मान समारोह

गया महानगर कार्यालय में एक गोष्ठी आयोजन किया गया है। इस गोष्ठी में जे पी सेनानी के सिपाही मुखरवक्ता , अखौरी निरंजन प्रसाद एवं प्रभात कुमार सिन्हा को भाजपा नेताओं के द्वारा आपातकाल के समय अदम्य साहस की सराहना करते हुए अंगवस्त्र एवं गुलदस्ता देकर सम्मानित किया गया है। सम्मान समारोह में अपने उद्बोधन में अखौरी निरंजन सिन्हा ने कहा की गया की धरती से हीं, आपातकाल का विरोध करने वालों को जिला प्रशासन के द्वारा कई निर्दोष लोगों की गोली मारकर हत्या कर दी गयी थी। उसी आक्रोश में गया में जय प्रकाश नारायण जी का गया में आगमन हुआ, एवं गया के ऐतिहासिक गाँधी मैदान में कर्फ्यू रहते हुए, लाखों के संख्या में लोग जूटे और जय प्रकाश नारायण के आवाहन पर हम लोगों ने गया के आंदोलन का नेतृत्व किया, और हम लोगों को 23 महीने जेल में रखा गया। इस अवसर पर भाजपा जिला उपाध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद अधिवक्ता ने कहा, की भारतीय लोकतंत्र की हत्या के इरादे से 25 जून 1975 को पूरे देश में आपातकाल लाकर देश के सुन्दर और सनातन इतिहास में काला अध्याय जोड़ा गया है। इस आपातकाल में गैर कांग्रेसी विचार धारा वालों को इंदिरा गांधी के तानाशाह के कारण बंदी बनाने का काम किया गया है।

## प्रॉपर्टी डीलर की हत्या के मामले मे पत्नी ने दर्ज कराई प्राथमिकी

बोचहां ।थाना क्षेत्र के आदि गोपालपुर पंचायत स्थित बुद्ध नगरा गांव के रोड किनारे 24 जून को प्रोपर्टी डीलर की हत्या कर शव फेंक देने के मामले में मृतक मो वसीम अंसारी की पत्नी समीना खातून ने अज्ञात लोगों के खिलाफ थाना में लिखित शिकायत की है। अहियापुर थाना क्षेत्र के हरपुर बखरी गांव निवासी समीना खातून ने पुलिस को बताया कि 23 जून को मेरा पति जरूरी काम से घर से बाहर गया था देर रात तक नहीं लौटा काफी खोजबीन करने के बाद भी कि कहीं उसका कोई पता नहीं चला रविवार की सुबह बोचहां पुलिस द्वारा सूचना दी गई एक व्यक्ति का शव बरामद किया गया है, जिसे पोस्टमार्टम के लिए एसकेएमसीएच भेजा गया है , परिजनों ने पोस्टमार्टम हाउस जाकर देखने के बाद मृतक की पहचान की गई मृतक की पत्नी समीना खातून ने यह दावा किया है कि उसके पति को अज्ञात व्यक्ति द्वारा हत्या कर दी गई है।

# रक्तदान के लिए हमेशा तत्पर रहते हैं अमित सिंह भुटाली, जरूरत पड़ने पर कर सकते हैं संपर्क

प्रात : किरण संवाददाता

आरा। एक बार फिर से जमालपुर निवासी अमित सिंह भुटाली ने एक नया आयाम लिखा है। साथियों..ये कारवां आगे बढ़ते ही जायेगा जब तक हम जिंदा है ये आगे बढ़ते ही जायेगा। आज इन्होंने 5वी बार रक्तदान किया, इनका कहना है कि रक्तदान महादान होता है ह्वधीरे-धीरे लोग इसका महत्व समझने लगे हैं और रक्तदान के प्रति जागरूकता का माहौल भी देखने को मिल रहा है। फिर भी बहुत सारे जिनको अभी अभी रक्तदान करने से डर लगता हैं, तो हमारा कृतव्य हैं कि हम उन्हें जागरूक करे। उन्होंने भोजपुरवासियों के लिए अपना संपर्क नंबर भी जारी किया है उन्होंने कहा कि आप उन्हें 8083061870 पर संपर्क कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि वो जिले वासियो के लिए मुफ्त में सेवा देने के लिए लगातर कई वर्षो से कार्य कर रहें हैं। उन्होंने कहा कि हमको यह भावना जन-जन तक पहुंचानी चाहिए कि रक्तदान महादान है। इससे लाखों लोगो की जिंदगी बच सकती है।

अगर आप की वजह से किसी की जिन्दगी बचती हैं तो आपको जो संतुष्टि का एहसास होगा उसे शब्दों में बयाँ करना मुमकिन नही हैं। समाजसेवी अमित सिंह भूटाली अपने गांव से 20 किमी की दूरी तय कर रक्तवीर रक्तदान करने अपने गांव जमालपुर से जिला मुख्यालय आरा पहुंचा। पहली बार यह रियल हीरो रक्तदान करने नहीं पहुंचा है बल्कि पांचवी बार सूचना मिलने पर वह रक्तदान करने पहुंचा है। इस रक्तवीर को मरीज के परिजनों ने आने जाने का खर्च तथा अन्य खर्च देने आग्रह किया लेकिन उसने विनम्रता से इंकार करते कहा आने जाने में कोई खर्च हुआ ही नहीं। मैंने तो अपना कर्तव्य का पालन किया है। बस आपके बच्चे जान बच जाए। वही हमारे लिए सबकुछ है। कोइलवर प्रखंड के जमालपुर निवासी युवक समाजसेवी अमित सिंह भूटाली अपने एक मित्र के आग्रह पर पांचवी बार रक्तदान करने जिला मुख्यालय के रेड क्रॉस पहुंचा। जगदीश पुर के धंगाई निवासी विशाल सिंह को बी पाजीटिव ब्लड की जरूरत थी। अपने मित्र कि सूचना मिलने पर समाजसेवी भूटाली सिंह अपने गांव जमालपुर से 20 किमी की दूरी तय कर जिला मुख्यालय आरा के रेड क्रॉस पहुंचा और मरीज को रक्त दिया। इतनी दूर से आने पर मरीज के परिजनों ने उसे आने जाने का खर्च देने आग्रह किया। परिजनों के इस आग्रह को लेने से युवक ने विनम्रता से इंकार करते कहा कि हमने अपने कर्तव्य का पालन किया है। हमारी इच्छा बस इतनी है कि आपने इस बच्चे का जान बच जाए। वही हमारा सबकुछ है। उसके मित्र को पहले जानकारी ही नहीं थी कि उक्त युवक पहले भी चार बार रक्तदान करने पहुंचा था।

## पूर्व मंत्री ने जनसंपर्क जन सभा को संबोधित करते हुए केन्द्र सरकार की उपलब्धियों को गिनाया

आरा/बड़हरा । भारतीय जनता पार्टी द्वारा लगातार चलाए जा रहे महाजनसंपर्क अभियान कार्यक्रम के अंतर्गत विशेष जनसंपर्क कार्यक्रम के तहत रविवार को राजस्थान के पूर्व मंत्री और वर्तमान मे राज्यसभा सांसद राजेन्द्र गहलौत बड़हरा विधानसभा के सरैया मंडल के घांघर विंदटोली और सलेमपुर मंडल के धमार गाँव के जनसभा मे बतौर मुख्य अतिथि व मुख्य वक्ता शामिल हुए। सरैया मंडल के घांघर बिंदटोली मे महादलित और महिलाओं के जनसभा की अध्यक्षता सरैया मंडल संयोजक करोड़पति सिंह और धमार जनसभा की अध्यक्षता सलेमपुर मंडल अध्यक्ष धनंजय तिवारी ने किया। बड़हरा विधानसभा क्षेत्र के कार्यक्रम मे शामिल होने आए राज्यसभा सांसद गहलौत जी का भब्य स्वागत स्थानीय विधायक राघवेन्द्र प्रताप सिंह और कार्यकताओ द्वारा किया गया। भारतीय जनता पार्टी भोजपुर द्वारा आयोजित द्वय जनसभा को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि राजेन्द्र गहलौत ने उपस्थित महादलित महिलाओं को सम्मानित किया। उन्होने जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि केन्द्र मे भाजपा सरकार प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व मे सेवा,सुशासन और गरीब कल्याण का सरकार है। नौ वर्षो मे गरिबो के लिए योजनाओं की झड़ी लग गई। कोरोना के समय मे सरकार ने देश को सुरक्षित रखते हुए जनकल्याणकारी कार्य किए जिसकी प्रशंसा आज पूरे विश्व कर रही है।एक तरफ जहाँ विश्व के सभी देशो को आर्थिक मंदी से गुजरना पड़ा ,वही दूसरी तरफ भारत ने दो-दो वैक्सीन का निर्माण कर अपने देश के साथ पड़ोसी देश के लोगो की भी जान बचाई। गरीबो के मुफ्त मे अनाज,आयुष्मान योजना से पाँच लाख तक इलाज,घर-घर बिजली,प्रधानमंत्री आवास योजना, स्वच्छता योजना,उज्जवला योजना,जन-धन योजना सहित सारी योजनाएँ गरीबों के लिए लाभकारी सिद्ध हो रहा है। आज देश विश्व की पाँचवी अर्थव्यवस्था वाली देश बन गई और पूरा विश्व भारत की तरफ देख रहा है।आज प्रधानमंत्री जी ने विश्व मे देश का मान-सम्मान बढाया है। वहीं बड़हरा विधायक राघवेन्द्र प्रताप सिंह ने भोजपुरी मे जनसभा को संबोधित किया और कहा कि पहली बार भारत के प्रधानमंत्री को अमेरिका और विकसित देश हाँथो पर उठा कर चल रही है।

## भाजपा ने आपातकाल दिवस को काला दिवस के रुप मे मनाया

प्रात : किरण संवाददाता

आरा । भारतीय जनता पार्टी भोजपुर द्वारा काँग्रेस द्वारा देश पर थोपी गई आपातकाल की याद मे काला दिवस मनाया गया। काला दिवस पर मुख्य कार्यक्रम प्रबुद्ध सम्मेलन स्थानीय जैन धर्मशाला सभागार मे किया गया।कार्यक्रम की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष दुर्गा राज और संचालन जिला उपाध्यक्ष प्रेम पंकज ललन ने किया। प्रबुद्ध सम्मेलन को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि राज्यसभा सांसद पूर्व मंत्री राजस्थान सरकार राजेन्द्र गहलोत ने कहा कि 25 जून 1975 को तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी द्वारा देश के अंदर इमरजेंसी लगाकर लोकतांत्रिक ढाँचो को गिराया गया। अलोकतांत्रिक रूप से लोकतांत्रिक संगठनो पर प्रतिबंध लगाया गया।पूरे देश मे भ्रष्टाचार के खिलाफ जय प्रकाश नारायण जी के नेतृत्व मे संपूर्ण क्रांति आंदोलन चलाए जा रहे थे। उसी बीच 25 जून 1975 से 21 मार्च 1977 तक संपूर्ण क्रांति आंदोलन के दौरान पूरे देश मे लोगो को प्रताडित किया गया।मीडिया पर भी प्रतिबंध लगाया गया।सभी नेताओं को जेल मे डाल दिया गया।संघर्ष के दौरान कितने लोगो को जान भी गवानी पड़ी।उक्त संपूर्ण आंदोलन के दौरान कांग्रेस के विरोध मे संघर्ष कर रहे नेता आज कहाँ है।जनसंघ ने अपना विलय जनता पार्टी मे कर लिया था और आज भारतीय जनता पार्टी देश को आगे बढाने और भारतीय लोकतंत्र को बढाने पर तत्पर है।वही जय प्रकाश नारायण जी के आंदोलन से पैदा हुए नेता उसी कांग्रेस के साथ मिलकर विपक्षी एकता की नाटक कर रही है।भारत की जनता ऐसे लोगो को पहचान गई है और इन्हे दरकिनार कर 2024 मे नरेन्द्र मोदी जी को फिर से प्रधानमंत्री बनाएँगे। उन्होने कहा कि नौ वर्षो मे दलित,पिछड़ा,अतिपिछड़ा, आदिवासी सभी के लिए काम हुआ है।यह सरकार सेवा,सूशासन और गरीब कल्याण की सरकार है। जिलाध्यक्ष दुर्गा राज ने आपातकाल को काला दिवस के रुप मे याद करते हुए प्रबुद्धजनों से परिचर्चा करते हुए कहा कि आज आपातकाल के विरोध मे संपूर्ण क्रांति आंदोलन के साथी रहे कांग्रेस के साथ मिलकर लोकतंत्र को सयाप्त करने पर तुले हुए है। कांग्रेस के युवराज विदेशो मे जा कर भारत की लोकतंत्र सयाप्त करने की बात करते है,लेकिन उनसे पूछना चाहिए कि 25 जून 1975 से 21 मार्च 1977 तक देश मे किस लोकतंत्र की रक्षा हो रही थी। प्रबुद्ध लोगो ने परिचर्चा मे शामिल होकर आपातकाल के समय को याद करते हुए अपने अनुभवो को साक्षा किए और कहा कि आज देश ही नही विश्व मे भारत की लोकतंत्र को मजबूती मिला है।देश बढ रहा है,सभी जगह विकास हो रहा है और विश्व भर मे देश का मान-सम्मान बढा है।

कार्यक्रम मे विधानपार्षद जीवन कुमार ने परिचर्चा मे भाग लेते हुए कहा कि नौ वर्षो मे देश मे जितना विकास का काम हुआ है,उससे जनता खुश हो कर 2024 मे भाजपा की सरकार बनाएगी। विभिन्न विचारधाराओं के विरोधियों को मंच पर हाथ मिलाने और फोटो सेशन करने से जनता को बेवकूफ नही बनाया जा सकता। कार्यक्रम को लोकसभा प्रभारी प्रमोद सिंह,जिला उपाध्यक्ष धीरेन्द्र सिंह,मीरा यादव,उदय प्रताप सिंह,कौशल यादव,सतीश भट्ट,महामंत्री नरेन्द्र तिवारी, पुनम कुशवाहा, अशोक शर्मा, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य हरेन्द्र पांडेय,मिथिलेश कुशवाहा, प्रो. किस्मत सिंह,मुखिया विनोद सिंह ने भी संबोधित किया। प्रबुद्ध सम्मेलन मे जिला मंत्री मधु मिश्रा, बिनय बेलाऊर, संतोष चंद्रवंशी, मीडिया प्रमुख संजय कुमार सिंह,रमेश कुमार कर्ण, जिला प्रवक्ता,राजेश सिंह, पिंटु कुशवाहा, अजय गुप्ता सहित प्रबुद्धजन शामिल हुए।

## पटना में होगी तीन दिवसीय अंग अंगिका महोत्सवः डॉ विभुरंजन

प्रात : किरण ब्यूरो

भागलपुर। अंगिका को बिहार में द्वितीय राज भाषा का दर्जा मिले इसको लेकर आगामी 28, 29 और 30 अक्टूबर 2023 को राजधानी पटना में आयोजित होने वाली "अंग-अंगिका महोत्सव 2023" को लेकर अंगिका प्रेमी व साहित्यकारों की पहली बैठक बायपास रोड सुल्तानगंज स्थित अंगलोक भवन सुधीर कुमार प्रोग्रामर के आवास पर संपन्न हुई। बैठक में मधेपुरा, भागलपुर, बांका, मुंगेर, खड़गपुर, सुल्तानगंज इत्यादि जगहों के साहित्यकारों ने हिस्सा लिया। सर्व प्रथम बैठक की अध्यक्षता करते हुए अंगिका साहित्य कला मंच के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष ब्रह्मदेव नारायण सत्यम ने कहा कि अंग अंगिका महोत्सव की तैयारी बृहद पैमाने पर की जा रही है इसीलिए सबों को अपनी अपनी जिम्मेवारी समझनी होगी।

कला मंच के जिला अध्यक्ष साथी सुरेश सूर्य एवं प्राण मोहन प्राण ने कहा कि महोत्सव जोरदार तरीके से हो इसके लिए हम सभी तैयार हैं। वही अंग अंगिका महोत्सव के सचिव डॉ. विभुरंजन ने महोत्सव में पांच हजार से ज्यादा साहित्यकारों व अंगिका प्रेमी के जुटने की बात कही, साथ ही इस अवसर पर एक स्मारिका प्रकाशन की भी बात कही। महोत्सव का उद्घाटन बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के द्वारा कराए जाने के लिए स्वीकृति सितंबर में लिए जाने की बात सचिव डॉ विभुरंजन ने कही। वहीं महोत्सव के संयोजक वरिष्ठ साहित्यकार सह समाजसेवी संजय कुमार सुमन ने बताया कि स्मारिका लगभग तीन सौ पृष्ठों की होगी और इसमें प्रकाशित होने वाली सामग्री स्तरीय होगी जो विषय विशेषज्ञों द्वारा चयनित होगी। कला मंच के प्रदेश महासचिव सुधीर कुमार प्रोग्रामर म

## इंतजार का बंपर फायदा

**नई दिल्ली, एजेंसी।** पिछले एक दशक में शेयर बाजार में कई ऐसे स्टॉक हैं जिन्होंने निवेशकों को मल्टीबैगर रिटर्न दिया है। ऐसा ही एक स्टॉक फेज थ्री लिमिटेड का है। इस स्टॉक ने पिछले 10 वर्षों में निवेशकों को लगभग 5,700 प्रतिशत का बंपर रिटर्न दिया है। वहीं, पिछले पांच वर्षों में स्टॉक ने निवेशकों को 302 प्रतिशत का रिटर्न दिया होगा। अगर किसी निवेशक ने 10 साल पहले स्टॉक में 10,000 रुपये का निवेश किया था।

## 1 साल में 4 गुना रिटर्न

**नई दिल्ली, एजेंसी।** अगर आप भी उन निवेशकों में से एक हैं जो बोनस शेयर पर दांव लगाना पसंद करते हैं तो आपके लिए गुड न्यूज है। कंपनी ने इस बोनस इस बोनस इश्यू के लिए रिकॉर्ड डेट का भी ऐलान कर दिया है। इनवेस्टर्स के नजरिए से अच्छी बात यह है कि कंपनी शेयर बाजार में भी दमदार प्रदर्शन कर रही है।

# गो फर्स्ट को फिर से उड़ान भरने के लिए चाहिए 425 करोड़ रुपये, दावा- कर्जदाताओं की मंजूरी का है इंतजार

**नई दिल्ली, एजेंसी।** गो फर्स्ट के समाधान पेशेवर शैलेंद्र अजमेरा ने एयरलाइंस फाइनेंसरों से अंतरिम वित्त में 425 करोड़ रुपये की मांग की है, ताकि एक पुनरुद्धार योजना बनाई जा सके और एयरलाइन का परिचालन फिर से शुरू करने में मदद मिल सके। बता दें कि गो फर्स्ट के दिवालिया मामले में शैलेंद्र अजमेरा को समाधान पेशेवर (आरपी) के रूप में नियुक्त किया गया है। संकट में फंसी विमानन कंपनी के कर्जदाताओं की समिति (सीओसी) ने यह फैसला किया है। ऋणदाताओं ने उन्हें गो फर्स्ट के लिए आरपी (समाधान पेशवर) बनाने के लिए एनसीएलटी से मंजूरी ली है।

सूत्रों ने हवाले से मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि भविष्य में विमानों के लिए दुरुस्त इंजनों की उपलब्धता और टिकट रद्द

होने जैसी कुछ आकस्मिकताओं के आधार पर वित्तपोषण की जरूरत और बढ़ सकती है। बताया गया है कि सप्ताह की शुरुआत में हुई एक बैठक में गो फर्स्ट के लेनदारों की समिति के समक्ष वित्त पोषण से जुड़ा यह प्रस्ताव रखा गया। बता दें कि गो फर्स्ट के कर्जदाताओं की समिति में सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया, बैंक ऑफ बड़ौदा, आईडीबीआई बैंक और ड्यूश बैंक शामिल हैं। अजमेरा जो कर्जदाताओं की समति की ओर से समर्थित है ने अब तक इस मामले में आधिकारिक तौर पर कोई टिप्पणी नहीं है। सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया समेत अन्य बैंकों ने भी इस पर फिलहाल कोई टिप्पणी नहीं की है। गो फर्स्ट को देश के विमानन क्षेत्र के नियामक नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) से एयरलाइन का परिचालन फिर से शुरू करने के लिए अपनी मंजूरी लेनी है। पर यह मंजूरी एयरलाइन के लिए वित्तपोषण की उपलब्धता सुनिश्चित होने के बाद ही मिल पाएगी।

गो फर्स्ट को फिर से परिचालन शुरू करने के लिए नियामक की सहमति हासिल करने से पहले लेनदारों से वित्तपोषण प्रस्ताव पर मंजूरी लेना है। मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि एयरलाइंस के लेनदारों ने वित्तपोषण के लिए अपनी सैद्धांतिक मंजूरी दे दी है, जबकि कुछ लेनदारों का कहना है कि वे अंतरिम वित्त प्रस्ताव को मंजूरी देने से पहले विमानन नियामक से स्पष्टता हासिल करने का इंतजार कर रहे हैं।

बता दें गो फर्स्ट ने दिवाला व ऋणशोधन अक्षमता संहिता (आईबीसी) की धारा 10 के तहत दिवाला प्रक्रिया के लिए याचिका दायर की है, जो किसी कंपनी को कर्ज समाधान के लिए स्वेच्छा से अदालती प्रक्रिया में पेश होने की अनुमति देता है। राष्ट्रीय कंपनी विधि न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) ने 10 मई को गो फर्स्ट की दिवाला याचिका स्वीकार कर ली थी

गो फर्स्ट पर बैंकों और वित्तीय संस्थानों का करीब 6,000 करोड़ रुपये बकाया है। एनसीएलटी में स्वैच्छिक दिवाला के लिए अपने आवेदन में गो फर्स्ट ने कहा कि उसने विमान पट्टेदारों को 2,600 करोड़ रुपये और वेंडरों को 1,200 करोड़ रुपये का भुगतान करने में चूक की है। कंपनी ने कहा कि उसने दिवालिया प्रक्रिया के लिए याचिका इसलिए दायर की है क्योंकि अमेरिका की एयरोस्पेस निर्माता कंपनी प्रैट एंड व्हिटनी की ओर से उसे आपूर्ति किए गए खराब इंजनों के कारण उसके कई विमान परिचालन से बाहर हैं।

# इस हफ्ते ओपन होंगे 2 आईपीओ

## साइएंट डीएलएम और आइडियाफोर्ज टेक्नोलॉजी में निवेश का मौका, मिनिमम इन्वेस्टमेंट 14,784 रुपए

**नई दिल्ली, एजेंसी।** इस हफ्ते शेयर मार्केट में लिस्टिंग के लिए 2 इनिशियल पब्लिक ऑफर ओपन होंगे। इसमें साइएंट डीएलएम और आइडियाफोर्ज टेक्नोलॉजी शामिल हैं। साइएंट डीएलएम इलेक्ट्रिक मैन्युफैक्चरिंग सर्विस उपलब्ध कराने वाली कंपनी है। वहीं, आइडियाफोर्ज ड्रोन बनाने वाली कंपनी है। आइए इन दोनों आईपीओ के बारे में एक-एक करके जानते हैं।

साइएंट डीएलएम इस आईपीओ के जरिए कंपनी 567 करोड़ रुपए जुटाना चाहती है। इस इश्यू के लिए कंपनी ने 250-265 रुपए प्राइस बैंड तय किया है। रिटेल निवेशक इस आईपीओ के लिए 27 जून से 30 जून तक अप्लाई कर सकेंगे। इसमें रिटेल निवेशक मिनिमम एक लॉट यानी 56 शेयरों के लिए अप्लाई कर सकते हैं। यदि वह आईपीओ के अपर प्राइज बैंड 265 रुपए के हिसाब से 1 लॉट के लिए अप्लाई करते हैं, तो उनको 14,840 रुपए इन्वेस्ट करने होंगे। साइएंट डीएलएम के आईपीओ के लिए रिटेल निवेशक मैक्सिमम 13 लॉट यानी 728 शेयर्स के लिए बिडिंग कर सकते हैं, जिसके लिए उन्हें अपर प्राइज बैंड के हिसाब से 192,920 रुपए खर्च करने होंगे। आइडियाफोर्ज टेक्नोलॉजी लिमिटेड इस आईपीओ के जरिए 592 करोड़ रुपए जुटाना चाहती है।

इस इश्यू के लिए कंपनी ने 638-672 रुपए प्राइस बैंड तय किया है। रिटेल निवेशक इस आईपीओ के लिए 26 जून से 29 जून तक अप्लाई कर सकेंगे। इसमें रिटेल निवेशक एक लॉट यानी 22 शेयरों के लिए अप्लाई कर सकते हैं। यदि वह आईपीओ के अपर प्राइज बैंड 672 रुपए के हिसाब से 1 लॉट के लिए अप्लाई करते हैं तो उनको 14,784 रुपए लगाने होंगे। आइडियाफोर्ज टेक्नोलॉजी लिमिटेड के आईपीओ के लिए भी रिटेल निवेशक मैक्सिमम 13 लॉट यानी 286 शेयर्स के लिए बिडिंग कर सकते हैं। इसके लिए उन्हें अपर प्राइज बैंड के हिसाब से 192,192 रुपए खर्च करने होंगे।

# टॉप-10 कंपनियों में से 6 ने मार्केट कैप से 1 लाख रुपये घटा

**नई दिल्ली, एजेंसी।** 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों में से छह का संयुक्त बाजार मूल्यांकन पिछले सप्ताह 83,637.96 करोड़ रुपये की संयुक्त गिरावट का सामना करना पड़ा। इसमें टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज टीसीएस सबसे बड़ी हिट रही। आइए जानते हैं कि इस कारोबारी हफ्ते में टॉप-10 फर्म कौन-से हैं? रिलायंस इंडस्ट्रीज का बाजार मूल्यांकन 40,695.15 करोड़ रुपये घटकर 17,01,720.32 करोड़ रुपये रह गया। इस कारोबारी सप्ताह के समाप्त होने पर रिलायंस इंडस्ट्रीज का बाजार मूल्यांकन 40,695.15 करोड़ रुपये घटकर 17,01,720.32 करोड़ रुपये रह गया। हिंदुस्तान यूनिलीवर का मूल्यांकन 17,222.5 करोड़ रुपये घटकर 6,20,797.26 करोड़ रुपये रह गया। वहीं, स्टेट बैंक का बाजार पूंजीकरण 14,814.86 करोड़ रुपये घटकर 4,95,048.22 करोड़ रुपये और इंफोसिस का 11,204.66 करोड़ रुपये घटकर 5,25,228.89 करोड़ रुपये रह गया। आईटीसी का एम कैप 10,625.95 करोड़ रुपये कम होकर 5,52,611.81 करोड़ रुपये और आईसीआईसीआई बैंक का मूल्यांकन 7,717.39 करोड़ रुपये घटकर 6,46,262.77 करोड़ रुपये रह गया।

एचडीएफसी बैंक ने 23,525.6 करोड़ रुपये जोड़े, जिससे उसका बाजार मूल्यांकन 9,18,984.17 करोड़ रुपये हो गया। इसी के साथ टीसीएस का एम कैप 15,441.19 करोड़ रुपये बढ़कर 11,77,281.48 करोड़ रुपये हो गया। एचडीएफसी का मूल्यांकन 13,821.74 करोड़ रुपये बढ़कर 5,03,318.08 करोड़ रुपये और भारती एयरटेल का मूल्यांकन 11,297.68 करोड़ रुपये बढ़कर 4,77,710.47 करोड़ रुपये हो गया। टॉप-10 फर्मों की रैंकिंग में रिलायंस इंडस्ट्रीज अभी भी पहले स्थान पर है। इसके बाद टीसीएस, एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, हिंदुस्तान यूनिलीवर, आईटीसी, इंफोसिस, एचडीएफसी, भारतीय स्टेट बैंक और भारती एयरटेल रहे। इस हफ्ते आईसीआईसीआई बैंक, हिंदुस्तान यूनिलीवर, आईटीसी, इंफोसिस और भारतीय स्टेट बैंक को अपने बाजार पूंजीकरण में गिरावट का सामना करना पड़ा।

## बंगाल के लूप लाइन में मालगाड़ी टकराई, यात्री ट्रेनों का बदला मार्ग

**जमशेदपुर, एजेंसी।** पश्चिम बंगाल के आद्रा खड़गपुर मार्ग में रविवार सुबह 4 बजे फिर दो मालगाड़ियों में टक्कर हो गई। घटना आद्रा रेल मंडल के ओंडाग्राम स्टेशन के पास लूप लाइन की है। मालगाड़ियों की टक्कर में एक इंजन समेत 11 वैगन क्षतिग्रस्त हो गए। इससे रेलकर्मियों और अधिकारियों में अफरातफरी का माहौल है जबकि मालगाड़ियों के टक्कर से 8 यात्री ट्रेनों का परिचालन प्रभावित हुआ है। आद्रा खड़गपुर मार्ग की आनंद विहार पुरी एक्सप्रेस और रांची हावड़ा एक्सप्रेस को आद्रा के बजाय टाटानगर होकर चलाने का दक्षिण पूर्व जोन से हुआ है। वहीं, आधा दर्जन लोकल ट्रेनों का परिचालन रद्द करने के साथ टाटा आसनसोल ट्रेन को दूसरे स्टेशनों पर रोकने की तैयारी है। बताया जाता है कि लूप लाइन पर खड़ी मालगाड़ी की टक्कर से आसपास के खंभे भी उखड़ गए हैं।

# इस हफ्ते सोने-चांदी में बड़ी गिरावट

**नई दिल्ली, एजेंसी।** इस हफ्ते सोने-चांदी के दामों में बड़ी गिरावट देखने को मिली है। इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन की वेबसाइट के अनुसार सर्राफा बाजार में इस हफ्ते की शुरुआत, यानी 19 जून को सोना 59370 रुपए पर था, जो अब, यानी 24 जून को 58,395 रुपए प्रति 10 ग्राम पर आ गया है। यानी इस हफ्ते इसकी कीमत 985 रुपए कम हुई है।

इस हफ्ते चांदी में 4 हजार रुपए से ज्यादा की गिरावट देखने को मिली है। इस हफ्ते की शुरुआत में ये 72,626 रुपए पर थी जो अब 68,304 रुपए प्रति किलोग्राम पर आ गई है। यानी इस हफ्ते इसकी कीमत 4,322 रुपए कम हुई है।

इस महीने यानी जून में अब तक सोने में गिरावट देखने को मिली है। इस महीने की शुरुआत यानी 1 जून को ये 60,113 रुपए प्रति 10 ग्राम पर था, जो अब 58,395 रुपए पर है। यानी इसके दाम में 1,718 रुपए की गिरावट आई है।

आइआइएफएल सिक्योरिटीज के वाइस प्रेसिडेंट अनुज गुप्ता कहते हैं कि सोने में ये गिरावट स्थाई नहीं हैं। आने वाले दिनों में इसकी कीमत में फिर बढ़त देखने को मिल सकती है। अनुज गुप्ता के अनुसार साल के आखिर तक सोना फिर 62 हजार तक जा सकता है।

अगर आप इन दिनों सोना खरीदने का प्लान बना रहे हैं तो, ब्यूरो ऑफ इंडियन स्टैंडर्ड का हॉलमार्क लगा हुआ सर्टिफाइड गोल्ड ही खरीदें। नए नियम के तहत एक अप्रैल से छह डिजिट वाले अल्फान्यूमेरिक हॉलमार्किंग के बिना सोना बेचने पर रोक लगा दी गई है।

जैसे आधार कार्ड पर 12 अंकों का कोड होता है, उसी तरह से सोने पर 6 अंकों का हॉलमार्क कोड होगा। इसे हॉलमार्क यूनीक आइडेंटिफिकेशन नंबर यानी हुड कहते हैं। ये नंबर अल्फान्यूमेरिक यानी कुछ इस तरह से हो सकता है- ए4524। हॉलमार्किंग के जरिए ये पता करना संभव हो गया है कि कोई सोना कितने कैरेट का है।

आइआइएफएल सिक्योरिटीज के वाइस प्रेसिडेंट अनुज गुप्ता कहते हैं कि सोने में ये गिरावट स्थाई नहीं हैं। आने वाले दिनों में इसकी कीमत में फिर बढ़त देखने को मिल सकती है। अनुज गुप्ता के अनुसार साल के आखिर तक सोना फिर 62 हजार तक जा सकता है। अगर आप इन दिनों सोना खरीदने का प्लान बना रहे हैं तो, ब्यूरो ऑफ इंडियन स्टैंडर्ड का हॉलमार्क लगा हुआ सर्टिफाइड गोल्ड ही खरीदें। नए नियम के तहत एक अप्रैल से छह डिजिट वाले अल्फान्यूमेरिक हॉलमार्किंग के बिना सोना बेचने पर रोक लगा दी गई है।

जैसे आधार कार्ड पर 12 अंकों का कोड होता है, उसी तरह से सोने पर 6 अंकों का हॉलमार्क कोड होगा। इसे हॉलमार्क यूनीक आइडेंटिफिकेशन नंबर यानी हुड कहते हैं। ये नंबर अल्फान्यूमेरिक यानी कुछ इस तरह से हो सकता है- ए4524। हॉलमार्किंग के जरिए ये पता करना संभव हो गया है कि कोई सोना कितने कैरेट का है।

# डीसीबी बैंक नए आयकर संग्रह पोर्टल पर हुआ लाइव

## करदाताओं को अब कर भुगतान और कर रिटर्न की ई-फाइलिंग के लिए मिलेगा एक ही प्लेटफॉर्म

**मुंबई एजेंसी।** नई पीढ़ी के निजी क्षेत्र के बैंक डीसीबी बैंक ने घोषणा की कि उसने भारत सरकार के आयकर पोर्टल (टीआईएन 2.0) के साथ एकीकृत एक नई प्रत्यक्ष कर संग्रह प्रणाली को सफलतापूर्वक लागू किया है। यह एकीकरण करदाताओं को कर भुगतान और कर रिटर्न की ई-फाइलिंग दोनों के लिए सुविधाजनक एक ही प्लेटफॉर्म प्रदान करेगा। डीसीबी बैंक के ग्राहक तीन प्राथमिक चैनलों - व्यक्तिगत और व्यावसायिक इंटरनेट बैंकिंग या डीसीबी बैंक शाखा में जाकर नकद, चेक या डिमांड ड्राफ्ट जैसे भुगतान विकल्पों का लाभ उठाकर आसानी से प्रत्यक्ष कर का भुगतान कर सकते हैं। ग्राहक आयकर विभाग के ई-फाइलिंग पोर्टल पर एक अकाउंट बनाकर टैक्स कलेक्शन प्लेटफॉर्म का उपयोग कर सकते हैं। इस प्लेटफॉर्म के जरिये ग्राहक कुछ ही क्लिक के साथ कभी भी, कहीं भी अपने कर भुगतान के लिए पैन/टैन विवरण के साथ एक चालान संदर्भ संख्या प्राप्त कर सकते हैं। इसके बाद चालान संदर्भ संख्या का उपयोग करके भुगतान करने के लिए अधिकृत चैनलों का उपयोग किया जा सकता है। डीसीबी बैंक, हेड रिटेल बैंकिंग, श्री प्रवीण कुट्टी ने कहा, डीसीबी बैंक करदाताओं को त्वरित, सुरक्षित और कुशलता पूर्वक तरीके से प्रत्यक्ष कर के भुगतान की सुविधा प्रदान करता है। यह ऑनलाइन तरीका बहुत सुविधाजनक है और इससे करदाताओं को अपने घर या कार्यालय से भुगतान जमा करने की सुविधा मिलती है, और इस तरह समय और लागत में काफी बचत होती है। इस प्रक्रिया में तत्काल भुगतान पावती और चालान रसीद जारी करने का लाभ शामिल है, यह सब बिना किसी खर्च के किया जाता है। इस प्रयास में समर्थन के लिए हम भारत सरकार के केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) के बहुत आभारी हैं।

# 167 पर जाएगा यह शेयर, एक्सपर्ट बोले- जल्दी खरीदो रेखा झुनझुनवाला के पास भी हैं 4.83 करोड़ शेयर

**नई दिल्ली, एजेंसी।** पिछले शुक्रवार को प्राइवेट सेक्टर के फेडरल बैंक के शेयरों में बड़ी गिरावट आई थी। हालांकि, इस शेयर को लेकर एक्सपर्ट बुलिश नजर आ रहे हैं। करीब 44 एक्सपर्ट में से ज्यादातर ने इस शेयर को खरीदने की सलाह दी है। इस शेयर का औसत टारगेट प्राइस 167 रुपये है। अभी की कीमत के लिहाज से शेयर में 37 प्रतिशत तक की तेजी आने की उम्मीद की जा रही है। बता दें कि रेखा झुनझुनवाला के पास कंपनी में 2.31 पर्सेंट हिस्सेदारी है। रेखा झुनझुनवाला के पोर्टफोलियो में फेडरल बैंक के 4,82,13,440 शेयर हैं। शुक्रवार को फेडरल बैंक के शेयर की कीमत बीएसई इंडेक्स पर 122.15 रुपये थी। यह एक दिन

पहले के मुकाबले 1.33 प्रतिशत की गिरावट को दिखाता है। 23 जून 2022 को शेयर की कीमत 85.60 रुपये पर थी। यह शेयर के 52 हफ्ते का निचला स्तर है। वहीं, जनवरी 2023 को शेयर की कीमत 143.35 रुपये थी। यह शेयर का 52 हफ्ते का उच्चतम स्तर है। हाल ही में भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने फेडरल बैंक के कार्यकारी निदेशक के रूप में हर्ष दुगर की नियुक्ति को मंजूरी दे दी है। दुगर 23 जून, 2023 से 23 जून, 2026 तक तीन साल का कार्यकाल पूरा करेंगे। अप्रैल 2021 से फेडरल बैंक में ग्रुप प्रेसिडेंट और होलसेल बैंकिंग प्रमुख थे। दुगर अक्टूबर 2016 में बैंक से जुड़े थे। मार्च, 2023 को समाप्त तिमाही में फेडरल बैंक का प्रॉफिट 67 प्रतिशत बढ़कर 902.61 करोड़ रुपये रहा। इससे पिछले वित्त वर्ष 2021-22 की जनवरी-मार्च तिमाही में बैंक का प्रॉफिट 540.54 करोड़ रुपये रहा था।

# टेलिकॉम सेक्टर में टूटेगा चीन का दबदबा, भारत और अमेरिका के रिश्तों को नई उड़ान देगा आरोन

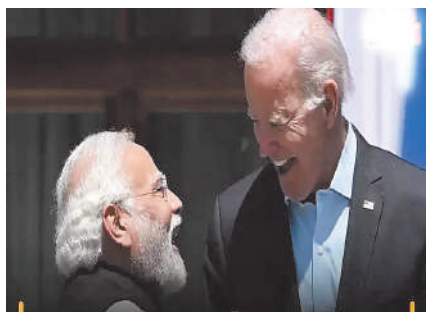

- चीन की कंपनियों से राष्ट्रीय सुरक्षा को खतरे की आशंका
- भारत और अमेरिका का जोर ओपन रेडियो एक्सेस नेटवर्क पर

**नई दिल्ली, एजेंसी।** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अमेरिका दौरे में कई बिजनस डील की हैं। भारत और अमेरिका टेलिकॉम सेक्टर में चीन के दबदबे को तोड़ना चाहते हैं। इसके लिए ओपन रेडियो एक्सेस नेटवर्क को सबसे अहम माना जा रहा है। इसका मकसद सेल्युलर नेटवर्क में इस्तेमाल होने वाले हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर को इंटरऑपरेट की सुविधा देना है, चाहे वेंडर कोई भी हो। कई देशों में इस पर काम हो रहा है। इससे भारत और अमेरिका जैसे देशों को मिलकर मल्टी-वेंडर नेक्स्ट जेनरेशन टेलिकॉम सॉल्यूशन विकसित करने में मदद मिल सकती है। इससे दोनों देशों की कंपनियों को फायदा होगा। अभी 4जी, 5जी और 6जी टेक्नोलॉजी में चीन और कुछ यूरोपीय देशों का दबदबा है।

भारत ओरान मॉडल के के तहत टेलिकॉम सॉल्यूशन के लिए एक अलग अप्रोच लेकर चल रहा है। इसके तहत अलग-अलग कंपनियां कॉम्प्लेक्स, इंटिग्रेटेड नेटवर्क्स बनाती हैं। भारत और अमेरिका के बीच हाई लेवल मीटिंग्स में ओरान पर चर्चा हो चुकी है। हाल में राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल और अमेरिका के जैक सुलीवन के बीच हुई बैठक में भी यह मामला उठा था। साथ ही क्वाड की बैठक में भी इस पर चर्चा हुई थी। चीन के टेलिकॉम कंपनियों को कई देशों ने अपनी राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा बताया है। इसलिए टेलिकॉम सेक्टर में चीन की बादशाहत को तोड़न के लिए कई देश सक्रियता दिखा रहे हैं। सिस्को जैसी अमेरिका की कई कंपनियों ने 4जी और 5जी सॉल्यूशन के रोलआउट और 6जी के विकास में भारतीय कंपनियों के साथ काम करने की इच्छा जताई है। जनवरी में भारत और अमेरिका के बीच लॉन्च क्रिटिकल एंड एमर्जिंग टेक्नोलॉजीज की प्राथमिकता लिस्ट में भी इसे जगह मिली है। इसका मकसद एआई, टेलिकॉम, ओरान, स्पेस, क्वांटम कंप्यूटिंग और सेमीकंडक्टर्स जैसे सेक्टर्स में दोनों देशों के बीच सहयोग को बढ़ावा देना है। भारत को ओरान के तहत कुछ शुरुआती फायदा मिला है। इसके लिए देसी कंपनियों ने एक कंसोर्टियम बनाया है। इसने 4जी और 5जी सॉल्यूशंस के विकास में अहम भूमिका निभाई थी। साथ ही देश में अपना टेलिकॉम स्टैक बनाने की भी कोशिश की जा रही है। भारत सरकार का मानना है कि भारत की सस्ती और सुरक्षित टेक्नोलॉजी दुनिया की उभरती इकॉनमीज और अमेरिका जैसे बड़े देशों के लिए आकर्षक हो सकती है।

# बोनस शेयर देगी रेमेडियम लाइफकेयर, खबर सुन रॉकेट बना शेयर, 7 महीने में 136 से 3949 पर आया भाव

**नई दिल्ली, एजेंसी।** रेमेडियम लाइफकेयर लिमिटेड अपने निवेशकों को तगड़ा मुनाफा दिया है। पिछले सात महीने में ही कंपनी के शेयरों ने 2800 प्रतिशत से ज्यादा का मुनाफा कराया है। शेयर के 52 हफ्ते का निचला स्तर 136.15 रुपये है। शेयर का यह स्तर 23 सितंबर 2022 को पहुंचा था। शुक्रवार को इसकी कीमत 3949 रुपये के हाई पर पहुंच गई थी। अब कंपनी के बोर्ड मेंबर ने बोनस शेयर देने का ऐलान किया है। 23 जनवरी को हुई बैठक में कंपनी ने 9:5 के रेशियो में बोनस शेयर देने की घोषणा की है। इसके लिए रिकॉर्ड डेट 29 जुलाई तय किया गया है।

बीएसइ पर दी गई जानकारी, सेबी के विनियम 42 (सूचीबद्धता दायित्व और प्रकटीकरण आवश्यकताएं), विनियम 2015, संशोधित के अनुसार, हम आपको सूचित करते हैं कि रेमेडियम लाइफकेयर लिमिटेड (कंपनी) ने रिकॉर्ड डेट शनिवार, 29 जुलाई, 2023 तय की है। कंपनी ने 9ः5 के रेशियो में बोनस इक्विटी शेयरों को अप्रूवल दिया है। यानी हर 5 शेयर पर कंपनी के 9 शेयर बोनस के तहत दिए जाएंगे। एक दिसंबर, 2022 के मुकाबले रेमेडियम लाइफकेयर लिमिटेड का शेयर सिर्फ सात महीने में 2800 प्रतिशत से ज्यादा चढ़ चुका है। आपको बता दें कि 1 दिसंबर 2022 को सेंसेक्स ने ऑल टाइम हाई को टच किया था। इसके बाद अब 23 जून 2023 को बाजार ने अपने पिछले ऑल टाइम हाई के स्तर को पीछे छोड़ दिया है। हाल ही में बीएसई-सूचीबद्ध कंपनी रेमेडियम लाइफकेयर ने एप्लिकेशन प्रोग्रामिंग इंटरफेस या एपीआई के निर्माण में प्रवेश किया है। इसने फार्मा और हेल्थकेयर क्षेत्र में एकीकरण और विविधता लाने के लिए हैदराबाद में मैन्युफैक्चरिंग फैसलिटीज का रणनीतिक अधिग्रहण किया है।

# तकनीकी शिक्षा सुधार के लिए 20 अरब रुपये देगा विश्व बैंक, साढ़े तीन लाख विद्यार्थियों को होगा फायदा

**नई दिल्ली, एजेंसी।** विश्व बैंक ने भारत के सरकारी तकनीकी शिक्षण संस्थानों में तकनीकी शिक्षा में सुधार के लिए 20.94 अरब रुपये कर्ज देने की मंजूरी दी है। योजना के तहत अगले पांच सालों में सभी राज्यों से चुने गए करीब 275 सरकारी तकनीकी संस्थानों के 3.50 लाख छात्रों को लाभ मिलेगा। विश्व बैंक के अनुसार, परियोजना के जरिये इन संस्थानों में शोध को बढ़ावा दिया जाएगा। इसके साथ-साथ छात्रों के कौशल विकास और उन्हें रोजगार परक बनाने में मदद मिलेगी। इसके अलावा उद्यमिता और नवाचार को भी बढ़ावा मिलेगा। परियोजना के हिस्से के रूप में विद्यार्थियों की उन्नत पाठ्यक्रम, नई तकनीक और संचार में पहुंच बढ़ेगी।

अमेरिका स्थित विश्व बैंक के कंट्री निदेशक ऑगस्टे तानो कौमे ने कहा कि परियोजना की सहायता से अगले पांच वर्षों के दौरान 275 सरकारी तकनीकी संस्थानों के साढ़े तीन लाख से अधिक छात्रों को लाभ मिलेगा। भारत में तकनीकी शिक्षा का धीरे-धीरे विस्तार हो रहा है। 2011-12 में भारत के 40,000 कॉलेजों में 29 मिलियन छात्र पंजीकृत थे। जबकि, 2019-20 में 40,000 विश्वविद्यालयों में 39 मिलियन छात्र पंजीकृत हैं। भारतीय शिक्षा प्रणाली में हाल ही में तकनीकी और गैर-तकनीकी क्षमताओं में बढ़त पाई गई है।

भारत शिक्षा के क्षेत्र में लगातार बढ़ रहा है। तकनीकी संस्थानों में अनुसंधान, उद्यमिता और नवाचार के साथ-साथ बेहतर प्रशासन पर अधिक जोर दिया गया है। परियोजना के तहत छात्रों को संचार और जलवायु लचीलेपन में उभरती प्रौद्योगिकियों सहित उन्नत पाठ्यक्रम तक पहुंच मिलेगी। छात्रों को इंटर्नशिप और प्लेसमेंट में भी लाभ मिलेगा। परियोजना भारत की नई शिक्षा नीति, 2020 का समर्थन करेगी। परियोजना नौकरियों और व्यावसायिक अवसरों के लिए छात्र को तैयार करती है। छात्रों को अपने पाठ्यक्रम समाप्त करने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा। इसके अलावा महिला छात्रों से भी आग्रह किया जाएगा कि वह सलाहकारों और पूर्व छात्रों के साथ जुड़े। वर्तमान में स्नातक इंजीनियरिंग छात्रों की संख्या कुल छात्रों के मुकाबले 30 प्रतिशत से भी कम है। साथ ही अनुसूचित जाति और जनजाति की महिलाएं की महिलाएं अब भी वंचित है।

# सहल और महेश ने सैफ चैंपियनशिप में छोड़ी छाप

**बेंगलुरू (एजेंसी)।** करिश्माई सुनील छेत्री के शानदार प्रदर्शन के बीच दो युवा फुटबॉलरों ने सैफ चैंपियनशिप में भारत के अपने अब तक के अभियान के दौरान प्रभावी प्रदर्शन किया है। सहल अब्दुल समद और महेश सिंह भारतीय फुटबॉल जगत में अपरिचित नाम नहीं हैं लेकिन उन्होंने भारतीय फुटबॉल की विरासत को आगे ले जाने की क्षमता दिखाई है। इन दोनों ने नेपाल के खिलाफ विशेष रूप से अच्छा प्रदर्शन किया जिसे श्री कांतीर्वा स्टेडियम में भारत ने शनिवार रात 2-0 से हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई।

नेपाल के डिफेंस ने एक घंटे तक भारत को गोल से महरूम रखा जिसके बाद 61वें मिनट में महेश ने बाएं छोर से मूव बनाया। महेश ने गेंद को सहल की ओर बढ़ाया जिन्होंने उन्हें वापस पास दिया। महेश ने इसके बाद सटीक क्रॉस से गेंद को छेत्री के पास पहुंचाया जिन्होंने गोल करने में कोई गलती नहीं की। भारत के सहायक कोच महेश गवली ने 24 साल के महेश की जमकर तारीफ की।

गवली ने मैच के बाद प्रेस कांफ्रेंस में कहा, 'मुझे लगता है कि महेश का क्रॉस टर्निंग प्वाइंट था। वह भारत का भविष्य का स्टार है। वह स्तरीय खिलाड़ी है और अपने खेल को लेकर काफी जुनूनी है। मुझे लगता है कि वह भविष्य में अच्छा खिलाड़ी बनेगा। सहल ने भी प्रभावित किया। वह अपने ड्रिब्लिंग कौशल से नेपाल की रक्षा पंक्ति को छकाने का प्रयास कर रहे थे लेकिन अधिक सफलता नहीं मिल रही थी। गवली ने कहा कि मध्यांतर के समय हुई बातचीत के बाद केरल के 26 साल के सहल ने व्यक्तिगत रवैया बदला। पूर्व भारतीय डिफेंडर गवली ने कहा, 'सहल को निर्देश दिया गया कि वह गेंद को अधिक समय अपने पास नहीं रखे और अधिक ड्रिब्लिंग करके इसे आसानी से विरोधी टीम को नहीं दे। उसने दूसरे हाफ में ऐसा ही किया। भारत को इस बदलाव का फायदा 70वें मिनट में जब सहल ने नेपाल के डिफेंडर को पछाड़कर गेंद कब्जे में ली। उन्होंने गेंद को छेत्री की ओर बढ़ाया जो इस बार नेपाल के गोलकीपर किरण लिंबू को छकाने में नाकाम रहे।

महेश ने हालांकि डिफलेक्ट होकर मिली गेंद को गोल में पहुंचा दिया। सहल को हालांकि मलाल रहेगा कि वह पहले हाफ में गोल नहीं दाग सके। सहल और महेश की जोड़ी ने अच्छा मूव बनाया। महेश ने बॉक्स के अंदर सहल को पास दिया लेकिन वह गोल करने में नाकाम रहे।

### 5 सबसे अनलकी भारतीय क्रिकेटर

# दमदार रिकॉर्ड के बाद भी कभी नहीं मिला इंटरनेशनल डेब्यू का मौका

**नईदिल्ली (एजेंसी)।** भारत की आबादी 100 करोड़ से ज्यादा है। लाखों बच्चे इंटरनेशनल क्रिकेटर बनने का सपना देखते हैं। उसके लिए बचपन से जान लगाकर तैयारी करते हैं। दिन रात प्रैक्टिस करने के बाद उन्हें कहीं जाकर घरेलू क्रिकेट में खेलने का मौका मिलता है। वहां पसीना बहाने के बाद जाकर भारत के लिए इंटरनेशनल मैचों में मौका मिलता है। लेकिन कुछ ऐसे अनलकी क्रिकेट हैं, जो घरेलू मैचों कमाल करते हैं। इसके बाद भी कभी भारत के लिए खेलने का मौका नहीं मिलता। हम आपको आज 5 ऐसे खिलाड़ियों के बारे में बताने जा रहे हैं।

### अमरजीत कायपी

80 और 90 के दशक में पंजाब में जन्मे अमरजीत कायपी घरेलू क्रिकेट के सबसे बड़े बल्लेबाजों में शामिल थे। फर्स्ट क्लास क्रिकेट में उनके नाम 52.27 की औसत से 7894 रन हैं। इसमें 27 शतकीया पारियां शामिल रहीं। संन्यास लेने के समय वह रणजी ट्रॉफी में सबसे ज्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड उनके नाम ही दर्ज था।

### राजिंदर गोयल

हरियाणा और दिल्ली के लिए घरेलू क्रिकेट खेलने वाले राजिंदर गोयल सबसे अनलकी क्रिकेटर में शामिल हैं। 1958/59 सीजन में उन्होंने रणजी डेब्यू किया था। वह रणजी इतिहास में आज भी सबसे ज्यादा 639 विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं। बाएं हाथ के इस स्पिनर ने 1985 तक घरेलू क्रिकेट खेला लेकिन कभी भारत के लिए डेब्यू नहीं कर पाए।

### जलज सक्सेना

36 साल के जलज सक्सेना अभी घरेलू क्रिकेट खेल रहे हैं लेकिन भारत के लिए डेब्यू की उम्मीद पूरी तरह खत्म हो चुकी है। 133 फर्स्ट क्लास मैच में इस ऑलराउंडर ने 410 विकेट लेने के साथ ही 6567 रन भी बनाए हैं। लिस्ट ए में भी ऑफ स्पिन से उन्होंने 104 मैच में 117 विकेट लिए हैं। बल्लेबाज में भी 3 शतक की मदद से 2035 रन बनाए हैं। इस रिकॉर्ड के बाद भी भारत के लिए उन्हें खेलने का मौका नहीं मिला।

### अमोल मजूमदार

मुंबई के अमोल मजूमदार दुनिया के सबसे अनलकी क्रिकेटर में शामिल हैं। उन्हें मुंबई के लिए अपने डेब्यू मैच में ही 260 रन ठोक दिए थे। 171 मैच के फर्स्ट क्लास करियर में मजूमदार ने 11167 रन बनाए। लिस्ट ए में भी 38 की औसत से 3286 रन उनके बल्ले से निकले। मजूमदार को सचिन तेंदुलकर जैसा प्रतिभावान बल्लेबाज माना जाता था, लेकिन कभी भारत के लिए नहीं खेल पाए।

### मिथुन मन्हास

दिल्ली के मिथुन मन्हास का घरेलू रिकॉर्ड दमदार था। फर्स्ट क्लास क्रिकेट में उनके बल्ले से 45.82 और लिस्ट ए में 45.84 की औसत से रन निकले। उनके नाम 15 हजार से ज्यादा रन हैं। 2017 तक उन्होंने घरेलू क्रिकेट में हिस्सा लिया। आईपीएल में चेन्नई, दिल्ली और पुणे वॉरियर्स के लिए खेले। लेकिन कभी भारत के लिए मौका नहीं मिला।

### विश्व कप क्वालीफायर

# हम जीत के हकदार नहीं थे, जिम्बाब्वे से हार के बाद बोले वेस्टइंडीज के कोच

**हरारे (जिम्बाब्वे) (एजेंसी)।** वेस्टइंडीज के मुख्य कोच डेरेन सैमी ने अपने क्षेत्ररक्षकों को उनके खराब प्रदर्शन के लिए फटकार लगाई, जिससे जिम्बाब्वे के हाथों निराशा हाथ लगी और उन्होंने अपनी टीम के प्रयास से 'बेहद निराश' होने की बात स्वीकार की। वेस्टइंडीज ने सिकंदर रजा को दो बार छोड़ा, पहले 1 पर और फिर 7 रन पर और उन्होंने इसका फायदा उठाकर 58 गेंदों पर 68 रन बनाए। वेस्टइंडीज ने कुल मिलाकर चार कैच छोड़े, जिनमें से तीन के लिए अल्जारी जोसेफ जिम्मेदार थे।

सैमी ने कहा, बेहद निराश हूं। टॉस में हमें वही करना पड़ा जो हम करना चाहते थे, यानी पहले गेंदबाजी करना। देखिए, अगर हम इस तरह की फील्डिंग जारी रखते हैं जिसकी हमने पिछले कुछ मैचों में इसके बारे में बात की है और अगर आप विपक्षी टीम के सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाजों को मौके देते रहेंगे, अंततः क्रिकेट के देवता आपको पकड़ लेंगे।

उन्होंने कहा, और यह आज हमारे साथ हुआ, लेकिन उस सतह पर 269 रन का लक्ष्य... फिर, ये वो चीजें हैं जिन्हें हम बदलने की कोशिश कर रहे हैं। हमने पहले भी ऐसा होते देखा है और वह दिशा जो मैं चाहता हूं इस टीम को आगे बढ़ना है...आज का दिन वास्तव में खराब था और यह जिम्मेदारी लेने के बारे में है और हमने आज ऐसा नहीं किया। इसलिए हम आज बिल्कुल भी जीतने के लायक नहीं थे।

वेस्टइंडीज श्रीलंका के साथ भारत में होने वाले विश्व कप के लिए क्वालीफाई करने के लिए टूर्नामेंट से पहले पसंदीदा था, लेकिन जिम्बाब्वे से उनकी हार ने अब इस साल के अंत में मुख्य कार्यक्रम में उनकी प्रतिस्पर्धा की उनकी संभावनाओं को खतरे में डाल दिया है। वेस्टइंडीज उन दो अंकों से चूक गया जो उसे सुपर सिक्स में मिल सकते थे। लेकिन सैमी ने दावा किया कि यह अभी अंत नहीं है।

सैमी ने कहा, मैं यह नहीं कहूंगा कि इससे [हमारी योग्यता] बाधा पहुंचती है, लेकिन यह इसे और अधिक कठिन बना देता है। आप चार अंकों के साथ सुपर सिक्स में जाना पसंद करेंगे। हम घर से निकलते समय ही जानते थे कि यह खेल हमारे लिए बहुत महत्वपूर्ण होगा। और फिर, जैसा कि मैंने कहा, जिस तरह से हमने खेला है.. . मैं लोगों से कहता रहा कि हम अपना सर्वश्रेष्ठ क्रिकेट नहीं खेलकर गेम जीतते रहे। आज फिर, हमने खुद से बहुत कुछ पूछा। जब आप इस तरह क्षेत्ररक्षण का प्रदर्शन करते हैं और आप खुद को अच्छी स्थिति में पाते हैं और खेल को हल्के में लें, क्रिकेट के देवता आपको भुगतान करेंगे और यही मैं ड्रेसिंग रूम में उन्हें बताने जा रहा हूं। हम जीतने के लायक नहीं थे, और हम आज जीतने के लिए नहीं खेले और अब हमारे पास बहुत काम करना है - सबसे पहले सुपर सिक्स में पहुंचना और दूसरी टीमों से मुकाबला करना, जिनका हम सामना कर रहे हैं।

सैमी ने नीदरलैंड के खिलाफ वेस्टइंडीज को पटरी पर लौटने के लिए भी प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा, हमें जितनी जल्दी हो सके उस खेल में पहुंचना होगा।

# पिता की मौत के बाद ऐसी थी कोहली की हालत

### ईशान ने कहा- मैं होता तो मैदान पर नहीं जाता

**नईदिल्ली (एजेंसी)।** भारत के वरिष्ठ तेज गेंदबाज इशांत शर्मा ने स्टार बल्लेबाज विराट कोहली के जीवन के सबसे कठिन दौर को याद किया। ईशांत और कोहली अपनी क्रिकेट यात्रा की शुरुआत से ही अच्छा दोस्त रहे हैं। दोनों खिलाड़ी एक-दूसरे को अंडर-17 के दिनों से जानते हैं और दिल्ली और भारत के लिए एक साथ खेले हैं। इशांत ने कोहली के पिता की मृत्यु के बाद खिलाड़ी के कठिन दौर के बारे में खुलकर बात की। तेज गेंदबाज ने कहा कि भारत का पूर्व बल्लेबाज 17 साल की उम्र में बल्लेबाजी करने और मैच जीतने से पहले अकेला और दुखी था। उन्होंने कहा कि उन्हें नहीं पता कि कोहली ने ऐसा कैसे किया और अगर मैं होता तो मैदान पर नहीं जाता।

ईशांत ने एक यूट्यूब चैनल पर कहा, जिस दिन विराट कोहली के पिता का निधन हुआ, वह अकेले और उदास थे, उन्हें नहीं पता था कि कैसे प्रतिक्रिया दें, लेकिन फिर उन्होंने बल्लेबाजी की और 17 साल की उम्र में मैच जीत लिया - आज तक मुझे समझ नहीं आया कि अगर मेरे साथ ऐसा होता तो कैसे होता? मैं मैदान पर नहीं गया होता।

इशांत ने इसके बाद कोहली के अन्य चरणों को याद किया और स्वीकार किया कि भारत का यह स्टार बल्लेबाज अपने करियर में महत्वपूर्ण बदलावों से गुजरा है। उन्होंने कहा, मैंने उनके सभी चरण देखे हैं। पार्टी से लेकर टैटू तक, फिटनेस फ्रीक से लेकर एक टॉप परफॉर्मर तक, उन्होंने अपने करियर में बड़े पैमाने पर बदलाव किया है। उन्हें पार्टियों का शौक था और कोलकाता में एक टूर्नामेंट के दौरान उन्होंने पूरी रात पार्टी की लेकिन अगले दिन उन्होंने 250 रन बनाए। वह पिछले दिन नाबाद थे और हम अंडर-19 क्रिकेट में दिल्ली का प्रतिनिधित्व कर रहे थे।

### हॉकी इंडिया ने एशियाई चैंपियन्स ट्रॉफी से पहले

# सीनियर पुरुष टीम के कोर समूह की घोषणा की

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** हॉकी इंडिया ने बेंगलुरू के भारतीय खेल प्राधिकरण केंद्र (साइ) में 26 जून से 19 जुलाई तक होने वाले राष्ट्रीय शिविर के लिए सीनियर पुरुष टीम के 39 सदस्यीय कोर समूह (मुख्य खिलाड़ियों) की घोषणा की। शिविर के बाद टीम स्पेन के टेरासा जाएगी जहां वह स्पेन हॉकी महासंघ की 100वीं वर्षगांठ के मौके पर अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट में 25 से 30 जुलाई तक हिस्सा लेगी। भारत और मेजबान स्पेन के अलावा इंग्लैंड और नीदरलैंड इस टूर्नामेंट में चुनौती पेश करेंगे।

चार देशों के टूर्नामेंट के बाद एशियाई चैंपियन्स ट्रॉफी चेन्नई में तीन अगस्त से खेली जाएगी जिसमें भारत का सामना खिताब के लिए कोरिया, मलेशिया, पाकिस्तान, जापान और चीन से होगा। भारत के मुख्य कोच क्रेग फुल्टन ने कहा, ''एफआईएच पुरुष हॉकी प्रो लीग 2022-23 के बेल्जियम और नीदरलैंड में हुए मुकाबलों में हमने अच्छा प्रदर्शन किया और अब हमें यही निरंतरता बनाए रखने की उम्मीद है विशेषकर इस साल दूसरे हाफ में होने वाले में होने वाले महत्वपूर्ण टूर्नामेंटों को देखते हुए।

उन्होंने कहा, 'शिविर हमारे लिए कुछ क्षेत्रों में खुद को बेहतर बनाने और एक बार फिर एक इकाई के रूप में मिलकर काम करने का अवसर होगा। एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी 2023 चेन्नई में अगस्त में होने वाली है जिसके बाद चीन के हांगझोउ में एशियाई खेल 2023 होंगे। यह हमारे लिए आगामी महीनों के लिए अपनी तैयारी शुरू करने और जिस तरह की हॉकी हम खेलना चाहते हैं उसे प्रदर्शित करने के लिए एक महत्वपूर्ण शिविर है।

### भारत का 39 सदस्यीय कोर संभावित समूह इस प्रकार है

**गोलकीपर** – कृष्ण बहादुर पाठक, पीआर श्रीजेश, सूरज करकेरा, पवन मलिक, प्रशांत कुमार चौहान।

**डिफेंडर** – जरमनप्रीत सिंह, सुरेंदर कुमार, हरमनप्रीत सिंह, वरुण कुमार, अमित रोहिदास, गुरिंदर सिंह, जुगराज सिंह, मनदीप मोर, नीलम संजीप सेस, संजय, यशदीप सिवाच, दिपसन टिर्की, मनजीत।

**मिडफील्डर** – मनप्रीत सिंह, हार्दिक सिंह, विवेक सागर प्रसाद, मोइरांगथेम रबिचंद्र सिंह, शमशेर सिंह, नीलाकांत शर्मा, राजकुमार पाल, सुमित, आकाशदीप सिंह, गुरजंत सिंह, मोहम्मद राहील मौसीन, मनिंदर सिंह।

**फारवर्ड** – एस कार्थी, मनदीप सिंह, ललित कुमार उपाध्याय, अभिषेक, दिलप्रीत सिंह, सुखजीत सिंह, सिमरनजीत सिंह, शिलानंद लाकड़ा और पवन राजभर।

# भारतीय टीम ने स्पेशल ओलंपिक विश्व खेलों में 150 पदक के आंकड़े को किया पार

**बर्लिन (एजेंसी)।** रोलर स्केटर्स के दो स्वर्ण और तीन रजत पदक से भारत ने यहां स्पेशल ओलंपिक विश्व खेलों में अपने पदकों की संख्या को 150 पदक के आंकड़े के पार पहुंचाया। भारत इन खेलों में अब तक कुल 157 पदक, (66 स्वर्ण, 50 रजत, 41 कांस्य) जीत चुका है।

खेलों में अब सिर्फ एक दिन की प्रतियोगिताएं बची हैं। आर्यन (300 मीटर) और दीपन (1000 मीटर) ने रोलर कोस्टर में स्वर्ण पदक जीते। भारत की फाइव ए साइड मिश्रित बास्केटबॉल टीम ने भी पुर्तगाल को 6-3 से हराकर स्वर्ण पदक जीता। इससे पहले शनिवार को भारत की महिला टीम को फाइनल में स्वीडन के खिलाफ हार के साथ रजत पदक से संतोष करना पड़ा था। रविवार को प्रतियोगिताओं के अंतिम दिन भारत एथलेटिक्स, लॉन टेनिस और साइकिलिंग में पदक जीतने के इरादे से उतरेगा।

# दो करारी हार, फिर पलटवार...

## 1983 वर्ल्ड कप में पहले मैच से फाइनल तक कैसा था टीम इंडिया का सफर

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** 40 साल पहले भारत ने आज ही के दिन नामुमकिन को मुमकिन कर दिया है। कपिल देव की कप्तानी में भारत ने वेस्टइंडीज को हराकर 1983 वर्ल्ड कप को अपने नाम किया था। 1983 से पहले 1975 और 1979 वर्ल्ड कप खेला गया था। इन दोनों टूर्नामेंट को मिलाकर भारत ने सिर्फ एक ही मैच जीता था। वहीं वेस्टइंडीज पहले दो वर्ल्ड कप की चैंपियन थी और तीसरे में भी जीत की प्रबल दावेदार। इसके बाद भी भारत ने सभी को चौंकाते हुए टूर्नामेंट को अपने नाम किया। इसी वर्ल्ड कप के बाद से भारत में क्रिकेट की सूरत बदल गई। हम आपको टूर्नामेंट में भारत के सफर के बारे में बताते हैं।

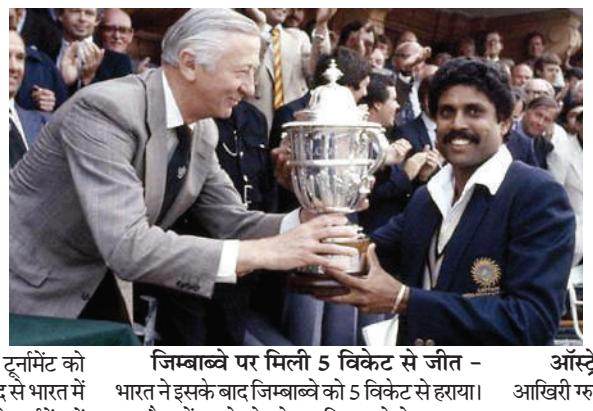

**वेस्टइंडीज को हराकर शुरुआत** – भारत ने अपने पहले ही मुकाबले में वेस्टइंडीज को हरा दिया था। मैनचेस्टर में खेले गए मुकाबले में टीम इंडिया ने यशपाल शर्मा की 89 रनों की पारी की मदद से 262 रन बनाए। तब वनडे मुकाबले 60 ओवर के होते थे। रोजर बिन्नी और रवि शास्त्री ने 3-3 विकेट लेकर भारत को 34 रनों से जीत दिला दी।

**जिम्बाब्वे पर मिली 5 विकेट से जीत** – भारत ने इसके बाद जिम्बाब्वे को 5 विकेट से हराया। इस मैच में पहले खेलते हुए जिम्बाब्वे ने 155 रन बनाए। मदन लाल को तीन विकेट मिले। भारत ने 5 विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया। संदीप पाटिल ने अर्धशतकीय पारी खेली।

**लगातार दो मैचों में हार मिली** – भारत को इसके बाद लगातार दो मैचों में हार मिली। ऑस्ट्रेलिया ने 162 रनों के बड़े अंतर से हराया। फिर वेस्टइंडीज के खिलाफ 66 रनों की हार मिली। ऑस्ट्रेलिया वाले मुकाबले में ट्रेवर चैपल ने 110 और वेस्टइंडीज वाले मुकाबले में विव रिचर्ड्स ने 119 रनों की पारी खेली।

**कपिल देव की पारी से जिम्बाब्वे से जीते** – जिम्बाब्वे के खिलाफ मुकाबले में भारतीय टीम ने 17 रन पर 5 विकेट खो दिए थे। इसके बाद कपिल देव ने ऐतिहासिक 175 रनों की पारी खेली। यह वनडे में किसी भी भारतीय बल्लेबाज का पहला शतक था। इस शतक ने भारत को 266 रनों तक पहुंचा दिया। जिम्बाब्वे की पारी 235 रनों पर ही सिमट गई।

**ऑस्ट्रेलिया से लिया बदला** – अपने आखिरी ग्रुप मुकाबले में भारत ने ऑस्ट्रेलिया से हार का बदला ले लिया। पहले बैटिंग करते हुए भारत ने 247 रन बनाए। ऑस्ट्रेलिया की मजबूत बैटिंग लाइन सिर्फ 129 रनों पर सिमट गई। बीसीसीआई के वर्तमान अध्यक्ष रोजर बिन्नी ने 29 रन देकर 4 विकेट लिए।

**सेमीफाइनल में इंग्लैंड पर जीत** – सेमीफाइनल मुकाबले में भारत के सामने मेजबान इंग्लैंड की चुनौती थी। इंग्लिश पारी 213 रनों पर सिमट गई।

# जॉन सीना ने शेयर की पीएम मोदी की फोटो

### यूजर ने लिखा- आप अच्छे दिन नहीं देख सकते

**न्यूयार्क (एजेंसी)।** अमेरिका की अपनी पहली राजकीय यात्रा पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मंगलवार (20 जून) को अमेरिका के न्यूयॉर्क पहुंचे, जहां पूरी दुनिया की नजरें उनके ऊपर टिकी हुई थी। अपनी यात्रा के दूसरे दिन मोदी ने अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन और उनकी पत्नी जिल बाइडेन से भेंट की। इस पल की जो तस्वीरें कैप्चर की गईं वो काफी पसंद की जा रही हैं। ऐसे में डब्ल्यूडब्ल्यूई स्टार जॉन सीना ने एक खूबसूरत तस्वीर शेयर की, जिसमें पीएम मोदी के साथ जो बाइडेन और उनकी पत्नी जिल बाइडेन बात करते नजर आए। जॉन सीना द्वारा इंस्टाग्राम पर जो तस्वीर शेयर की गई है, वो पीएम मोदी के एक एक्शन के कारण सुर्खियों में बनी हुई है। मोदी जब जिल बाइडेन से बात कर रहे थे तो वह हाथों से कुछ इशारा करते हुए कुछ समझाने का प्रयास कर रहे थे। बस इसी पल को जॉन सीना ने अपनी ओर खींच लिया।

### सुनील गावस्कर ने कहा

# शुबमन गिल और अक्षर पटेल बन सकते हैं भारतीय टीम के कप्तान

**नईदिल्ली (एजेंसी)।** वेस्टइंडीज के खिलाफ आगामी दो मैचों की टेस्ट सीरीज में भारत के उप-कप्तान के रूप में अजिंक्य रहाणे की दोबारा नियुक्ति ने काफी सवाल खड़े कर दिए हैं। कुछ पूर्व क्रिकेटरों ने यह भी बताया कि टीम भविष्य के संभावित नेताओं को तैयार नहीं कर रही है और इस प्रकार, यह आने वाले समय में राष्ट्रीय टीम को प्रभावित कर सकता है। इस बीच, भविष्य के कप्तान के बारे में बात करते हुए, भारत के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने कहा कि शुबमन गिल और अक्षर पटेल आने वाले वर्षों में राष्ट्रीय टीम का नेतृत्व कर सकते हैं।

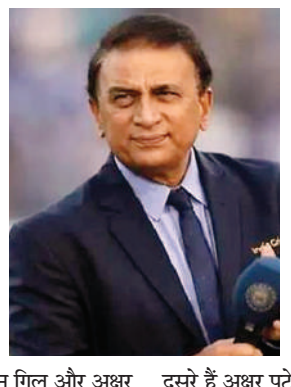

अक्षर को हाल ही में आईपीएल में दिल्ली कैपिटल्स का उप-कप्तान नियुक्त किया गया था, जबकि गिल के पास नेतृत्व का कोई अनुभव नहीं है। हालाँकि, वह अंडर-19 स्तर पर भारतीय टीम के उप-कप्तान थे, लेकिन उन्होंने कोई महत्वपूर्ण भूमिका नहीं निभाई क्योंकि तत्कालीन कोच राहुल द्रविड़ और पृथ्वी शॉ निर्णय लेने के प्रभारी थे। इस बीच, गावस्कर ने यह भी कहा कि स्टंपर-बल्लेबाज ईशान किशन भी नेतृत्व की दौड़ में शामिल हो सकते हैं, लेकिन इसके लिए युवा खिलाड़ी को प्लेइंग इलेवन में अपनी जगह पक्की करनी होगी।

गावस्कर ने स्पोर्ट्स टुडे से बात करते हुए कहा, भविष्य के कप्तानों के रूप में एक हैं शुबमन गिल और दूसरे हैं अक्षर पटेल। अक्षर हर मैच में बेहतर होता जाता है। उन्हें उप-कप्तान की जिम्मेदारी देना उन्हें सोचने पर मजबूर करेगा। तो, मेरी नजर में ये दो उम्मीदवार हैं। अगर कोई और है, तो ईशान किशन जैसा कोई, एक बार टीम में अपनी जगह पक्की कर लेगा। वह भी गिनती में आ सकते हैं।

## नौकरी के नाम पर महिला के साथ दुष्कर्म; ऑफिस से जान बचाकर भागी, रोड पर हुआ हादसा

**नई दिल्ली, एजेंसी।** नौकरी दिलाने का झांसा देकर महिला से दुष्कर्म करने का मामला सामने आया है। आरोपी ने महिला को अपने कार्यालय में बुलाया था। आरोपी के चंगुल से भागते समय पीड़िता सड़क हादसे में चोटे लगने से घायल हो गई। पुलिस ने भोंडसी थाने में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। सोहना क्षेत्र में रहने वाली विवाहित महिला ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि निजी कंपनी में नौकरी के लिए एक युवक ने अपने कार्यालय पर बुलाया। वह गुरुवार दोपहर बाद वहां पहुंची थी। आरोपी ने कार्यालय में दरवाजे बंद करके उसके साथ दुष्कर्म किया। आरोप है कि युवक ने अश्लील वीडियो भी बनाया। किसी को बताने पर जान से मारने की धमकी तक दी थी।

आरोपी ने पीड़िता को नौकरी जल्द दिलाने का आश्वासन देकर कार्यालय से बाहर निकाल दिया। विवाहिता घबराट में अपने घर की तरफ दौड़ रही थी। दौड़ते समय पीड़िता एक वाहन की चपेट में आ जाने से घायल भी हो गई। घर पहुंचकर आपबीती अपने पति को बताई।

## देह व्यापार कराने वाला 50 हजार का इनामी गिरफ्तार, नाबालिग दो सगी बहनों को किया था अगवा

**नई दिल्ली, एजेंसी।** क्राइम ब्रांच ने युवतियों और किशोरियों से जबरन देह व्यापार कराने वाले शख्स को गिरफ्तार किया है। साढ़े तीन साल से फरार आरोपी विशाल सिंह की गिरफ्तारी पर दिल्ली पुलिस ने 50 हजार रुपये का इनाम रखा था। वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि 2019 में मयूर विहार फेज वन थाना इलाके में नाबालिग सगी बहनों के अपहरण का मुकदमा दर्ज हुआ था। एक किशोरी उत्तम नगर से बरामद हुई तो उसने आपबीती बताई थी। फिर इस एफआईआर में सामूहिक दुष्कर्म, मारपीट, जबरन देह व्यापार कराना और मानव व्यापार आदि की धाराएं भी जोड़ी गईं।

पुलिस ने नरेश, राजू, शशि और किरन को गिरफ्तार किया था। बाद में बड़ी बहन भी कोलकाता से बरामद हुई, लेकिन गिरोह का सरगना विशाल फरार था। दोनों बहनों ने बताया कि उन्हें बेचा गया और देह व्यापार कराया गया था। क्राइम ब्रांच के अधिकारी ने बताया कि डीसीपी अमित गोयल की टीम विशाल की गिरफ्तारी के लिए नेपाल, भूटान एवं देश के विभिन्न इलाकों में छापेमारी की थी। सूचना मिली कि वह आगरा में है, जिसके आधार पर उसे शुक्रवार को गिरफ्तार किया गया।

इस पर मानव व्यापार, दुष्कर्म एवं अन्य धाराओं के तहत कानपुर में भी एफआईआर दर्ज है। आरोपी ने बताया कि मयूर विहार से अपहृत एक बहन को उसने दो लाख रुपये में राजू से खरीदा था। उस किशोरी को कोलकाता स्थित महिला के पास बेच दिया था। वह दूसरी बहन को खरीदने के लिए आया, लेकिन राजू ने अधिक कीमत मांगी तो वह लौटकर चला गया था। आरोपी ने बताया कि वह किशोरियों और युवतियों से दुष्कर्म करता था। फिर उन्हें जबरन देह व्यापार में ढकेल देता था।

पुलिस ने बताया कि बाद में बड़ी बेटी का भी पता चल गया। मुख्य आरोपी विशाल सिंह की गिरफ्तारी पर 50,000 रुपये का इनाम घोषित किया गया था। इस मामले के अलावा, विशाल सिंह उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल में दो अन्य मामलों में भी वांछित था। गिरफ्तारी से बचने के लिए वह भारत, नेपाल और भूटान का भ्रमण कर रहा था। दिल्ली पुलिस के विशेष पुलिस आयुक्त (अपराध) रवींद्र यादव ने कहा कि बाद में उसे आगरा से गिरफ्तार कर लिया गया।

## फर्जी तरीके से कनाडा भेजने का वादा; 2 लाख रुपए में करते थे सौदा, दिल्ली में पकड़े गए 10 विदेशी

**नई दिल्ली, एजेंसी।** भारत के रास्ते अवैध रूप से कनाडा भेजने के बहाने श्रीलंकाई नागरिकों को कथित रूप से ठगने को लेकर दो एजेंट को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, दोनों की पहचान श्रीलंकाई नागरिक महेंदिराराजा (63) और तमिलनाडु के निवासी सेल्वाकुलेंद्रन (56) के रूप में हुई है। गश्त करने के दौरान पुलिस को 10 लोग दिखे। शक होने पर पूछताछ की गई तो पहचान पत्र नहीं दिखा पाए। सभी श्रीलंकाई निकले।

एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि एक निरीक्षक की शिकायत पर इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा थाने में एक मामला दर्ज किया गया है। उनके अनुसार निरीक्षक को महिपालपुर चौकी के समीप गश्ती के दौरान 10 लोग संदिग्ध रूप से खड़े मिले थे और जब उन्होंने उनसे अपना पहचान पत्र दिखाने को कहा तो वे नहीं दिखा पाये। उन्होंने बताया कि इन सभी 10 व्यक्तियों को सत्यापन के लिए थाने ले जाया गया तो वे सभी श्रीलंकाई निकले। उनके अनुसार उनमें एक महेंदिराराजा उप एजेंट है जो सेल्वाकुलेंद्रन के निर्देश उस समूह के लिए गाइड का काम कर रहा था। पुलिस के अनुसार इन सभी लोगों से कनाडा भेजे जाने का वादा किया गया था।

पुलिस उपायुक्त (हवाई अड्डा) देवेश कुमार महला ने बताया कि जांच में सेल्वाकुलेंद्रन का ठिकाना तमिलनाडु का त्रिची मिला और उसने पूछताछ के दौरान बताया कि वह दिल्ली के रास्ते कनाडा भेजने का प्रति व्यक्ति दो लाख रुपये लेता है। महला के अनुसार इन दस लोगों को श्रीलंका में उसके परिचित विजय कुमार ने उसके पास भेजा था।

# दिल्ली में रिंग रोड का जाम होगा खत्म, यहां बनाए जाएंगे दो फुटओवर ब्रिज

**नई दिल्ली, एजेंसी।** दिल्ली में रिंग रोड पर वाहन चालकों को जल्द ही ट्रैफिक जाम से निजात मिलने की उम्मीद है। रिंग रोड पर जल्द दो फुटओवर ब्रिज (एफओबी) बनने जा रहे हैं। पहला सराय काले खां रेलवे स्टेशन के पास बनाया जाएगा, जबकि दूसरा इंद्रप्रस्थ और मिलेनियम पार्क के बीच बनेगा। लगातार सड़क पार करने वाले लोगों की संख्या बढ़ने और भविष्य की संभावनाओं को देखते हुए इन एफओबी का निर्माण किया जाएगा।

बताया जा रहा है कि बीते दिनों सड़क सुरक्षा को लेकर बैठक हुई, जिसमें एनएचएआई, पीडब्ल्यूडी, मेट्रो और एनसीआरटीसी व अन्य विभागों के अधिकारी मौजूद रहे, जिसमें एफओबी बनाए जाने पर सहमति बनी।

बैठक में यह भी जानकारी दी गई कि लोगों के आवागमन के लिए भविष्य में सराय काले खां बड़ा सेंटर होगा, जिसे ध्यान में रखकर पुख्ता इंतजाम भी करने होंगे। लोग बिना किसी बाधा के मेट्रो, रेल, रैपिड रेल और बस अड्डे तक पहुंच सकें, यह पहली प्राथमिकता होनी चाहिए, इसलिए सबसे पहले जरूरी है कि रिंग रोड पर यमुना की तरफ से उतरकर स्टेशन की तरफ आने-जाने वाले लोगों बिना सड़क पार कर

पहुंचे। अभी तक रिंग रोड पर उन्हें बत्ती पर खड़ा होना पड़ता है। जब बत्ती बंद होती है तो फिर कुछ सेकंड में सड़क पार करनी पड़ती है। रिंग रोड पर वाहनों की संख्या अधिक रहती है, जिसमें कई बाहर वाहन चालक बत्ती का समय पूरा होने से पहले ही चल देते हैं, जिससे सड़क हादसा होने का खतरा रहता है। जाम की समस्या हो रही - उधर, पैदल यात्रियों को सड़क पार करने के लिए बत्ती पर ट्रैफिक को रोकना पड़ता है, जिससे व्यस्त समय में जाम की स्थिति बनी रहती है। अधिकारियों ने सुझाव दिया कि अगर यहां पर एफओबी बनाया जाता है तो उससे कई फायदे होंगे। वाहनों को लालबत्ती पर रुकना नहीं पड़ेगा। यात्रियों को बिना किसी बाधा के सड़क पार करने में आसानी रहेगी। इससे सड़क हादसे होने का खतरा पूरी तरह से टल जाएगा। इन सुझावों पर सहमति बनी है और एनसीआरटीसी-लोक निर्माण विभाग मिलकर एफओबी बनाने को तैयार भी हो गए हैं।

**अंडरपास का निर्माण होगा:** सराय काले खां पर मौजूदा वक्त में एक तरफ अंडरपास है, जिस पर आश्रम की तरफ से आईटीओ की ओर जाने वाला ट्रैफिक गुजरता है, लेकिन पीडब्ल्यूडी आईटीओ से आश्रम की तरफ जाने वाले ट्रैफिक को अंडरपास बनाकर गुजारना चाहता है। इसके लिए अंडरपास बनाया जा रहा है, जो दिसंबर तक पूरा हो सकता है। इसके तैयार होने पर रिंग रोड का ट्रैफिक ऊपर से निकल जाएगा, जबकि रेलवे स्टेशन, मेट्रो स्टेशन व बस अड्डे जाने वाले वाहन अंडरपास के नीचे से गुजर सकेंगे। जैसे ही अंडरपास को बनाने का काम पूरा होगा तो उसके बाद एफओबी भी बनना शुरू हो जाएगा।

**पीडब्ल्यूडी ने सहमति दी:** रिंग रोड पर सराय काले खां से आईटीओ की तरफ जाते वक्त पहले मिलेनियम पार्क पड़ता है। उसके बाद इंद्रप्रस्थ पार्क है। इसके साथ ही रेलवे के भी कई दफ्तर हैं, जिनमें हर रोज बड़ी संख्या में लोग आते-जाते हैं। रिंग रोड के इस हिस्से में दोनों तरफ दो-दो जगहों पर बस स्टॉपेज के लिए शेल्टर बने हुए हैं, लेकिन कोई एफओबी या भूमिगत पैदल पथ नहीं है। अब पीडब्ल्यूडी ने इस हिस्से में भी एफओबी बनाने पर सहमति दी है। इस पर सर्वे किया जा रहा है कि किसी जगह पर निर्माण किया जा सकता है।

**दिसंबर तक तैयार होगी पंजाबी बाग में पार्किंग:** वहीं, दिल्ली नगर निगम के पंजाबी बाग श्मशान घाट भूमि पर बनाई जा रही ऑटोमेटेड पजल कार पार्किंग दिसंबर तक बनकर तैयार हो जाएगी। इंजीनियरिंग विभाग के अधिकारियों का कहना है कि पार्किंग कि डिजाइनिंग की स्वीकृति मिलने के बाद निर्माण शुरू किया गया था। बहुस्तरीय पार्किंग में 225 कारों के खड़े होने की व्यवस्था होगी, जबकि श्मशान घाट की भूमि पर 80 वाहन खड़े हो पाते हैं। पार्किंग स्थल छोटा होने से सड़क पर खड़े वाहनों की वजह से यातायात जाम रहता है। उपराज्यपाल विनय सक्सेना ने पार्किंग के निर्माण कार्य का शिलान्यास किया था। पार्किंग पांच हजार वर्गमीटर पर बन रही है। यह भूतल के अलावा पांच मंजिल होगी। करीब 14.5 मीटर ऊंचाई होगी। इसके निर्माण पर करीब 31 करोड़ रुपये की लागत का अनुमान है। इंजीनियरिंग विभाग के अधिकारियों का कहना है कि पार्किंग की डिजाइन आईआईटी दिल्ली से स्वीकृत हुई थी।

## अमित शाह की बुलाई मीटिंग में नहीं पहुंचे एकनाथ शिंदे, शरद पवार के मराठा मंदिर के कार्यक्रम में दिखे साथ-साथ

**मुंबई, एजेंसी।** महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे शनिवार को मणिपुर के हालात पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह द्वारा बुलाई सर्वदलीय बैठक में शामिल नहीं हुए। इसकी बजाय वह मुंबई में एनसीपी सुप्रीमो शरद पवार के साथ उनकी अध्यक्षता वाली गैर सरकारी संस्था मराठा मंदिर की 75वीं वर्षगांठ पर आयोजित कार्यक्रम में दिखे। केंद्रीय गृह मंत्री शाह ने 45 दिनों से ज्यादा समय से हिंसा की आग में जल रहे मणिपुर के हालात पर सर्वदलीय बैठक बुलाई थी।

यह घटनाक्रम एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना के राज्य जल आपूर्ति और स्वच्छता मंत्री गुलाबराव पाटिल द्वारा पिछले गुरुवार को एनसीपी सुप्रीमो के साथ मुंबई से जलगांव तक ट्रेन यात्रा करने के एक सप्ताह बाद आया है। इस बीच, मुख्यमंत्री कार्यालय ने कहा है कि खराब मौसम के कारण मुख्यमंत्री शिंदे को अपनी यात्रा रद्द करनी पड़ी। सीएमओ के एक अधिकारी ने कहा, खराब मौसम के कारण सीएम को अपना दौरा रद्द करना पड़ा और इस तरह वह दिल्ली नहीं जा सके।

अधिकारियों ने बताया कि योजना के मुताबिक, मुख्यमंत्री शिंदे, जो पिछले तीन दिनों से सतारा जिले के अपने पैतृक गांव दारे में थे, को पुणे से सुबह करीब 10.30 बजे दिल्ली के लिए उड़ान भरनी थी, लेकिन खराब मौसम के कारण ऐसा नहीं हो सका। अधिकारी ने कहा कि राज्य के कुछ हिस्सों में भारी बारिश हो रही है। समारोह में सीएम शिंदे के साथ राज्य के उद्योग मंत्री उदय सामंत और भाजपा नेता व उच्च एवं तकनीकी शिक्षा मंत्री चंद्रकांत पाटिल भी मौजूद थे।

शरद पवार ने मुंबई सेंट्रल के मराठा मंदिर सभागार में आयोजित कार्यक्रम में आमंत्रित करने के लिए 1 जून को मुख्यमंत्री शिंदे से उनके आधिकारिक आवास पर जाकर मुलाकात की थी। पवार का चैरिटेबल ट्रस्ट कई शैक्षणिक संस्थानों और एक अस्पताल के अलावा मुंबई में प्रतिष्ठित थिएटर मराठा मंदिर भी चलाता है।

बता दें कि अप्रैल और मई में शिंदे गुट के शिवसेना नेता उदय सामंत ने शरद पवार से दो बार मुलाकात की थी और उन्हें पुलिस कार्रवाई और रत्नागिरी में प्रस्तावित तेल रिफाइनरी के खिलाफ विरोध प्रदर्शन पर सरकार के रुख से अवगत कराया था। कल की सर्वदलीय बैठक में एनसीपी का प्रतिनिधित्व करने के लिए पवार ने राष्ट्रीय महासचिव नरेंद्र वर्मा और मणिपुर एनसीपी अध्यक्ष सोराम इबोयिमा सिंह को नियुक्त किया था। उधर, शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना ने बताया कि पार्टी प्रमुख ने सर्वदलीय बैठक में भाग लेने के लिए राज्य के स्कूल शिक्षा मंत्री दीपक केसरकर को नियुक्त किया था। एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना के प्रवक्ता किरण पावस्कर ने कहा, मुख्यमंत्री दिल्ली नहीं जा सके लेकिन स्कूली शिक्षा मंत्री दीपक केसरकर ने उनकी ओर से सर्वदलीय बैठक में हिस्सा लिया है।

## भीषण गर्मी से परेशान, बारिश के देवता को खुश करने के लिए लड़कों की आपस में करा दी शादी

**मांड्या, एजेंसी।** बारिश के देवता को खुश करने के लिए प्रतीकात्मक तौर पर दो लड़कों की एक-दूसरे से शादी कराने का मामला सामने आया है। यह घटना कर्नाटक के मांड्या जिले की है, जहां ग्रामीणों ने शुक्रवार की रात 2 लड़कों की शादी करा दी। रिपोर्ट के मुताबिक, बारिश के देवता को प्रसन्न करने और इलाके में बारिश लाने के मकसद से यह विवाह कराया गया। साथ ही, इस दौरान दावत का भी आयोजन किया गया। शादी अनुष्ठान मांड्या जिले के कृष्णराजपेट तालुका के गगेनहल्ली गांव में आयोजित हुआ।

राज्य के कई हिस्सों में पिछले साल की तुलना में इस बार ज्यादा बारिश नहीं हो रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि वे भीषण गर्मी से परेशान हैं। उन्होंने इस स्थिति में पुरानी परंपराओं का सहारा लिया। उन्होंने बारिश के देवताओं को खुश करने के लिए इस अजीब परंपरा का पालन किया। इस विवाह समारोह की तस्वीरें सामने आई हैं। इनमें पारंपरिक पोशाक पहने दो लड़कों को दूल्हा और दुल्हन के रूप में विवाह समारोह में भाग लेते देखा जा सकता है। मौके पर भारी संख्या में स्थानीय लोग भी जमा हैं।

**विशेष दावत का भी आयोजन:** शादी समारोह के हिस्से के रूप में गांव वालों के लिए विशेष दावत का आयोजन किया गया। इस दौरान इन्होंने वर्षा की कमी को पूरा करने के लिए बारिश के देवता से प्रार्थना की। स्थानीय लोगों का कहना है कि लड़कों की आपस में शादी और प्रार्थना का

आयोजन उनकी परंपरा का हिस्सा है। इलाके में बारिश नहीं होने पर अक्सर ऐसा किया जाता है। स्थानीय लोगों ने कहा, राज्य में मानसून की बारिश कमजोर हो गई है। पिछले साल की तुलना में बरसात की कमी है। ऐसे में राज्य के लोगों ने पुरानी परंपराओं का जश्न मनाने का सहारा लिया।

## सितंबर में चीन यात्रा का प्लान बना रहे नेपाली प्रधानमंत्री 'प्रचंड

**काठमांडू, एजेंसी।** नेपाल के प्रधानमंत्री पुष्प कमल दाहाल 'प्रचंड सितंबर में चीन की आधिकारिक यात्रा करने की योजना बना रहे हैं। विदेश मंत्री एन.पी. सऊद ने शनिवार को यह जानकारी दी। इसे नेपाल के भारत और चीन के साथ संबंधों में संतुलन बनाए रखने के प्रयास के तौर पर देखा जा रहा है। पिछले साल दिसंबर में पद संभालने के बाद प्रचंड की यह दूसरी विदेश यात्रा होगी। इससे पहले, नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी -माओवादी (सीपीएन-एम) के 68 वर्षीय नेता ने तीसरी बार प्रधानमंत्री पद संभालने के बाद अपनी पहली विदेश यात्रा के रूप में भारत का दौरा किया था।

सऊद ने बताया, ''प्रचंड सितंबर में चीन की आधिकारिक यात्रा करेंगे। सऊद ने कहा कि प्रधानमंत्री की पड़ोसी देश की यात्रा के संबंध में तैयारियां चल रही हैं और सटीक तारीख अभी तय नहीं हुई है। विदेश मंत्रालय के सूत्रों के मुताबिक, नेपाली विदेश मंत्रालय फिलहाल प्रधानमंत्री की यात्रा की तारीख और कार्यक्रम तय करने में लगा हुआ है।

सूत्रों के अनुसार प्रचंड ने सीपीएन-एम के एक वरिष्ठ नेता के माध्यम से चीनी नेतृत्व को चीन यात्रा की अपनी इच्छा से अवगत कराया है। प्रधानमंत्री प्रचंड ने बृहस्पतिवार को 'कांतिपुर टेलीविजन से कहा था कि उनकी चीन यात्रा की तारीख तय हो गई है। हालांकि, उन्होंने इसका खुलासा करने से परहेज किया। अपनी भारत यात्रा को बेहद सफल करार देते हुए प्रचंड ने कहा, ''मेरी राय में, यात्रा ऐतिहासिक रूप से सफल रही और मुझे विश्वास है कि मेरी प्रस्तावित चीन यात्रा भी सफल होगी।

## पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ 37 साल पुराने 'रिश्वत मामले में बरी

**इस्लामाबाद, एजेंसी।** पाकिस्तान की एक अदालत ने शनिवार को पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ को 37 साल पुराने एक ''रिश्वत मामले में बरी कर दिया। यह मामला देश के एक प्रमुख मीडिया हाउस मालिक को ''रिश्वत के रूप में ''कीमती सरकारी भूमि हस्तांतरित करने से संबंधित था। अदालत का यह फैसला नवाज शरीफ के छोटे भाई और प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के नेतृत्व वाली संघीय सरकार द्वारा राजनेताओं पर लगे आजीवन प्रतिबंध हटाने के लिए कानून में महत्वपूर्ण संशोधन करने के कुछ दिनों बाद आया है। उच्चतम न्यायालय ने वर्ष 2017 में नवाज शरीफ को प्रधानमंत्री पद के लिए अयोग्य ठहराया था।

वर्ष 2018 में 'पनामा पेपर्स मामले में उच्चतम न्यायालय ने नवाज को जीवन भर सार्वजनिक पद संभालने के लिए अयोग्य ठहराया था। अदालत के एक अधिकारी ने 'पीटीआई-भाषा को बताया, ''लाहौर की एक अदालत ने तीन बार के प्रधानमंत्री नवाज शरीफ को लाहौर में जंग/जियो मीडिया समूह के मालिक मीर शकील-उर-रहमान को 54-कनाल (6.75 एकड़) कीमती सरकारी भूमि के अवैध हस्तांतरण से संबंधित मामले में बरी कर दिया है। यह भूमि करीब 37 साल पहले तब दी गई थी, जब नवाज शरीफ पंजाब के मुख्यमंत्री थे।

अधिकारी ने कहा, ''न्यायाधीश राव अब्दुल जब्बार ने नवाज शरीफ को तब बरी कर दिया, जब देश के भ्रष्टाचार-रोधी निकाय (राष्ट्रीय जवाबदेही ब्यूरो) ने अदालत को सूचित किया कि उसके कानून (शहबाज शरीफ के नेतृत्व वाली गठबंधन सरकार द्वारा) में हाल के संशोधनों के बाद मामला उसके अधिकार क्षेत्र में नहीं आता है। अदालत इस मामले में मीर शकील-उर-रहमान को पहले ही बरी कर चुका है। सत्तारूढ़ पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) के वरिष्ठ नेता नवाज शरीफ नवंबर 2019 से ब्रिटेन में स्व-निर्वासन में रह रहे हैं।

## मोदी का ऐलान-भारत से चुराई 100 से ज्यादा प्राचीन वस्तुएं लौटाएगा अमेरिका

**काहिरा एजेंसी।** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपनी राजकीय यात्रा के दौरान रोनाल्ड रीगन सेंटर में भारतीय प्रवासियों से बातचीत में घोषणा की कि भारत से चुराई गई 100 से भी ज्यादा प्राचीन वस्तुएं अमेरिका लौटाएगा। उन्होंने रोनाल्ड रीगन सेंटर में भारतीय प्रवासियों को संबोधित करते हुए अमेरिका के इस फैसले पर कहा, मुझे खुशी है कि अमेरिका सरकार ने भारत से चुराए गए 100 से ज्यादा पुरावशेषों को वापस करने का फैसला किया है। ये पुरावशेष अंतरराष्ट्रीय बाजारों तक पहुंच गए थे. मैं इसके लिए अमेरिकी सरकार का आभार व्यक्त करता हूं।

प्रधानमंत्री ने कहा, भारतीय मूल की ये प्राचीनकालीन वस्तुएं सही या गलत तरीकों से अंतरराष्ट्रीय बाजार तक पहुंच गई थीं, लेकिन अमेरिका का इन्हें भारत को लौटाने का फैसला दोनों देशों के बीच भावनात्मक संबंध को दर्शाता है। उन्होने बताया कि भारत की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक विरासत को पुनर्जीवित करने के प्रयास के तहत प्रचीनकालीन वस्तुओं को वापस लाए जाने की कोशिशें की जा रही हैं। भारत सरकार दुनियाभर से प्रचीनकालीन कलाकृतियों को वापस ला रही है। भारत सरकार की तरफ से कहा गया, सदियों से, असंख्य अमूल्य कलाकृतियां, जिनमें से कुछ का गहरा सांस्कृतिक और धार्मिक महत्व है, वो चोरी हो गईं और विदेशों में तस्करी करके ले जाई गईं।सरकार भारतीय कलाकृतियों और सांस्कृतिक विरासत को वापस लाने के लिए साकारात्मक प्रयास कर रही है।प्रधानमंत्री मोदी ने कई विदेशी दौरों पर वैश्विक नेताओं के साथ इस मामले पर चर्चा की, जिसकी बदौलत अब तक 251 प्रचीन मूर्तियों को विदेशों से वापस स्वदेश लाया गया है। इसमें से 238 को 2014 से वापस लाया गया है। इससे पहले अमेरिकी ने 2022 में 307 प्रचीनकालीन वस्तुओं को भारत को लौटाया था। ये प्रचीनकालीन वस्तुएं तस्करी करके चुराई गई थीं, जिनकी कीमत लगभग 4 मिलियन अमेरिकी डॉलर थी।

## दक्षिण कोरिया सरकार चीनी नागरिकों के मतदान व स्वास्थ्य अधिकारों को करेगी सीमित

**सिओल, एजेंसी।** दक्षिण कोरिया की सरकार ने चीन के खिलाफ बड़ा कदम उठाने का फैसला किया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक दक्षिण कोरिया की सत्तारूढ़ पार्टी चीन के साथ बढ़ते तनाव के बीच देश में रहने वाले चीनी नागरिकों के अधकारों को सीमित कर सकती है। दक्षिण कोरिया सरकार ने देश की राजनीति में चीनी नागरिकों के बढ़ते हस्तक्षेप अपने चिकित्सा बीमा कानून का दुरुपयोग रोकने के लिए यह कदम उठाने का निर्णय लिया है। सत्तारूढ़ पार्टी का आरोप है कि चीनी नागरिक दक्षिण कोरिया में विरोधी भावनाओं को भड़काने का काम रहे हैं।

राष्ट्रपति यूं सुक-योल की रूढ़िवादी पीपल पावर पार्टी (पीपीपी) के अध्यक्ष किम गि-ह्योन - जिनकी संसद में प्रतिद्वंद्वी डेमोक्रेटिक पार्टी की तुलना में कम सीटें हैं, ने मंगलवार को एक भाषण के दौरान सांसदों से कहा कि पारस्परिकता के सिद्धांत के तहत स्थापित दक्षिण कोरिया-चीन संबंधों को फिर से सुधारा जाना चाहिए। किम ने कहा, हम इस देश में चीनी निवासियों के मतदान के अधिकार को सीमित करने के लिए काम करेंगे।

उन्होंने कहा, पिछले साल स्थानीय चुनावों में, दक्षिण कोरिया में रहने वाले लगभग 100,000 चीनी लोग वोट देने के पात्र थे, जबकि चीन में दक्षिण कोरियाई लोगों को वोट देने की बिल्कुल भी अनुमति नहीं थी।

## अमेरिका के बाद मिस्र में भी पीएम मोदी का जोरदार स्वागत

### मोदी-मोदी के लगे नारे; युवती ने गाया- ये दोस्ती हम नहीं तोड़ेंगे

**काहिरा, एजेंसी।** अमेरिका का ऐतिहासिक दौरा खत्म करने के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार को मिस्र की दो दिवसीय राजकीय यात्रा पर काहिरा पहुंचे। यहां भी प्रधानमंत्री मोदी का जोरदार स्वागत किया गया। एयरपोर्ट पर भारतीय प्रधानमंत्री को गार्ड ऑफ ऑनर भी मिला। इसके बाद पीएम मोदी एयरपोर्ट से होटल पहुंचे, जहां लोगों ने मोदी-मोदी और वंदे मातरम के नारे लगाए। यहां मिस्र की युवती जेना ने काहिरा में फिल्म शोले के गाने ये दोस्ती हम नहीं तोड़ेंगे गाकर पीएम मोदी का स्वागत किया।

जेना ने कहा, मैं पहले कभी भारत नहीं गई थी। जब मैं छह साल की थी तब से मैं एक भारतीय गीत गा रही हूं। पीएम मोदी से मिलकर बहुत अच्छा लगा। उन्होंने मुझसे कहा कि हम ऐसे दिखते हैं जैसे हम भारत से हैं। कोई अंतर नहीं है। उन्होंने आगे कहा, यह बहुत अच्छा था। इसलिए मैं उनसे मिलकर बहुत सम्मानित महसूस कर रही हूं। पीएम मोदी के स्वागत के लिए रिट्ज कार्लटन होटल में भारतीय समुदाय के कई सदस्य मौजूद थे। भारतीय प्रवासियों ने तिरंगा लहराकर और मोदी-मोदी और वंदे मातरम के नारे कहकर अपना उत्साह दिखाया। प्रवासी भारतीयों में कई बच्चे भी मौजूद थे। पीएम मोदी के स्वागत में कई लोगों ने भारतीय गीत भी गाए और सांस्कृतिक कार्यक्रम भी पेश किए। प्रधानमंत्री मोदी ने भारतीय समुदाय के लोगों का भी अभिनंदन किया और उनके साथ बातचीत भी की, जो उनके स्वागत के लिए खड़े थे। विशेष रूप से प्रधानमंत्री मोदी मिस्र के राष्ट्रपति अब्देल फतह अल-सिसी के निमंत्रण पर मिस्र का दौरा कर रहे हैं। इस दौरान वह दोनों देशों के रणनीतिक संबंधों को आगे बढ़ाने के लिए राष्ट्रपति अब्देल फतह अल-सिसी सहित मिस्र के नेतृत्व के साथ बातचीत करेंगे। मोदी मिस्र के राष्ट्रपति अल-सिसी के निमंत्रण पर मिस्र का दौरा कर रहे हैं। पिछले 26 वर्षों में किसी भारतीय प्रधानमंत्री की मिस्र की यह पहली यात्रा है। खास गर्मजोशी दिखाते हुए मिस्र के प्रधानमंत्री मुस्तफा मैडबौली ने यहां हवाई अड्डे पर गले लगाकर मोदी का स्वागत किया। प्रधानमंत्री मोदी के आगमन पर उनका औपचारिक स्वागत किया गया और गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। प्रधानमंत्री मोदी ने काहिरा पहुंचने के बाद ट्वीट किया, मुझे विश्वास है कि यह यात्रा मिस्र के साथ भारत के संबंधों को मजबूत करेगी। मैं राष्ट्रपति अब्देल फतह अल-सिसी के साथ बातचीत और अन्य कार्यक्रमों में भाग लेने के लिए उत्सुक हूं। पीएम मोदी अपने समकक्ष मैडबौली के नेतृत्व में मिस्र मंत्रिमंडल के साथ भारत पर केंद्रित एक गोलमेज चर्चा में शामिल होंगे। मोदी मिस्र के ग्रैंड मुफ्ती डॉ शॉकी इब्राहिम अब्देल-करीम आलम से मुलाकात करेंगे और बाद में मिस्र के प्रमुख बुद्धिजीवियों के साथ चर्चा करेंगे।

मुद्रक तथा प्रकाशक रंजीत राय द्वारा स्वामी आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, प्लॉट नं. सी-16 एवं 17, रोड नं. 9, पाटलिपुत्रा इंडस्ट्रीयल एरिया, पटना-800013 के पक्ष में आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड प्रेस से मुद्रित एवं सी-20, एस.के. पुरी, नियर बसावन पार्क, पटना, बिहार-800013 से प्रकाशित संपादक- देवन प्रसाद

(नोटः प्रकाशित सभी लेखों आदि से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं और किसी भी कानूनी वाद-विवाद का निपटारा पटना न्यायालय में ही किया जाएगा।) RNI. No. BIHHIN/2013/ 49676, Email: news@pratahkiran.com, patna@pratahkiran.com, 9212228045, 8130691216, 9971557129